

सम्बृद्ध गैडहवा, सम्पन्न जनता

# मध्यमकालीन खर्च संरचना

आ. व. २०८०/०८१-०८२/०८३



गैडहवा गाउँपालिका  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय  
विष्णुपुरा-रुपन्देही, लुम्बिनी प्रदेश

## विषय सूची

## Contents

मध्यमकालिन खर्च संरचना.....	9
परिच्छेद-१ परिचय .....	10
१.१ पृष्ठभूमि .....	१०
१.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा .....	१०
१.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य.....	११
१.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरु.....	११
परिच्छेद-२     16	
२.१ पृष्ठभूमि.....	१६
२.२ चूनौति तथा अवसर.....	१६
२.३ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति .....	१७
२.३.१ दीर्घकालीन सोच.....	१७
२.३.२ लक्ष्य .....	१८
२.३.३ उद्देश्य.....	१८
२.३.४ रणनीति.....	१८
तालिका २.१ मध्यमकालिन समष्टिगत आर्थिक लक्ष्य (प्रचलित मुल्यमा).....	१९
२.५ मध्यमकालीन नतिजा खाका .....	१९
तालिका २.२ प्रमुख विषय क्षेत्रगत सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	१९
२.६ मध्यमकालीन बजेट खाका.....	२१
तालिका २.३ त्रिबर्षीय बजेट विनियोजन र प्रक्षेपण (रकम रु हजारमा).....	२३
२.७ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँट .....	२३
तालिका: २.४ रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण (रु. हजारमा) .....	२३
तालिका २.५ प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा).....	२४
तालिका २.६ दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण .....	२५
(रु. लाखमा) .....	२५
तालिका २.७ लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा).....	२५
तालिका २.८ जलबायु संकेतको बजेटको आधारमा ३ आर्थिक वर्षको आधारमा ३ आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण रु. हजारमा.....	२६
२.८ विषय उपक्षेत्रगत बाँडफाँट:.....	२६
तालिका २.१० आगामी तीन आ.व.को विषय उपक्षेत्रगत खर्चको बाँडफाँटको प्रक्षेपण (रकम रु. लाखमा) .....	२७
परिच्छेद-३     29	
आर्थिक विकास क्षेत्र.....	२९
३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा .....	२९
३.१.१ पृष्ठभूमि.....	२९
३.१.२ समस्या तथा चूनौति.....	२९
३.१.३ सोच .....	२९
३.१.४ उद्देश्य.....	२९
३.१.५ रणनीति .....	३०
३.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	३०
३.१.७ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा क्षेत्रको खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	३१

३.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	३१
३.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	३२
३.२ सिंचाई .....	३२
३.२.१ पृष्ठभूमि .....	३२
३.२.२ समस्या तथा चुनौति .....	३२
३.२.३ सोच .....	३२
३.२.४ उद्देश्य .....	३२
३.२.५ रणनीति .....	३३
३.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	३३
३.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	३४
३.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	३४
३.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	३४
३.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति .....	३४
३.३.१ पृष्ठभूमि .....	३४
पशुपंक्षि तथा माछापालन .....	३४
३.३.२ समस्या तथा चुनौति .....	३४
३.३.३ सोच .....	३५
३.३.४ उद्देश्य .....	३५
३.३.५ रणनीति .....	३५
३.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	३५
३.३.७ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	३६
३.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	३६
३.४ पर्यटन विकास .....	३७
३.४.१ पृष्ठभूमि .....	३७
३.४.२ समस्या तथा चुनौति .....	३७
३.४.३ सोच .....	३७
३.४.४ उद्देश्य .....	३७
३.४.५ रणनीति .....	३७
३.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	३८
३.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	३८
३.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	३९
३.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	३९
३.५ सहकारी .....	३९
३.५.१ पृष्ठभूमि .....	३९
३.५.२ समस्या तथा चुनौति .....	३९
३.५.३ सोच .....	४०
३.५.४ उद्देश्य .....	४०
३.५.५ रणनीति .....	४०
३.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	४०
३.६.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	४०
३.६.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	४०
३.७ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा .....	४१
३.७.१ पृष्ठभूमि .....	४१

३.७.२ समस्या तथा चुनौति .....	४१
३.७.३ सोच .....	४१
३.७.४ उद्देश्य .....	४१
३.७.५ रणनीति .....	४१
३.७.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	४२
३.७.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	४२
३.७.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	४३
परिच्छेद-४ 44	
सामाजिक विकास क्षेत्र .....	४४
४.१ शिक्षा, विज्ञान र नवप्रवर्तन .....	४४
४.१.१ पृष्ठभूमि .....	४४
४.१.२ समस्या तथा चुनौति .....	४४
४.१.३ सोच .....	४५
४.१.४ उद्देश्य .....	४५
४.१.५ रणनीति .....	४५
४.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	४५
४.१.७ शैक्षिक विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	४६
४.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	४६
४.१.९ अनुमान तथा जोखिम .....	४७
४.२.१ पृष्ठभूमि .....	४७
४.२.२ समस्या तथा चुनौति .....	४७
४.२.३ सोच .....	४८
४.२.४ उद्देश्य .....	४८
४.२.५ रणनीति .....	४८
४.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	४८
४.२.७ स्वास्थ्य तथा पोषण विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान: .....	४८
४.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	४९
४.३ खानेपानी तथा सरसरफाई .....	५०
४.३.१ पृष्ठभूमि .....	५०
४.३.२ समस्या तथा चुनौति .....	५१
४.३.३ सोच .....	५१
४.३.४ उद्देश्य .....	५१
४.३.५ रणनीति .....	५१
४.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	५१
४.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान: .....	५२
४.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण: .....	५२
४.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	५३
४.४ लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण .....	५३
४.४.१ पृष्ठभूमि .....	५३
४.४.२ समस्या तथा चुनौति: .....	५३
४.४.३ सोच .....	५४
४.४.४ उद्देश्य .....	५४
४.४.५ रणनीति .....	५४

४.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य: .....	५४
४.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान: .....	५५
४.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण: .....	५५
४.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान: .....	५६
४.५ युवा खेलकुद तथा कला .....	५६
४.५.१ पृष्ठभूमि: .....	५६
४.५.२ समस्या तथा चुनौति: .....	५६
४.५.३ सोच .....	५६
४.५.४ उद्देश्य .....	५६
४.५.५ रणनीति .....	५७
४.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	५७
४.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान: .....	५७
४.५.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	५८
४.५.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	५८
परिच्छेद-५ 59	
पूर्वाधार विकास क्षेत्र .....	५९
५.१ बस्ति, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण .....	५९
५.१.१ पृष्ठभूमि .....	५९
५.१.२ समस्या तथा चुनौति .....	५९
५.१.३ सोच .....	५९
५.१.४ उद्देश्य .....	५९
५.१.५ रणनीति .....	५९
५.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६०
५.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान: .....	६०
५.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण: .....	६१
५.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	६१
५.२ सडक पुल तथा यातायात .....	६२
५.२.१ पृष्ठभूमि .....	६२
५.२.२ समस्या तथा चुनौति .....	६२
५.२.३ सोच .....	६२
५.२.४ उद्देश्य .....	६२
५.२.५ रणनीति .....	६२
५.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६३
५.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६४
५.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	६४
५.३.१ पृष्ठभूमि .....	६५
५.३.२ समस्या तथा चुनौति .....	६५
५.३.३ सोच .....	६५
५.३.४ उद्देश्य .....	६५
५.३.५ रणनीति .....	६५
५.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६५
५.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६६
५.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	६८

५.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	६८
५.४ सूचना संचार तथा प्रबिधि .....	६८
५.४.१ पृष्ठभूमि.....	६८
५.४.२ समस्या तथा चुनौती.....	६८
५.४.३ सोच.....	६८
५.४.४ उद्देश्य.....	६८
५.४.५ रणनीति.....	६८
५.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य.....	६९
५.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	७०
५.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	७०
परिच्छेद ६ 71	
वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन क्षेत्र.....	७१
६.१ बन तथा जैविक विविधता .....	७१
६.१.१ पृष्ठभूमि.....	७१
६.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	७१
६.१.३ सोच.....	७१
६.१.४ उद्देश्य .....	७१
६.१.५ रणनीति.....	७२
६.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	७२
६.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	७३
६.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	७३
६.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन .....	७४
६.२.१ पृष्ठभूमि:.....	७४
६.२.२ अवसर तथा संभावना .....	७४
६.२.३ समस्या तथा चुनौती .....	७४
सोच:.....	७४
लक्ष्य:.....	७४
उद्देश्य:.....	७४
रणनीति.....	७४
६.२.४ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	७५
६.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	७५
६.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	७६
६.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु अनुकूलन.....	७६
६.३.१ पृष्ठभूमि .....	७६
६.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	७६
६.३.३ सोच.....	७६
६.३.४ लक्ष्य र उद्देश्य.....	७६
६.३.५ रणनीति.....	७७
६.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	७७
६.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	७८
६.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	७८
६.३.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	७८
६.४ महामारी तथा विपद व्यवस्थापन.....	७९

६.४.१ पृष्ठभूमि .....	७९
६.४.२ समस्या तथा चूनौति .....	७९
६.४.३ सोच .....	७९
६.४.४ उद्देश्य .....	७९
६.४.५ रणनीति .....	७९
६.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	७९
६.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	८०
६.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	८०
परिच्छेद-७ 81	
संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र .....	८१
७.१ नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन .....	८१
७.१.१ पृष्ठभूमि .....	८१
७.१.२ समस्या तथा चूनौति .....	८१
७.१.३ सोच .....	८१
७.१.४ उद्देश्य .....	८१
७.१.५ रणनीति .....	८१
७.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	८२
७.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	८२
७.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	८३
७.२ संगठनात्मक विकास .....	८४
७.२.१ पृष्ठभूमि .....	८४
७.२.२ समस्या तथा चूनौति .....	८४
७.२.३ सोच .....	८४
७.२.४ उद्देश्य .....	८४
७.२.५ रणनीति .....	८४
७.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	८४
७.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	८५
७.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण: .....	८५
७.२.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान: .....	८५
७.३ स्रोत परिचालन .....	८६
७.३.१ पृष्ठभूमि .....	८६
७.३.२ समस्या तथा चूनौति .....	८६
७.३.३ सोच .....	८६
७.३.४ उद्देश्य .....	८६
७.३.५ रणनीति .....	८६
७.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	८६
७.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण: .....	८७
७.३.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	८७
७.४ योजना तथा व्यवस्थापन .....	८७
७.४.१ पृष्ठभूमि .....	८७
७.४.२ समस्या तथा चूनौति .....	८७
७.४.३ सोच .....	८८
७.४.४ उद्देश्य .....	८८

७.४.५ रणनीति .....	८८
७.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	८८
७.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	८८
७.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	८८
७.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	८९
अनुसूची-१ 90	
मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यदल .....	९०
अनुसूची-२ 91	
मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तर्जुमा सम्बन्धी मार्गदर्शन .....	९१
पृष्ठभूमि .....	९१
कार्यक्रम तथा उपलब्धिको संक्षिप्त समीक्षा .....	९२
योजना तथा बजेट तर्जुमाका आधारहरू .....	९२
बजेट तर्जुमा मार्गदर्शन .....	९४
अनुसूची ४ 96	
मध्यमकालीन खर्च संरचना कार्यशालाको उपस्थिति विवरण .....	<b>Error! Bookmark not defined.</b>
अनुसूची ५ 114	

## मध्यमकालीन खर्च संरचना

(आ.ब.२०८०/०८१-०८२/०८३)

प्रकाशक:	गैडहवा गाउँपालिका, गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, बिशुपुरा
सर्बाधिकार	प्रकाशकमा
आवरण फोटो	गैडहवा गाउँपालिका
प्रकाशन मिति	२०८० आषाढ
प्राविधिक सहयोग	इन्द्रेणी ग्रामीण विकास केन्द्र नेपाल, रुपन्देही
सम्पर्कका लागि	गैडहवा गाउँकार्यपालिकाको
ठेगाना	गैडहवा ३, बिष्णुपुरा
इमेल	<a href="mailto:gaidahawagaupalika@gmail.com">gaidahawagaupalika@gmail.com</a>

## परिच्छेद-१

### परिचय

#### १.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकारको नीति कार्यक्रम, दीर्घकालीन एवम् अल्पकालीन योजनाहरु, रणनीतिक योजनाहरु समेतले लिएका समष्टिगत तथा विषयगत लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता र वित्तीय सुशासन जस्ता विषयहरु सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनका मुख्य अवयवहरु हुन् । मध्यमकालीन खर्च संरचनाले आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमबीच अन्तरसम्बन्ध कायम गरी सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन मद्दत गर्दछ । यसले विभिन्न स्रोतहरुको व्यवस्थापन र आशातित नतिजाको खाका समेत प्रस्तुत गर्दछ ।

प्राथमिकताका आधारमा सार्वजनिक स्रोतको बाँडफाँट गरी खर्चको प्रभावकारिता बढाउनु मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रमुख उद्देश्य हो । मध्यमकालीन खर्च संरचनाले विकास योजनाको लक्षित नतिजा हासिल गर्नको निमित्त उपलब्ध स्रोत साधनको प्रभावकारी विनियोजन र परिचालन, पारदर्शी र मितव्ययी खर्च प्रणाली, वित्तीय सुशासन जस्ता पक्षमा सुधार ल्याउन महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछ ।

नेपाल सरकारले तर्जुमा गरेका विभिन्न कानूनहरु, अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ र आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा सो सम्बन्धी नियमावलीले संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी कार्यान्वयन गर्न अनिवार्य गरेको छ । यस सन्दर्भमा गाउँ कार्यपालिका, विषयगत समिति, कार्यदल, विषयगत शाखा र वडा समितिमा कार्यरत पदाधिकारी तथा कर्मचारीहरुको सहभागितामा गैडहवा गाउँपालिकाको आवधिक योजना, वार्षिक नीति कार्यक्रम तथा गाउँपालिकामा उपलब्ध अन्य सूचनालाई आधार मानि आगामी तीन वर्षको खर्चको प्रक्षेपणसहित पहिलो पटक यो मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८०/८१-२०८२/८३) तयार गरिएको छ ।

#### १.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा

मध्यमकालीन खर्च संरचनाले सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको एक औजारको रूपमा सरकारसँग उपलब्ध सीमित स्रोत-साधनको वस्तुनिष्ठ आकलन गर्ने र योजनाको प्राथमिकताको क्षेत्रमा मध्यम अवधिको लागि बाँडफाँट गर्ने गर्दछ । यस संरचनामा मुख्यतः समष्टिगत आर्थिक खाका, नतिजा खाका र बजेट खाका गरी तीन वटा अवयवहरु समावेश गरिएका हुन्छन्

दीर्घकालीन योजना, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक योजना तथा गुरुयोजनाको लक्ष्य उद्देश्यको आधारमा उत्पादन, रोजगारी, आय र लगानी लगायतका परिसूचक समावेश गरी मध्यमकालीन वित्त खाका -Medium Term Fiscal Framework - MTFF\_ निर्धारण गरिन्छ । साथै स्थानीय तहलाई संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान, आन्तरिक आय, आन्तरिक ऋण तथा अन्य स्रोत समेत आकलन गरी क्षेत्रगत प्राथमिकता अनुरूप विषयगत शाखा र अन्तर्गतका निकायहरूसँग सम्बन्धित नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्न कार्यक्रम तथा आयोजनागत रूपमा खर्चको अनुमान सहितको मध्यमकालीन बजेट खाका -Medium Term Budgetary Framework - MTBF\_ तयार गरिन्छ । त्यसैगरी बजेटको कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरी मध्यमकालीन नतिजा खाका -Medium Term Result Framework – MTRF\_ तयार गरिन्छ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनामा पहिलो आर्थिक वर्षमा बजेटको वास्तविक स्रोत र खर्चको अनुमान हुन्छ भने त्यसपछिका दुई आर्थिक वर्षका लागि स्रोत र खर्चको प्रक्षेपण गरिन्छ । पहिलो वर्षको बजेट कार्यान्वयन भएपछि उपलब्धि समीक्षा गरी बाँकी दुई वर्षको प्रक्षेपित अनुमान परिमार्जन एवम् थप एकवर्षको बजेट प्रक्षेपण गरिएको हुन्छ । यसरी मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चक्रीय हिसाबले प्रत्येक वर्ष तीन वर्षको बजेटको आँकलन गर्नुपर्ने हुन्छ । यसप्रकार मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ ।

### १.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य

गैडहवा गाउँपालिकाको पहिलो प्रयासको रूपमा प्रस्तुत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिएको छ । यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाबाट गाउँपालिकाको समग्र विकासको लागि प्राथमिकता प्राप्त आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको निरन्तरता र लगानी तथा कार्यान्वयनको सुनिश्चितताद्वारा दिगो विकास हासिल हुने अपेक्षा गरिएको छ । यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाले गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, आवधिक योजना, प्रदेश तथा राष्ट्रिय लक्ष्य र दिगो विकासका लक्ष्य प्राप्तिका योगदान पुऱ्याउने विश्वास लिइएको छ । यस मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई सरल र यथार्थपरक बनाउन विषय क्षेत्रगत उपलब्धिका आधारमा मध्यमकालीन लक्ष्य निर्धारण गरी सोही बमोजिम स्रोत तथा खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । यसबाट गाउँपालिकालाई आगामी आर्थिक वर्षहरूको बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन सहयोगी हुने अपेक्षा गरिएको छ ।

यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मुख्य उद्देश्य उपलब्ध स्रोत साधनलाई नीति, आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमबीच तालमेल गराई सार्वजनिक खर्च प्रणालीमा सुधार ल्याई वित्तीय अनुशासन कायम गर्नु हो । यसका अतिरिक्त मध्यमकालीन खर्च संरचनाको तयारीबाट देहायको उद्देश्य हासिल हुने अपेक्षा गरिएको छ ः

- क) आयोजना तथा कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गरी प्राथमिकता प्राप्त आयोजना तथा कार्यक्रमको लागि स्रोतको सुनिश्चितता गर्ने,
- (ख) मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई दिगो विकासमैत्री बनाई नेपालले निर्धारण गरेका लक्ष्य सन २०३० सम्ममा प्राप्त गर्न सहयोग गर्ने,
- (ग) गाउँपालिकामा उपलब्ध हुने मध्यम अवधिको आन्तरिक र बाह्य स्रोतको वास्तविक अनुमान गरी बजेट तर्जुमालाई यथार्थपरक बनाउने, र
- (घ) गाउँपालिकाबाट गरिने सार्वजनिक खर्चलाई बढी प्रभावकारी र कुशल बनाई लक्षित प्रतिफल सुनिश्चित गर्ने ।

### १.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरू

स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा नेपालको संविधानले व्यवस्था गरेका प्रावधानहरू एवम् स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रभित्रका आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथा राजनीतिक पक्षसँग सम्बन्धित विभिन्न नीति, ऐन, नियमको कार्यान्वयन तथा दीर्घकालीन योजना, आवधिक योजना, विषयगत रणनीतिक योजना र दिगो विकासको लक्ष्य हासिल गर्ने पक्षलाई ध्यान दिनु पर्दछ । सो बमोजिम यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा देहायमा उल्लिखित विषयवस्तुलाई प्रमुख आधारको रूपमा लिइएको छ ।

- नेपालको संविधान

- दिगो विकासका लक्ष्यको अवस्था र मार्गचित्र (२०१५-२०३०)
- अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४
- राष्ट्रिय दीर्घकालिन सोच, २१०० तथा पन्ध्रौँ राष्ट्रिय योजना (२०७६/७७-२०८१/८२)
- लुम्बिनी प्रदेशको पहिलो आवधिक योजना (२०७६/७७-२०८०/८१)
- नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारको नीति तथा कार्यक्रम (आ.व.२०७९/८०)
- स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ (परिमार्जित)
- गैडहवा गाउँपालिकाको आवधिक योजना
- गाउँपालिकाका अन्य विषय क्षेत्रगत नीति र योजनाहरू
- गाउँपालिका प्रोफाइल
- राष्ट्रिय जनगणना २०७८

### १.५ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा विधि तथा प्रक्रिया

गैडहवा गाउँपालिकाले सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयले तयार गरेको (१) "स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना दिग्दर्शन २०७८, (परिमार्जित)", (२) "स्थानीय तहको बजेट तथा कार्यक्रममा दिगो विकास लक्ष्यको सांङ्केतिकरण स्रोत पुस्तिका, २०७९" र (३) "स्थानीय तहको दिगो विकास लक्ष्यमैत्री मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्न सहयोगी स्रोत पुस्तिका, २०७९" लाई आधारमानी यो मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरेको छ । यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा देहाय बमोजिमको चरण तथा प्रक्रियाको अबलम्बन गरिएको छ ।

#### प्रक्रिया १ प्राविधिक सहयोगका लागि टोली परिचालन

स्थानीय तहमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्य नितान्त नौलो र प्राविधिक विषय भएको हुँदा इन्देणी ग्रामीण विकास केन्द्रले यस कार्यका लागि गाउँपालिकालाई प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराएको छ । तसर्थ प्रस्तुत मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्यमा इन्देणी ग्रामीण विकास केन्द्रको प्राविधिक सहयोगमा परिचालन भएका विज्ञ परामर्शदाताको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी कार्यमा विज्ञ परामर्शदाताबाट गाउँ कार्यपालिकाका पदाधिकारीहरू तथा कर्मचारीलाई अभिमुखीकरण गर्ने, कार्यदल निर्माण गर्ने, गत विगत वर्षको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको स्रोत र खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गर्ने, बजेट सीमा निर्धारण तथा विषयगत शाखा तथा समितिसँग राय परामर्श गरी विषय उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गर्ने र बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिको नेतृत्वमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्तिम मस्यौदा तयार गर्ने कार्यमा सहयोग तथा सहजीकरण गरिएको थियो ।

#### प्रक्रिया २ नीतिगत, कानूनी दस्तावेज, दिग्दर्शन एवं अन्य उपयोगी सन्दर्भ सामग्री संकलन तथा समिक्षा:

गाउँपालिकाको मार्ग निर्देशनमा परामर्शदाताद्वारा स्थानीय तहको योजना, श्रोत प्रक्षेपण र सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित नीति, कानून, दिग्दर्शन र कार्यविधि लगायतका सान्दर्भिक दस्तावेज संकलन एवम् अध्ययन गरियो । दस्तावेजहरूको अध्ययनबाट मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा व्यवस्था गरिएका महत्वपूर्ण तथा सान्दर्भिक व्यवस्था पहिचान तथा विश्लेषण गरियो । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा अध्ययन एवं समीक्षा गरिएका प्रमुख सन्दर्भ सामग्री देहाय बमोजिम रहेका छन् ।

- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४
- अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४

- आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा नियमावली, २०७७
- राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगका प्रतिवेदन तथा सिफारिशहरु
- नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारको वित्तीय हस्तान्तरणको अभ्यास
- नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार एवं गाउँपालिकाको राजस्व सम्बन्धी कानून र आर्थिक ऐनहरु
- स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ (परिमार्जित)
- स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ (परिमार्जित)
- स्थानीय सरकारको बजेट तथा योजना तर्जुमा हाते किताब, २०७७
- नेपाल सरकारको दीर्घकालीन सोच, पन्ध्रौँ राष्ट्रिय योजना
- लुम्बिनी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना
- गैडहवा गाउँपालिकाको आवधिक योजना
- गैडहवा गाउँपालिकाको नीति कार्यक्रम, कानून तथा प्रतिवेदन आदि ।

### प्रक्रिया ३ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको ढाँचा, औजार र कार्ययोजना तर्जुमा

स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी सम्बन्धी दिग्दर्शनमा उल्लेखित विधि, औजार एवम् कार्ययोजना सम्बन्धमा गाउँपालिकाका प्रमुख, उपप्रमुख, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, योजना शाखा, सूचना प्रविधि शाखा प्रमुख लगाएतको सहभागितामा छलफल तथा सहमति गरियो । छलफलका आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी विधि तथा प्रक्रिया औजार र दस्तावेजको ढाँचाको प्रस्ताव तयार गरियो । साथै, छलफलमा आएका सुझाव तथा पृष्ठपोषणका आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी कार्ययोजना तर्जुमा गरी सोही बमोजिम यो दस्तावेज तयार गरिएको छ ।

### प्रक्रिया ४ अभिमूखीकरण तथा प्रारम्भिक कार्यशालाको आयोजना

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा, ढाँचा, प्रक्रिया, औजार र संस्थागत जिम्मेवारी सम्बन्धमा सरोकारवालासँग छलफल गरी साझा बुझाइ तयार गर्ने उद्देश्यले गाउँपालिकामा एक दिवसीय अभिमूखीकरण तथा प्रारम्भिक कार्यशालाको आयोजना गरिएको थियो । सो कार्यशालामा गाउँपालिकाका निर्वाचित जनप्रतिनिधि, कर्मचारी एवम् सरोकारवालाको सहभागिता रहेको थियो । कार्यशालामा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा, विधि तथा प्रक्रिया औजार, संस्थागत व्यवस्था र कार्ययोजना प्रस्तुति गरी यस सम्बन्धमा स्पष्टता तथा बुझाईमा एकरूपता कायम गरियो । सोही कार्यशालाबाट मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्य योजनाको स्वीकृति र यस सम्बन्धमा स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति, बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति, विषयगत समिति, कार्यदल र विषयगत शाखाको जिम्मेवारी तथा भूमिका समेत स्पष्ट गरियो । यसका साथै मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यदल गठन गरी आवश्यक कार्य सम्पादन समेत गरिएको छ । कार्यदलको विवरण अनुसूची १ मा प्रस्तुत छ ।

### प्रक्रिया ५ विषयगत समिति तथा शाखासँग परामर्शको आयोजना

दीर्घकालीन सोच, विषयगत रणनीतिक योजना, एकीकृत शहरी विकास योजना र वार्षिक योजनाको उपलब्धि समीक्षाका लागि विषयगत समिति/ईकाइसँग परामर्श तथा छलफल गरिएको छ । यस परामर्शबाट प्रमुख उपलब्धि, चालु आयोजना, क्रमागत आयोजना तथा कार्यक्रम, विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएका आयोजना, सम्भाव्यता अध्ययन र लागत अनुमान विवरण तयार गरिएको छ । सो छलफलबाट विषय क्षेत्रगत योजनाको सूची तयारी एबम् हरेक आयोजना तथा उप-क्षेत्रगत रूपमा स्रोत आवश्यकता निर्धारण गरिएको थियो ।

### प्रक्रिया ६ श्रोत तथा खर्चको अनुमान र त्रिवर्षिय प्रक्षेपण

राजश्व बाँडफाँड, अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण लगायतका विभिन्न श्रोतबाट उपलब्ध हुने रकमलाई विगत आर्थिक वर्षहरूको श्रोतको उपलब्धताका आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको श्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरियो भने आन्तरिक श्रोतलाई राजश्व परामर्श समितिको प्रतिवेदनका आधारमा अनुमान तथा प्रक्षेपण तयार गरिएको छ । विगत आर्थिक वर्षहरूको खर्च सहित गाउँपालिकाका रूपान्तरणकारी आयोजना, चालु तथा बहुवर्षीय आयोजना अनुसारका प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाको कार्यान्वयनमा आवश्यक पर्ने श्रोतलाई मध्यनजर गरी खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । श्रोत तथा खर्च प्रक्षेपणका आधारमा तीन वर्षको बजेट सीमा निर्धारण गरी सबै विषयगत शाखामा क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका लागि उपलब्ध गराएको थियो ।

### प्रक्रिया ७ विषय उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा

विषय उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका लागि विषयगत शाखासँग छलफल, बैठक र गरी तथ्यांक संकलन तथा रुजु गरिएको थियो । यी छलफल तथा बैठकहरूमा विषयगत शाखा-एकाइका कर्मचारीहरूको सहभागिता रहेको र छलफलबाट प्रत्येक उप-क्षेत्रमा आगामी तीन वर्षमा सञ्चालन गरिने आयोजना तथा कार्यक्रमको पहिचान गर्ने, प्राथमिकता निर्धारण गर्ने, लागत अनुमान यकिन गर्ने र आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि स्रोत आवश्यकता निर्धारण गर्ने एबम् आयोजना/कार्यक्रम तथा उपक्षेत्रको दिगो विकास लक्ष्य, लैङ्गिक तथा जलवायु संकेतका आधारमा साँकेतिकरण गर्ने कार्य गरिएको थियो ।

### प्रक्रिया ८ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेज तयारी

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शनका आधारमा विषय उप-क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयारीका लागि विषयगत शाखा/एकाइलाई विज्ञ परामर्शदाताबाट सहयोग तथा सहजीकरण गरिएको थियो । यसरी तयार भएको विषय उप-क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदालाई विषय क्षेत्रगत रूपमा योजना तर्जुमा कार्यशालाको आयोजना गरी कार्यशालाको निष्कर्षको रूपमा एकीकृत गरी विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गरिएको थियो । यस कार्यशालामा विषयगत शाखा प्रमुख तथा विषयगत समितिका पदाधिकारीहरूको उपस्थिति रहेको थियो ।

### प्रक्रिया ९ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयारी

निर्धारित ढाँचामा तयार भएको विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदालाई बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिको बैठकमा छलफल गरी मध्यमकालीन खर्च संरचनाको एकीकृत मस्यौदा दस्तावेज तयार गरिएको थियो । यस कार्यमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्यदलले आवश्यक समन्वय गरेको थियो । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेजमा सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयबाट जारी स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ (परिमार्जित) एवम् राष्ट्रिय योजना आयोगबाट जारी स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ (परिमार्जित) को व्यवस्था बमोजिम समष्टिगत मध्यमकालीन वित्त खाका, मध्यमकालीन नतिजा खाका र मध्यमकालीन बजेट खाकाको साथै विषय क्षेत्रगत रूपमा योजना र कार्यक्रम/आयोजनाको सारांश समावेश गरिएको छ ।

### प्रक्रिया १० मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा प्रस्तुति तथा छलफल कार्यशाला

उल्लेखित प्रक्रियाबाट तयार गरिएको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा उपर छलफल गरी सुझाव संकलनका उद्देश्यले एकदिने कार्यशाला आयोजना गरिएको थियो । कार्यशालामा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत,

शाखा प्रमुखहरु तथा सम्बद्ध अन्य कर्मचारीहरुको सहभागिता रहेको थियो । कार्यशालामा मस्यौदा प्रतिवेदनका मुख्य पक्षहरु प्रस्तुति गरी सुझाव प्राप्त गर्नुका साथै नपुग देखिएका सूचना तथा तथ्यांक समेत संकलन गरिएको थियो ।

### प्रक्रिया ११ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको परिमार्जित मस्यौदा तयारी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा प्रस्तुति तथा छलफल पश्चात कार्यशाला तथा गाउँपालिकाका विभिन्न शाखाहरुबाट प्राप्त सुझावहरु समेटी मस्यौदा दस्तावेजलाई आवश्यक परिमार्जन गरिएको छ । यसरी तयार भएको मस्यौदालाई यस विषयका विज्ञद्वारा पुनरावलोकन गराई मस्यौदालाई अन्तिम रूप प्रदान गरिएको छ ।

### प्रक्रिया १२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको स्वीकृति

बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिबाट पेश भएको मध्यमकालीन खर्च संरचना दस्तावेज गाउँ कार्यपालिकाको बैठकमा छलफल गरी स्वीकृत गरिएको छ । साथै उक्त मध्यमकालीन खर्च संरचना दस्तावेज आगामी गाउँ सभाबाट अनुमोदन गराउने निर्णय समेत कार्यपालिकाबाट गरिएको छ ।

## परिच्छेद-२

### मध्यमकालीन खर्च संरचना

#### २.१ पृष्ठभूमि

सामाजिक तथा आर्थिक विकास र समृद्धिका लागि सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । यसका लागि साधन स्रोतको विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता तथा वित्तीय अनुशासनका तीनै पक्ष उत्तिकै प्रभावकारी हुनुपर्दछ । यी तीनवटै पक्षहरूमा सुधार गर्ने उपाय तथा औजारको रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई लिइन्छ । नेपालमा दशौं पंच ंवर्षिय योजना देखि नै मध्यमकालीन खर्च संरचनाको तर्जुमा र कार्यान्वयन गरी प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा साधन र स्रोतको विनियोजन गर्ने पद्धतिको शुरुवात गरिएको हो ।

सङ्घीय संरचना अनुरूप अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन सम्बन्धी सङ्घीय कानूनले संघ, प्रदेश तथा स्थानीय सरकारले प्रत्येक आर्थिक वर्षमा आ-आफ्नो क्षेत्राधिकार भित्रका विषयहरूमा हुने सार्वजनिक खर्चको अनुमानित विवरण तयार गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । उक्त विवरणमा चालु खर्च, पूँजीगत खर्च र वित्तीय ब्यवस्थाका लागि आवश्यक पर्ने रकम समेत खुलाउनुपर्ने व्यवस्था रहेको छ । उपरोक्त कानूनी व्यवस्था अनुसार यस गाउँपालिकाले तय गरेको दीर्घकालिन तथा आवधिक-शहरी विकास योजनाले राखेको लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल हुने गरी प्राथमिकताका क्षेत्रमा साधन स्रोतको विनियोजन सहित बार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना आवश्यक रहेको छ ।

यस गैडहवा गाउँपालिकाले आवधिक योजना तर्जुमा पनि यसै कार्य साथ सम्पन्न गरेको छ । गाउँपालिकाले आवधिक योजना निर्माण नगरेको अवस्थामा विगत पाँच वर्षदेखि वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको आधारमा वार्षिक विकासका कार्यक्रमहरू संचालन गर्दै आएको छ । तसर्थ आगामी दिनमा आवधिक योजना अनुसार मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई परिमार्जन गर्ने गरी आर्थिक वर्ष २०८०/८१ – २०८२/८३ का लागि तर्जुमा गरिएको प्रस्तुत मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चालु पन्ध्रौं योजना तथा लुम्बिनी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजनाले लिएको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता एवम् गैडहवा गाउँपालिकाको आवधिक योजना, विगत आर्थिक वर्षका वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम र दिगो विकास लक्ष्यको मार्गचित्रलाई मुख्य आधारका रूपमा लिइएको छ । गाउँपालिकाका तुलनात्मक लाभका क्षेत्रहरू, प्राथमिकता तथा विकास कार्यक्रम र नेपालको संविधानमा उल्लिखित स्थानीय तहको अधिकार सूची अनुसारका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई यस संरचनामा समेट्ने प्रयास गरिएको छ

#### २.२ चूनौति तथा अवसर

नेपालको संविधानले प्रत्याभूत गरेका मौलिक हक र संविधान प्रदत्त अधिकारको कार्यान्वयन, दिगो विकास लक्ष्य, पन्ध्रौं योजना, लुम्बिनी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना र गाउँपालिकाको आवधिक योजना एवम् नीति तथा कार्यक्रमले लिएका उद्देश्य हासिल गर्न, उत्पादन, रोजगारी र आयमा समन्यायिक वृद्धि, नागरिकको जीवनस्तरमा गुणात्मक सुधार, गरिबी न्यूनीकरण गरी मर्यादित जीवनयापनको वातावरण सिर्जना गर्दै समतामूलक तथा उन्नत समाजको निर्माण गर्ने कार्य आफैमा चूनौतिपूर्ण छ । यसका साथै विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोभिड १९ महामारी भर्खरै कमि भएको, जलवायु परिवर्तनको कारण सिर्जित विपदको बढ्दो जोखिमलाई न्यूनीकरण गरी नागरिकको स्वास्थ्य, शिक्षा, उत्पादन, रोजगारी र आयमा परेको नकारात्मक असरलाई न्यूनीकरण, पुनरुत्थान र उत्थानशील विकास हासिल गर्दै नागरिक जीवनलाई थप सुरक्षित र परिष्कृत बनाउनु गाउँपालिकाको निमित्त थप चूनौतिको विषय हो ।

यसका साथै व्यवस्थित, सुविधायुक्त र सुरक्षित बसोबास, स्वच्छ खानेपानी तथा उर्जाको उपलब्धता, सरसफाई सुविधा र सूचना प्रविधि, कृषि तथा पशुजन्य उद्यमको विविधिकरण गरी उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धिका साथै उत्पादनशील रोजगारीका अवसरमा अभिवृद्धि र जनसाङ्ख्यिक लाभको उपयोग पनि गाउँ विकासको चूनौतिको रूपमा रहेका छन् । वित्तीय सङ्घीयताको मर्म अनुरूप स्थानीय तहको जिम्मेवारी पुरा गर्न साधन स्रोतको अनुमान, प्राथमिकताका क्षेत्रमा लगानी, मानव संसाधन र संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नु र उपलब्ध सार्वजनिक स्रोतको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन गरी विनियोजन दक्षता, कार्यान्वयन कुशलता र प्रभावकारी वित्तीय अनुशासन कायम गर्नु समेत चूनौतिपूर्ण कार्य हो ।

सङ्घीय शासन प्रणाली अनुसार तीनै तहमा निर्वाचित सरकारहरु क्रियाशिल हुनु, नीति, कानून, योजना र मापदण्ड निर्माण भई कार्यान्वयनमा जानु, स्थानीय सरकारहरु बीच दिगो विकास, उत्थानशीलता, समृद्धि र सुशासनका क्षेत्रमा प्रगति हासिल गर्ने दिशामा प्रतिस्पर्धी भावनाको विकास हुनु यस गाउँपालिकाका लागि अहिलेका प्रमुख अवसरहरु हुन् । गाउँपालिकामा स्थानीय विशेषतामा आधारित तुलनात्मक लाभका क्षेत्रको पहिचान तथा योजना निर्माण, मानव पूँजी निर्माण, सार्वजनिक सेवा प्रवाह सुधार, पूर्वाधार विकास, स्थानीय उत्पादन, रोजगारी र आयआर्जन वृद्धिको माध्यमद्वारा हरित र समावेशी स्थानीय अर्थतन्त्र विकास, गरिबी निवारण, प्राकृतिक, भौगोलिक, पर्यावरणीय, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विविधताको उपयोग आदि अवसरहरु सिर्जना भएका छन् ।

वैदेशिक रोजगारी तथा अध्ययनबाट फर्किएका युवामार्फत विश्वस्तरको ज्ञान, सीप, अनुभव तथा प्रविधि हस्तान्तरण, वित्तीय सेवा र स्थानीय स्रोत परिचालन गरी गाउँपालिकामा उद्यमशीलता विकास, रोजगारी, उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्दै आर्थिक सामाजिक रुपान्तरणको दिशामा अगाडी बढ्ने समेत अवसर सिर्जना भएको छ । यसका साथै कोभिड १९ लगायतका महामारी र अन्य विपदले गर्दा अझ राम्रो अझ बलियो सुरक्षण निर्माण, उत्थानशील विकास र वातावरणीय सन्तुलनका दिशामा यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाले केन्द्रित हुन थप प्रेरणा दिने अपेक्षा गरिएको छ ।

### २.३ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति

गाउँपालिकाको आवधिक योजना र मध्यमकालिन खर्च संरचना संगसंगै तर्जुमा भएको हुदा यस दस्तावेजलाई प्रस्तुत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा आधारको रूपमा लिइएको छ । साथै गाउँपालिकाले विगतदेखि तय गरेको र नीति कार्यक्रममा समावेश गरेको गाउँ विकासको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य उद्देश्य तथा रणनीतिलाई पनि अभिमुखीकरण गोष्ठी वाट परिमार्जन गरीयकोले त्यसैलाई आधार मानिएको छ । त्यसबाहेक पन्ध्रौँ राष्ट्रिय योजना, लुम्बिनी प्रदेश सरकारको प्रथम आवधिक योजना समेतका आधारमा यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाको समष्टिगत सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति देहाय बमोजिम रहेको छ ।

#### २.३.१ दीर्घकालीन सोच

गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच देहाय अनुसार रहेको छ ।

#### “ सम्बद्ध गैडहवा, सम्पन्न जनता ”

‘सम्बद्ध’ को संो कथनले आर्थिक उन्नती गर्ने सुविधायुक्त, प्रविधियुक्त नतिजामुखी उत्पादन परिणाम ल्याउने उद्योग, व्यवसाय तथा कलकारखानाहरुहरुको स्थापना तथा सञ्चालन र भौतिक पूर्वाधारहरुको संरचनाले पूर्णताको उच्चतम विन्दुमा सेवा उपभोग गर्ने अवस्थाको गाउँपालिकालाई प्रतिविम्बित गरेको छ । गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच लगायत गाउँपालिकाको समग्र लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीतिहरु गाउँपालिकाको आवधिक योजनाबाट लिइएको छ ।

### २.३.२ लक्ष्य

सम्बद्ध, समावेशी, समानतामूलक सामाजिक न्याय तथा सुशासन मैत्री सहितको आर्थिक सम्पन्नता, शिक्षा, स्वास्थ्यमा सर्वसुलभता भएको, पर्यटन, जलवायु अनुकूलित कृषि तथा दिगो भौतिक पूर्वाधार सहितको सुन्दर र संवृद्ध पालिकाको रूपमा गाउँपालिकालाई परिचित गराउने ।

### २.३.३ उद्देश्य

- कृषि तथा पशुपालनमा आधुनिक प्रविधि र यान्त्रिकीकरण तथा बजारीकरणको साथै कृषिमा आधारित उत्पादनमुखी उद्योग व्यवसायहरूको सिर्जनाबाट रोजगारी तथा जनताको आयमा वृद्धि गर्ने
- शिक्षा तथा स्वास्थ्यका पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा सुधार गरी सर्वशुलभ र सवैको पहुँचमा गुणस्तरीय र विश्वसनीय शिक्षा र स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित गर्ने ।
- महिला, बालबालिका तथा किशोर किशोरीहरूको विकास तथा संरक्षण, दलित, आदिवासी, जनजाति, फरक क्षमता भएका व्यक्तिहरूको संरक्षण र विकास गरी सम्मानित र न्यायपूर्ण समाजको स्थापना गर्ने ।
- सवै जनताको पहुँचमा गुणस्तरीय, सफा र सुरक्षित खानेपानी पुर्याई पूर्ण सरसफाई युक्त गाउँ बनाउने ।
- हरेक वस्तीको पहुँच रहने गरी सुरक्षित यातायातको लागि मापदण्ड सहितको सडक संजालको विकास गर्ने ।
- हरेक वस्तीको पहुँच पुग्ने गरी विद्युत, सूचना तथा संचार प्रविधिको पूर्वाधार निर्माण गर्ने ।
- विद्यमान वन-जंगल तथा जलाशयाहरूको संरक्षण तथा व्यवस्थापनको साथै पर्यटकीय क्षेत्र तथा संस्कृतिहरूको प्रवर्धन गरी पर्यावरणीय सन्तुलन सहितको हरियालीयुक्त सुसंस्कृत सुन्दर गाउँ बनाउने ।
- गैडहवा गाउँ पालिकाबाट प्रवाह हुने सवै सेवाहरू पारदर्शी, जवाफदेही, कानुन सम्मत समावेशी, प्रभावकारी तथा सहभागितामूलक गराउने ।

### २.३.४ रणनीति

गाउँपालिकाको विकासको सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्न देहायअनुसारका प्रमुख रणनीतिहरू अबलम्बन गरिएका छन् ।

- कृषि, पर्यटन र साना व्यवसाय तथा उद्योगको विकास र विस्तार गरी लक्षित आर्थिक वृद्धि हासिल गर्ने ।
- द्रुत सामाजिक विकास र सुधारिएको सामाजिक सुरक्षा र संरक्षण सहित विद्यमान सामाजिक र सांस्कृतिक सद्भावको संरक्षण गर्ने र सबै प्रकारका सामाजिक भेदभावको अन्त्य गरी सामाजिक समावेशीकरण र सामाजिक न्यायको अवधारणालाई संस्थागत गर्ने ।
- गाउँपालिकाको समग्र रूपमा समान र समावेशी विकासका लागि आवश्यक सामुदायीक भवन सडक यातायात, ऊर्जा, सूचना र सञ्चार पूर्वाधार निर्माण गर्ने ।
- बन बातावरण , ताल-तलैया , नदि र पर्यावरण सुधार तथा दिगो पूर्वाधार निर्माणलाई जलबायू अनुकूलन बनाउने
- कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरूको क्षमता तथा कार्यकुशलतामा निखारता ल्याइ सार्वजनिक सेवालार्ई भरपर्दो, सूचना प्रविधियुक्त सहज पहुँचयोग्य र नागरिक मैत्री हुनुका साथै प्रत्येक क्षेत्रमा सुशासन प्रदान गर्ने ।

“सम्बद्ध नेपाल र सुखी नेपाली” को राष्ट्रिय सोच तथा संकल्प, लुम्बीनी प्रदेशको “सम्बद्ध प्रदेश खुशी जनता”को सोच र गैडहवा गाउँपालिकाको विकासको सोच तथा लक्ष्य अनुरूप आगामी तीन आर्थिक वर्षको मध्यमकालीन खर्च

संरचनाको प्रमुख लक्ष्य तथा नतिजा सूचक निर्धारण गरिएको छ । सो अनुसार ३ वर्षको समष्टिगत आर्थिक लक्ष्य तालिका नं. २.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### तालिका २.१ मध्यमकालिन समष्टिगत आर्थिक लक्ष्य (प्रचलित मुल्यमा)

क्र.स.	सूचक/लक्ष्य	एकाई	२०७८/०७९ सम्मको उपलब्धी	२०७८/०७९ सम्मको उपलब्धी	मध्यमकालिन लक्ष्य		
					२०८०/०८१	०८१/०८२	०८२/०८३
१	कुल बार्षिक उत्पादन	रु.लाखमा	२७२,८२४	१८०,०००	१९०,०००	२००,०००	२१०,०००
१.१	कृषि क्षेत्र	रु.लाखमा	१३८,२५९	१३५,०००	१३३,०००	१३०,०००	१२६,०००
१.२	गैर कृषि उद्योग र सेवा क्षेत्र	रु.लाखमा	३४,५६५	४५,०००	५७,०००	७०,०००	८४,०००
२	औषत पारिवारिक आय	रु.लाखमा	१७.३७४	१८.०९६	१९.१०९	२०.१०७	२१.१११
३	उद्योग ब्यापार र ब्यबसाय	संख्या	५००	७००	९००	१,१००	१,३००
४	औपचारिक क्षेत्रमा रोजगारी सिर्जना	संख्या	५००	७००	९००	१,०००	१,२००
५	आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका परिवार	प्रतिशत	६५	६८	७५	८०	८५

श्रोत: गाउँपालिकाको बिषयगत शाखाबाट प्राप्त तथ्यांक विश्लेषण २०८०

### २.५ मध्यमकालीन नतिजा खाका

नेपाल सरकारको पन्ध्रौ योजना, लुम्बिनी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना तथा गैडहवा गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच तथा लक्ष्य उद्देश्य हासिल गर्न सहयोग पुग्ने गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको समष्टिगत नतिजा खाका निर्धारण गरिएको छ । सो खाका विगत आर्थिक वर्षहरुको उपलब्धि र आर्थिक वर्ष २०७९/८० को अनुमानित उपलब्धिको आधारमा आ.व. २०८०/८१ को लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ । नतिजा खाकाको दोश्रो र तेस्रो वर्षको लक्ष्य वर्तमान योजना र विगत वर्षहरुको उपलब्धिको आधारमा निर्धारण गरिएको छ । मध्यमकालीन समष्टिगत नतिजा खाका तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### तालिका २.२ प्रमुख विषय क्षेत्रगत सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

क्र.स.	सूचक/लक्ष्य	एकाई	२०७८/०७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/०८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालिन लक्ष्य		
					०८०/०८१	०८१/०८२	०८२/०८३
१	प्रतिव्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन केजीमा	के.जि.		६१५.६	६५०	६६०	६८०
२	आफ्नो आयको दुई तिहाइ भन्दा बढि खानामा खर्च गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत		३०	३५	४०	४५
३	आफ्नो उत्पादन र आयले बर्षभरी खान पुग्ने परिवार	प्रतिशत		६०	६४	६८	७०
४	कुल खेतीयोग्य भूमिको बर्षभरी सिचाई सुबिधा उपलब्ध जमीन	प्रतिशत		४०	५०	६५	७०
५	साक्षरता दर	प्रतिशत	७१.३	७२	७४	८०	८५

क्र.स.	सूचक/लक्ष्य	एकाई	२०७८/०७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/०८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालिन लक्ष्य		
					०८०/०८१	०८१/०८२	०८२/०८३
६	आधारभूत तह १-८ खुद भर्ना दर	प्रतिषत	९०	९०	९२	९५	९८
७	माध्यमिक तह ९-१२ खुद भर्ना दर	प्रतिषत	७५	७५	८०	९०	९५
८	संस्थागत सुत्केरी गराउने गर्भवती महिला]	प्रतिषत	५५.८०	७०	८०	९०	१००
९	५ बर्ष मुनिको बाल मृत्यु दर प्रतिहजार जीवित जन्ममा	जना	०	०	०	०	०
१०	कुपोषण दर	संख्या	२५	२५	२०	१८	१५
११	आधारभूत खानेपानी सुबिधा पुगेका परिवार	प्रतिषत	८५	८८	९०	९५	१००
१२	शारीरिक तथा यौन हिंशा भोगेका महिला	प्रतिषत	०.०८	०.०४	०.०२	०	०
१३	बिषयगत महिला प्रतिनिधित्व	प्रतिशत	३८	४५	४५	४५	४५
१४	भवन संहिता अनुसार निर्माण भएका आवास घर	प्रतिशत	५	१०	१५	२०	३०
१५	सुरक्षित आवासमा बसोबास गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत	६५	६५	७०	७५	८०
१६	स्वच्छ उर्जामा पहुच प्राप्त घरपरिवार	प्रतिशत	९५	९५	९८	१००	१००
१७	इन्टरनेट र इमेल लगायत n सूचना प्रविधिमा पहुँच भएका जनसंख्या	प्रतिशत	१०	१५	२०	३०	४०
१८	हरियाली क्षेत्र	प्रतिशत	९.५५	१२	१५	१८	२०
१९	गाउँपालिकाको नीति, निर्णय र सेवा प्रबाहबाट सन्तुष्ट सेवाग्राही	प्रतिशत	५०	५६	६०	६५	७०
२०	कुल बजेटमा आन्तरिक श्रोतको हिस्सा	प्रतिशत	६.१४	१२.०८	१८	२०	२५
२१	कम्प्युटरमा अभिलेख राख्ने र विद्युतीय माध्यमबाट रिपोर्टिग गर्ने वडाहरु	संख्या	०	०	०	०	०
२२	नीति, कानुन, कार्यविधि र मापदण्ड पालना	प्रतिशत	६०	६५	७०	८०	८५

क्र.स.	सूचक/लक्ष्य	एकाई	२०७८/०७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/०८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालिन लक्ष्य		
					०८०/०८१	०८१/०८२	०८२/०८३
२३	निर्धारित ढाचामा त्रैमासिक रुपमा प्रगति तथा खर्चको विवरण पेश गर्ने वडा शाखा तथा इकाई	प्रतिशत	०	०	१००	१००	१००

स्रोत: स्थानीय तहको दस्तावेज र विषयगत विवरण

## २.६ मध्यमकालीन बजेट खाका

गाउँपालिकाको त्रिबर्षिय बजेट खाका तर्जुमा गर्दा गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता सहित एकीकृत शहरी विकास योजना, वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, दिगो विकास लक्ष्यको मार्गचित्र, क्रमागत तथा विस्तृत अध्ययन भएका आयोजना तथा कार्यक्रम, स्थानीय प्राथमिकता, विनियोजन कुशलता, अनुमान योग्यता र वित्तीय सुशासनलाई मुख्य आधार लिइएको छ । गाउँपालिकाको प्रथम प्रयासमा तयार भएको यस मध्यमकालीन खर्च संरचनामा वित्तीय सङ्घीयताको कार्यान्वयन, स्थानीय आर्थिक स्थायित्व र रोजगारी, तीब्र सामाजिक तथा आर्थिक विकास र सन्तुलित विकासका लागि विकास आयोजना तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिइएको छ । माथि उल्लिखित समष्टिगत नतिजा खाका तथा विषय क्षेत्रगत रुपमा प्राप्त हुने नतिजाका आधारमा खर्च तथा स्रोतको अनुमान गरिएको छ । यसका साथै कोभिड १९ लगायतका महामारी र जलवायुजन्य विपद् पश्चातको सामाजिक आर्थिक पुनरुत्थानलाई प्राथमिकता दिइएको छ । महामारी र विपद्ले सिर्जना गरेका विकासका अवसरको उपयोग गर्ने विकास कार्यक्रमको तर्जुमालाई प्राथमिकता दिइएको छ

गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना, रुपान्तरणकारी आयोजना, चालु तथा विस्तृत अध्ययन भएका, तुलनात्मक लाभका आयोजना तथा कार्यक्रमका लागि आवश्यक रकम सुनिश्चित हुने गरी बजेट सीमा र सोको आधारमा विषयगत बजेट खाका तर्जुमा गरिएको छ । क्रमागत कार्यक्रम, आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था र खर्च गर्न सक्ने क्षमता तथा स्रोतको आवश्यकता एवम् उपलब्धतालाई मध्यनजर गरिएको छ । मध्यमकालीन स्रोत अनुमान गर्दा आन्तरिक आय तथा राजस्व परिचालनको विगत प्रवृत्ति, कोभिड १९ महामारी र अन्य विपद्बाट स्रोत परिचालनमा परेको चाप र आगामी वर्षहरूमा पर्न सक्ने असर तथा प्रभाव, स्रोतको आवश्यकता लगायतका पक्षहरूलाई ध्यान दिइएको छ । त्रिबर्षिय खर्चको अनुमान र स्रोतको बाँडफाँट सहितको विषयगत शाखा, एकाईलाई प्रदान गरिएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन अनुसूची २ मा प्रस्तुत छ ।

आर्थिक वर्ष २०७९/८० को राजस्व तथा विनियोजन र असार मसान्त सम्मको उपलब्धीका आधारमा खर्च संरचनाको पहिलो वर्षको आय तथा व्यय अनुमान गरिएको छ । दोस्रो र तेस्रो वर्षको प्रक्षेपण गर्दा गाउँपालिकाको मस्यौदा नीति कार्यक्रम बमोजिमको लक्ष्य, घोषित कार्यक्रम र सो अनुसार संचालन हुने कार्यक्रम तथा हासिल गर्ने नतिजालाई प्रमुख आधार मानिएको छ । प्रक्षेपणका क्रममा गाउँपालिकाको प्राथमिकताका क्षेत्र तथा रणनीतिक महत्वका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई पर्याप्त स्रोतको व्यवस्था गरिएको छ । आन्तरिक श्रोत, राजस्व बाँडफाँट तथा उपलब्ध हुने स्रोत र आवश्यकता समेतका आधारमा अन्य कार्यक्रम तथा साधारण प्रशासनका लागि खर्च अनुमान गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट राजस्व बाँडफाँट स्वरूप प्राप्त हुने रकम, रोयल्टी र आन्तरिक श्रोत समेतका आधारमा गाउँपालिकालाई प्राप्त हुने राजस्व प्रक्षेपण गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट हस्तान्तरण हुने वित्तीय समानीकरण, सशर्त अनुदान, समपुरक र विशेष अनुदान रकम गत विगतको आयका आधारमा अनुमान गरिएको छ ।

आन्तरिक आयको तथ्याङ्क विश्लेषणका लागि गाउँपालिकाले राजस्व सुधार योजना बनाएको पाइएको छैन। तसर्थ गाउँपालिकाको राजस्व परामर्श समितिको प्रतिवेदन तथा क्वाल्ब मा प्रविष्ट सूचनालाई आधार मानी आन्तरिक आयको विवरणलाई श्रोत मानी विश्लेषण गरिएको छ ।

उल्लेखित आधारलाई विश्लेषण गर्दा आगामी तीन वर्षको अवधिमा गाउँपालिकाको कुल बजेट रु. २,२८,२२,८०,००० हुने अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । यस सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

गाउँपालिकाको त्रिबर्षीय बजेट खाका तर्जुमा गर्दा गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सौच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता सहित एकीकृत शहरी विकास योजना, वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, दिगो विकास लक्ष्यको मार्गचित्र, क्रमागत तथा विस्तृत अध्ययन भएका आयोजना तथा कार्यक्रम, स्थानीय प्राथमिकता, विनियोजन कुशलता, अनुमान योग्यता र वित्तीय सुशासनलाई मुख्य अधार लिइएको छ । गाउँपालिकाको प्रथम प्रयासमा तयार भएको यस मध्यमकालीन खर्च संरचनामा वित्तीय सङ्घीयताको कार्यान्वयन, स्थानीय आर्थिक स्थायित्व र रोजगारी, तीब्र सामाजिक तथा आर्थिक विकास र सन्तुलित विकासका लागि विकास आयोजना तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिइएको छ । माथि उल्लिखित समष्टिगत नतिजा खाका तथा विषय क्षेत्रगत रुपमा प्राप्त हुने नतिजाका आधारमा खर्च तथा स्रोतको अनुमान गरिएको छ । यसका साथै कोभिड १९ लगायतका महामारी र जलवायुजन्य विपद् पश्चातको सामाजिक आर्थिक पुनरुत्थानलाई प्राथमिकता दिइएको छ । महामारी र विपद्ले सिर्जना गरेका विकासका अवसरको उपयोग गर्ने विकास कार्यक्रमको तर्जुमालाई प्राथमिकता दिइएको छ ।

गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना, रुपान्तरणकारी आयोजना, चालु तथा विस्तृत अध्ययन भएका, तुलनात्मक लाभका आयोजना तथा कार्यक्रमका लागि आवश्यक रकम सुनिश्चित (भबचमबचप) हुने गरी बजेट सीमा र सोको आधारमा विषयगत बजेट खाका तर्जुमा गरिएको छ । क्रमागत कार्यक्रम, आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था र खर्च गर्न सक्ने क्षमता तथा स्रोतको आवश्यकता एवम् उपलब्धतालाई मध्यनजर गरिएको छ । मध्यमकालीन स्रोत अनुमान गर्दा आन्तरिक आय तथा राजस्व परिचालनको विगत प्रवृत्ति, कोभिड १९ महामारी र अन्य विपद्बाट स्रोत परिचालनमा परेको चाप र आगामी वर्षहरूमा पर्न सक्ने असर तथा प्रभाव, स्रोतको आवश्यकता लगायतका पक्षहरूलाई ध्यान दिइएको छ । त्रिबर्षीय खर्चको अनुमान र स्रोतको बाँडफाँट सहितको विषयगत शाखा, एकाईलाई प्रदान गरिएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन अनुसूची २ मा प्रस्तुत छ ।

आर्थिक वर्ष २०७९/८० को राजस्व तथा विनियोजन र असार मसान्त सम्मको उपलब्धीका आधारमा खर्च संरचनाको पहिलो वर्षको आय तथा व्यय अनुमान गरिएको छ । दोस्रो र तेस्रो वर्षको प्रक्षेपण गर्दा गाउँपालिकाको मस्यौदा नीति कार्यक्रम बमोजिमको लक्ष्य, घोषित कार्यक्रम र सो अनुसार संचालन हुने कार्यक्रम तथा हासिल गर्ने नतिजालाई प्रमुख आधार मानिएको छ । प्रक्षेपणका क्रममा गाउँपालिकाको प्राथमिकताका क्षेत्र तथा रणनीतिक महत्वका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई पर्याप्त स्रोतको व्यवस्था गरिएको छ । आन्तरिक श्रोत, राजस्व बाँडफाँट तथा उपलब्ध हुने स्रोत र आवश्यकता समेतका आधारमा अन्य कार्यक्रम तथा साधारण प्रशासनका लागि खर्च अनुमान गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट राजस्व बाँडफाँट स्वरूप प्राप्त हुने रकम, रोयल्टी र आन्तरिक श्रोत समेतका आधारमा गाउँपालिकालाई प्राप्त हुने राजस्व प्रक्षेपण गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट हस्तान्तरण हुने वित्तीय समानीकरण, सशर्त अनुदान, समपुरक र विशेष अनुदान रकम गत विगतको आयका आधारमा अनुमान गरिएको छ ।

आन्तरिक आयको तथ्याङ्क विश्लेषणका लागि गाउँपालिकाले राजस्व सुधार योजना बनाएको पाइएको छैन । तसर्थ गाउँपालिकाको राजस्व परामर्श समितिको प्रतिवेदन तथा क्वाल्ब मा प्रविष्ट सूचनालाई आधार मानी आन्तरिक आयको विवरणलाई श्रोत मानी विश्लेषण गरिएको छ ।

उल्लेखित आधारलाई विश्लेषण गर्दा आगामी तीन वर्षको अवधिमा गाउँपालिकाको कुल बजेट रु. २,२८,२२,८०,०००.० हुने अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । यस सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

### तालिका २.३ त्रिबर्षीय बजेट विनियोजन र प्रक्षेपण (रकम रु हजारमा)

विवरण	२०७७/०७८ को यथार्थ	२०७८/०७९ को यथार्थ	२०७९/०८० को यथार्थ	मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण (रु. लाखमा)			
				२०८०/०८१ को अनुमान	२०८१/०८२ को प्रक्षेपण	२०८२/०८३ को प्रक्षेपण	तीनवर्षको कुल
<b>खर्च अनुमान</b>							
चालु खर्च	२८०८.२५	३०५५.७०	११५६.१४	१७११.९२	२०८०.७१	२२९९.४७	६०९२.१०
पूँजीगत खर्च	३०३६.७५	२५१३.५९	१९७७.४७	९८.९९	१४६.५८	१७८.१५	४२३.७२
<b>कुल</b>	<b>५८४५</b>	<b>५५६९.२९</b>	<b>३१३३.६१</b>	<b>१८१०.९१</b>	<b>२२२७.२९</b>	<b>२४७७.६२</b>	<b>६५१५.८२</b>
<b>आय अनुमान</b>							
<b>आन्तरिक राजश्व</b>	<b>१५८१.३१</b>	<b>७४१.३१</b>	<b>१५०५.७६</b>	<b>३७२.५८</b>	<b>५५१.६९</b>	<b>६७०.५३</b>	<b>१५९४.८०</b>
<b>राजस्व बाडफाड</b>	<b>७१९.२९</b>	<b>९८६.९१</b>	<b>११८.८६</b>	<b>४५६.५२</b>	<b>६७५.९८</b>	<b>८२१.६०</b>	<b>१९५४.१०</b>
नेपाल सरकार	३२२४.३६	२१३७.८८	२३५१.६६	२५८६.८३	२८४५.५१	३२२४.३६	८६५६.७०
प्रदेश सरकार	३३७७.६०	११६.७३	१२८.४०	१४१.२४	१५५.३६	३३७७.६०	३६७४.२०
<b>कुल</b>	<b>८९०२.५६</b>	<b>३९८२.८३</b>	<b>५१०४.६८</b>	<b>३५५७.१७</b>	<b>४२२८.५४</b>	<b>८०९४.०९</b>	<b>१५८९.८०</b>
<b>बचत + न्यून (-)</b>	<b>३०५७.५६</b>	<b>(१५८६.४६)</b>	<b>१९७१.०७</b>	<b>१७४६.२६</b>	<b>२००१.२५</b>	<b>५६१६.४७</b>	<b>९३६३.९८</b>

### २.७ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँट

आगामी तीन वर्षको बजेट अनुमान र प्रक्षेपणको विभिन्न आधारमा गरिएको तुलनात्मक विवरण देहायबमोजिम रहेको छ ।

**क.** रणनीतिक स्तम्भको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण यस गाउँपालिकाको आवधिक योजनामा तय गरिएका रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.४ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### तालिका: २.४ रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण (रु. हजारमा)

रणनीतिक स्तम्भ	कार्यक्रम संख्या	०८०/८१ को अनुमान		२०८१/८२ को प्रक्षेपण		२०८२/८३को प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
आर्थिक विकास	५४	१६३१.००	३२.५०	२५६९.००	४१.३४	३२४८	४७.२५
सामाजिक विकास	७१	१८६२.६०	३७.११	१८४५.६०	२९.७०	१८६१.६०	२७.०८
पुर्वधार विकास	३३	११०८.००	२२.०८	१४१६.००	२२.७९	१३५१.००	१९.६५
बन वातावरण तथा विपद	२४	१६४.००	३.२७	१७४.००	२.८०	२०४.००	२.९७
सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था	२०	२५३.००	५.०४	२०९.००	३.३६	२१०.००	२.०५
<b>जम्मा</b>	<b>२०१</b>	<b>५०१८.६०</b>	<b>१००</b>	<b>६२१३.६०</b>	<b>१००</b>	<b>६८७४.६०</b>	<b>१००</b>

**ख.** प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकताक्रम बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.५ प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)

प्राथमिकताक्रम	आयोजना/कार्यक्रम संख्या	२०८०/८१ को व्यय अनुमान		२०८१/८२ को खर्च प्रक्षेपण		२०८२/८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
प्राथमिकता पहिलो	२८	१६२८.००	२५.०३	२५८०	३३.०२	३२१४.००	३१.१८
प्राथमिकता दोश्रो	९७	३०३९.००	४६.७३	३११४.००	३९.८५	३३४१.००	३८.६५
प्राथमिकता तेश्रो	७६	१८३७.००	२८.२४	२१२०.००	२७.१३	२०९०.००	२४.१८
जम्मा	२०१	६५०४.००	१००	७८१४.००	१००	८६४५.००	१००

ग. दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.६ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

## तालिका २.६ दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)

क्र.स.	दिगो विकास लक्ष्य	आयोजा/कार्यक्रम संख्या	२०८०/८१ को व्यय अनुमान		२०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण		२०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
			रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
१	गरिबीको अन्त्य	७	९६	१।४८	९६	१।२३	९६	१।११
२	सुन्य भोकमरी	३५	१४३८	२२।११	२४३१	३१।०७	३१२४	३६।१४
३	स्वस्थ जीवन	२७	४३१।६	६।६४	४०१।६	५।१३	४०८।६	४।७३
४	गुणस्तरीय शिक्षा	२३	१००२	१५।४१	१०१५	१२।९८	१०२९	११।९०
५	लैंगिक समानता	१२	२५२	३।८७	२५२	३।२२	२५२	२।९१
६	स्वच्छ पानी र सरसफाई	८	१७७	२।७२	१७७	२।२६	१७२	१।९९
७	आधुनिक उर्जामा पहुँच	३	१७	०।२६	१७	०।२२	१७	०।२०
८	समावेशी आर्थिक वृद्धि, मर्यादित काम	११	९७	१।४९	४२	०।५४	२८	०।३२
९	उद्योग, नबिन खोज र पूर्वाधार	१०	३९३	६।०४	७१३	९।११	७०७	८।१८
१०	दिगो सहर र बस्ति	१६	६६७	१०।२६	६५५	८।३७	५९६	६।८९
११	दिगो उपभोग र उत्पादन	२	२२	०।३४	२२	०।२८	२२	०।२५
१२	जलवायु परिवर्तन अनुकुलन	२१	१४३	२।२०	१५३	१।९६	१८३	२।१२
१३	शान्ति न्याय र सबल संस्था	२६	१७६८	२७।१८	१८४९	२३।६३	२०१०	२३।२५
१४	कुल जम्मा	२०१	६५०४	१००।००	७८२४	१००।००	८६४५	१००।००

क. लैङ्गिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण लैङ्गिक संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.७ मा प्रस्तुत छ ।

## तालिका २.७ लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)

लैंगिक संकेत	आयोजना/कार्यक्रम संख्या	२०८०/८१ को व्यय अनुमान		२०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण		२०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	रकम	प्रतिशत	रकम
निर्दिष्ट	२०	१६६	२।५५	१६७	२।१३४	१९९	२।३०
सहयोगी	४१	११०७	१७।०२	१०३४	१३।२९६	१०७९	१२।४८
तथस्त	१४०	५२३१	८०।४३	६६२३	८४।६५०	७४२७	८५।९१
जम्मा	२०१	६५०४	१००	७८२४	१००	८७०५	१००

ख. संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण जलवायु संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.८ मा प्रस्तुत छ ।

तालिका २.८ जलबायु संकेतको बजेटको आधारमा ३ आर्थिक बर्षको आधारमा ३ आर्थिक बर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण रु. हजारमा

जलबायु परिबर्तन संकेत	आयोजना/कार्यक्रम संकेत	२०८०/८१ को व्यय अनुमान		२०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण		२०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
अत्यन्त सान्दर्भिक	२१	१४०	२.१५	१३२	१.६८	१३७	१.६
सान्दर्भिक	३५	१५५८	२३.९५	२४८६	३१.७७	३१७३	३६.७०
तथस्त	१४५	१४५	४८.०६	७३८९	५२.०६	५३३५	६१.७१
<b>जम्मा</b>	<b>२०१</b>	<b>६५०४</b>	<b>१००</b>	<b>७८२४</b>	<b>१००</b>	<b>८६४५</b>	<b>१००</b>

### २.८ विषय उपक्षेत्रगत बाँडफाँड:

विषय उपक्षेत्रगत रूपमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.१० मा प्रस्तुत गरिएको छ । विषय उपक्षेत्रगत आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट, खर्च तथा स्रोतको अनुमान, कार्यक्रम तथा आयोजनागत बजेट, प्राथमिकीकरण र सांकेतिकरण सम्बन्धी विवरण अनुसूची ३ समावेश गरिएको छ ।

## तालिका २.१० आगामी तीन आ.व.को विषय उपक्षेत्रगत खर्चको बाँडफाटको प्रक्षेपण (रकम रु. लाखमा)

उपक्षेत्र	आगामी २०८१/०८२ को व्यय अनुमान			आगामी २०८२/०८३ को व्यय अनुमान			आगामी २०८२/०८३ को व्यय अनुमान			कुल जम्मा
	पूँजीगत	चालु	कुल	पूँजीगत	चालु	कुल	पूँजीगत	चालु	कुल	
<b>आर्थिक क्षेत्र</b>										
कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	७८८१७	५७६१०३	१३६५	१३५४३३	९८८१७५	२३४३१०५	१७५४	१२८१	३०३५	६,७४३१०५
पर्यटन तथा संस्कृति	५६१०६६	४०१९३४	९७	२४१२७	१७७७२	४११९९	१६१२	१११८	२८	१६६१९९
उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति	४२१७७२	३१२२८	७४	५१४४२	३७५५८	८९	५२	३८	९०	२५३१००
आम्दानी रोजगारी र वित्तीय सेवा	५६	५६	५६	५६	५६	११२	५६	५६	११२	३३६१००
सहकारी	२३१२	१६८८	४०	२३१२	१६८८	४०	२३१	१६१९	४०	१२०१००
<b>जम्मा</b>	<b>९६७</b>	<b>७२१</b>	<b>१६३२</b>	<b>१५०९</b>	<b>१११७</b>	<b>२६२६</b>	<b>१९०२</b>	<b>१४०३</b>	<b>३३०५</b>	<b>७,६९१००</b>
<b>सामाजिक</b>										
स्वास्थ्य तथा पोषण	२४२१७६	१७७२४	४२०	२२५४२	१६४१५८	३९०	२२९	१६८	३९७	१,२०७१००
शैक्षिक विकास	५७३३७६	४१८६२४	९९२	५८०१८९	४२४१११	१००५	५८९	४३०	१०१९	३,०९६१००
खानेपानी तथा सरसफाई	१०२३०६	७४६९४	१७७	१०२३१	७४६९४	१७७	९९१४	७२६	१७२	५२६१००
लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण	१५२१५९२	१११४०८	२६४	१५२१५९	१११४०९	२६४	१५३	१११	२६४	७९२१००
युवा, खेलकुद तथा कला	५१७८	४१२२	१०	५१७८	४१२२	१०	५१७८	४१२२	१०	३०१००
<b>जम्मा</b>	<b>१०७७</b>	<b>७८६</b>	<b>१८६३</b>	<b>१०६७</b>	<b>७७९</b>	<b>१८४६</b>	<b>१०७६</b>	<b>७८६</b>	<b>१८६२</b>	<b>५,५७१००</b>
<b>पूर्वाधार क्षेत्र</b>										
बस्ति, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण	३८५१५२६	२८१४७४	६६७	३७८५९	२७६४१	६५५	३४४	२५२	५९६	१,९९६१००
सडक पुल तथा यातायात	२२७१५४	१६५१८४६	३९३	४१२११	३००१८९	७१३	४०९	२९८	७०७	१,८१३१००
बिधुत तथा बैकल्पिक उर्जा	७५१४	५४८६	१३	७५१४	५४८६	१३	७५१	५४९	१३	३९१००
सूचना संचार तथा प्रबिधि	२०१२३	१४१७७	३५	२०१२३	१४१७७	३५	२०१२	१४१८	३५	१०५१००
<b>जम्मा</b>	<b>६४०</b>	<b>४६८</b>	<b>११०८</b>	<b>८१८</b>	<b>५९८</b>	<b>१४९६</b>	<b>७८१</b>	<b>५७०</b>	<b>१३५१</b>	<b>३,८७५१००</b>
<b>बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन</b>										
बन तथा जैविक विविधता	१५१६०६	११३९४	२७	२४१२७६	१७७२४	४२	२४३	१७७	४२	११११००
भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन	४०४६	२९५४	७०	४०४६	२९५४	७०	५२	३८	९०	२३०१००
वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु अनुकूलन	२३१२	१६८८	४०	२३१२	१६८८	४०	२६	१९	४५	१२५१००
महामारी तथा विपद व्यवस्थापन	१५१६०६	११३९४	२७	१२१७६	९१२८४	२२	१५६	११४	२७	७६१००

उपक्षेत्र	आगामी २०८१/०८२ को व्यय अनुमान			आगामी २०८२/०८३ को व्यय अनुमान			आगामी २०८२/०८३ को व्यय अनुमान			कुल जम्मा
	पूँजीगत	चालु	कुल	पूँजीगत	चालु	कुल	पूँजीगत	चालु	कुल	
<b>जम्मा</b>	<b>९५</b>	<b>६९</b>	<b>१६४</b>	<b>१०९</b>	<b>७३</b>	<b>१७४</b>	<b>११८</b>	<b>८६</b>	<b>२०४</b>	<b>५४२१००</b>
<b>सु शासन तथा संस्थागत विकास</b>										
स्थानीय नीति ऐन तथा प्रशासन	३०६३४	२२३६६	५३	२६५८८	१९४१२	४६	२६६	१९४	४६	१४५१००
संगठनात्मक विकास	८६१२२	६२८७८	१४९	८३८१	६११९	१४५	८४४	६१६	१४६	४४०१००
स्रोत परिचालन	५१७८	४१२२	१०	४१०४६	२९५४	७	४१०५	२९५	७	२४१००
योजना तथा व्यवस्थापन	२३६९८	१७३०२	४१	६३५८	४६४२	११	६३६	४६४	११	६३१००
कर्मचारी तथा प्रशासन	८१२६६८	५९३३३२	१४०६	९२१९१	६७३०९	१५९५	१०१४	७४१	१७५५	४,७५६१००
<b>जम्मा</b>	<b>९५९</b>	<b>७००</b>	<b>१६५९</b>	<b>१०४३</b>	<b>७६१</b>	<b>१८०४</b>	<b>११३६</b>	<b>८२९</b>	<b>१९६५</b>	<b>५,४२८१००</b>
<b>कुल जम्मा</b>	<b>३७३८</b>	<b>२७४४</b>	<b>६४२६</b>	<b>४५३८</b>	<b>३३२८</b>	<b>७८६६</b>	<b>५०१२</b>	<b>३६७५</b>	<b>८६८७</b>	<b>२२,९७९१००</b>

आर्थिक वर्ष २०८०/८१ को विनियोजन र पछिल्लो दुई वर्षको प्रक्षेपण विषय उपक्षेत्रगत नतिजा, विषय उपक्षेत्रगत कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण, अपेक्षित उपलब्धि र विषय उपक्षेत्रगत अनुमानित बजेट परिच्छेद ३ देखि परिच्छेद ७ सम्म प्रस्तुत गरिएको छ ।

## परिच्छेद-३

### आर्थिक विकास क्षेत्र

कृषि तथा सिंचाई, पशु विकास, उद्योग तथा व्यापार, पर्यटन तथा संस्कृति, भूमि व्यवस्था तथा सहकारी र श्रम तथा रोजगारी जस्ता उप-क्षेत्रहरु यस परिच्छेदमा समेटिएको छ । यस परिच्छेदमा हरेक उपक्षेत्रको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरु समावेश गरिएका छन् ।

### ३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

#### ३.१.१ पृष्ठभूमि

गैडहवा क्षेत्र कृषिजन्य उत्पादन तथा खाद्य सुरक्षाका दृष्टिले सम्बद्ध क्षेत्र हो । तराई समथर क्षेत्र, उर्वरता, अधिक उत्पादकत्व, प्राकृतिक तालतलैया सहज सिंचाई सुबिधा, उष्ण हावापानी भएका कारण कृषि गैडहवा को स्थानीय अर्थतन्त्रको प्रमुख संवाहकमध्ये एक हो । यहाँ अन्नबालीमा धान, मकै गहुँ, दलहन बालीमा केराउ, रहर, मुसुरो र तेलहनबालीमा तोरी, आलस, वदाम सूर्यमुखी तथा नगदेबालीको रूपमा प्याज, लसुन, वेसार खुर्सानी र तरकारी उत्पादन हुने गर्दछ । बजार क्षेत्रको मुख्य केन्द्र बाहिर कृषि जीविकोपार्जन तथा रोजगारीको मुख्य आधारका रूपमा रहेको छ । साना तथा ठुला उद्योग तथा बजार स्थानीयस्तरमै रहेका कारण उत्पादित सामग्रीको बजारीकरणका लागि तुलनात्मक रूपमा सहज रहेको छ । गाउँपालिका भित्र साडी, जोगडा, विष्णुपुरा, सूर्यपुरा, हसनापुर, ठाकुरापुर, गुलेथिया, विसौरिया, भुजौली क्षेत्र स्थानीय बजारका रूपमा परिचित रहेका छन् । यी बजार क्षेत्रमा कृषि उत्पादनका बजार लाग्ने गरेका छन् । गाउँपालिकाले कृषिलाई आधुनिक र ब्यवसायिक रूपमा विस्तार गर्न विभिन्न पकेट क्षेत्र पहिचान गरी उत्पादन बृद्धि गर्ने लक्ष्य लिएको छ ।

#### ३.१.२ समस्या तथा चुनौति

यस गाउँपालिकामा उर्वरशील जमिनको व्यापकता रहेको भएता पनि तीब्र शहरीकरण, बढ्दो उत्पादन लागत, युवाहरुको विदेश पलायन जस्ता कारण कृषि क्षेत्र संकुचित हुँदै गएको छ । कम गुणस्तरको विउ, रासायनिक तथा प्राङ्गारिक मलको अभाव तथा उचित स्याहार तथा औषधी उपचार परामर्श सेवाको कमी र उत्पादित वस्तुलाई लामो समयसम्म भण्डारण गरी राख्नका लागि पर्याप्त चिस्यान केन्द्रको कमी रहेको छ । कृषि उपजको उत्पादन मुल्य र उपभोक्ता मुल्यबीच अन्तर उच्च रहने गरेको छ ।

गाउँपालिका र अन्य सरकारी निकायबाट अव्यवस्थित बजारको व्यवस्थापन र अनुगमन प्रभावकारी हुन नसक्दा कृषि उपजको बजारमा सीमित व्यवसायी र बिचौलियको एकाधिकार कायम हुन गई कृत्रिम अभाव र मूल्य वृद्धिको समस्या समाधान गर्ने कार्य निकै चुनौतिपूर्ण भएको छ ।

#### ३.१.३ सोच

“गैडहवा को समृद्धि, कृषि उत्पादनमा बृद्धि”

#### ३.१.४ उद्देश्य

- किसानहरूलाई संगठित गरी विज्ञ संस्थाहरुको सहकार्यमा कृषिको व्यवसायीकरण गर्दै कृषि उद्यमहरूको प्रवर्द्धन गर्नु ।

- स्थानीय तहमा कृषि सामग्रीको सहज उपलब्धता तथा उत्पादित वस्तुको बजारीकरणका लागि बजार प्रणाली विकास गर्नु ।
- कृषि सहकारीको माध्यमबाट उन्नत प्रविधि सहितको कृषि प्रणालीबारेमा प्रयोगात्मक अनुशिक्षण गरी ब्यवसायिकता अभिवृद्धि गर्नु ।

### ३.१.५ रणनीति

- उन्नत कृषि प्रणाली प्रयोगमा ल्याउने,
- कृषिमा चकलाबन्दी र यन्त्रीकरण गरि उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि गर्ने,
- कृषि पूर्वाधारको विकासका लागि संघ र प्रदेशसँग सहकार्य गर्ने ।

### ३.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

विगतका बार्षिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

सूचक	एकाई	०७९/०८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यकालीन लक्ष्य		
			२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३
खाद्यान्न उत्पादन	मेट्रिक टन	४१८२	४२००	४५००	५२००
तरकारी उत्पादन	मेट्रिक टन	८४२५	८६३२	८८२०	९०००
दलहन उत्पादन	मेट्रिक टन	१४०४	१८००	२१५०	२२००
फलफुल उत्पादन	मेट्रिक टन	१५	२२	२५	२८
नगदेबाली उत्पादन	मेट्रिक टन	४	५	८	९
मह उत्पादन	मेट्रिक टन	०.०२	०.०३	०.०५	०.०६
दुध उत्पादन	लिट्र- हजारमा	३५१०००	३५९०००	३७००००	३८००००
मासु उत्पादन	मेट्रिक टन	४५	५२	५८	६२
अण्डा उत्पादन	हजारमा	४००००	४८०००	५७०००	६००००
व्यवसायिक कृषि उत्पादनमा संलग्न कृषक	समुह	५०	६०	८०	१००
सक्रिय कृषि कार्यकर्ता	संख्या	६०	९०	१२०	१३०
सक्रिय पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता	संख्या	३०	४०	६०	१२०
पशु तथा कृषि वस्तु उपलब्ध हुने केन्द्र	संख्या	१०	१२	१५	२०
व्यवसायिक नर्सरी	संख्या	१५	२५	३४	३५
सक्रिय पशुपालन समूह	संख्या	६	१२	२०	२२
१२ हेँ महिना सिँचाई सिंचित क्षेत्र	प्रतिशत	९.०	१२.०	२०.०	२२
व्यवसायिक कृषि फर्म	संख्या	५०	७०	१३०	१५०
व्यवसायिक पशुपालन फर्म	संख्या	१३०	१५०	२६०	२६५
व्यवस्थित कृषि सहकारी	संख्या	१५	२०	२५	२६
कृषि सहकारीमा आवद्ध कृषक	प्रतिशत	५.०	७.०	१५.०	१७
सहकारीमा आवद्ध घरपरिवार	प्रतिशत	२५.०	३०.०	४०.०	५००
दुग्ध चिस्यान केन्द्र	संख्या	०	०	२	३

सूचक	एकाई	०७९/०८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यकालीन लक्ष्य		
			२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३
कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	संख्या	२	५	७	६

### ३.१.७ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा क्षेत्रको खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यकालीन नतिजा खाकाको आधारमा कृषि तथा खाद्य सुरक्षा उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार रहेको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान रू. लाखमा				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	१३६५	७८८१७	५७६१०३	१०३१७	३१९१४९	८८४१५२	५७३३३	
२०८१/०८२	२३४३	१३५४३३	९८८१७५	१७८	५४८	१५१८	९८१४	
२०८२/०८३	३०३५	१७५४	१२८१	२३९	७१०	१९६७	१२७	

### ३.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको कृषि उपक्षेत्रको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र स	कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा बजेट
१	कृषि मल बिउ औषधि अनुदान सहयोग	१३	१३	१३	३९
२	प्रांगारिक मल उत्पादन तथा प्रवर्धन कार्यक्रम	९	९	९	२७
३	व्यवसायिक तरकारी उत्पादन तथा प्रवर्धन	२०	२०	२०	६०
४	व्यवसायिक अन्न, दलहन तथा तेल बाली प्रवर्धन कार्यक्रम	१२	१२	१२	३६
५	कृषि प्रविधि तथा यान्त्रिकीकरण	२०	२०	२०	६०
६	निल गाई तथा बन्यजन्तु बाट कृषि बालीको संरक्षण (कृषि पकेट क्षेत्रमा तारबार, समुदयोक बन क्षेत्रमा सुरक्षित चरिचरण विकास)	१०	१०	२	२२
७	कृषि उत्पादकत्व वृद्धिका लागि चक्लाबन्दी	५	५	५	१५
८	बहुमुल्य जातका फलफुल विकास तथा प्रवर्धन (डूगन फ्रुट, स्ताबेरी किवी)	४	४	४	१२
९	कृषि उपज भण्डारण तथा सुरक्षा (खाद्य गोदाम तथा सिट भण्डार)	६०	६०		१२०
१०	अन्न तथा दलहन प्रशोधन मेशिन अनुदान			६०	६०
११	माटो परिक्षण प्रयोगशाला (मेशिन औजार)	५	५	१	११
१२	नियमित कुलो मर्मत	९	९	९	२७
१३	डिप ट्युबेल निर्माण तथा मर्मत	५	५	५	१५
१४	कन्चन नदि बाट सालघारी कल्भर्ट तथा शान्तिनगर हुँदै गैडहवा ताल सम्म कच्ची नहरलाई पक्क बनाउने	५०	५०	५०	१५०
१५	सालघारी कल्भर्ट देखि आठघरावा छातारापुर कच्ची नहर निर्माण			३	३
१६	सालघारी कल्भर्ट देखि शान्तिबजार हुँदै बिस्वरिया सम्म कच्ची नहर निर्माण			३	३

क्र स	कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१७	गैडहवाताल देखि पोहवा, बिसनपुरा, गिदहावा, नैका, कर्महवा सम्म ) सिंचाई नागहर निर्माण	२०	२०	२०	६०
१८	सिंचाई प्रवर्धन कार्यक्रम (पम्पसेट, सिंचाई डेलिवेरी पाइप..)	१५	१५	१५	४५
१९	बोरिंग निर्माण	५	५	५	१५
२०	सूर्यपुरा सिंचाई तथा बहु उद्देश्यीय बाँध निर्माण	१०७२	२०४०	२७५८	५८७०
२१	घोला संरक्षण गरी घम्सनपुर, छिर्कहवा र अन्य स्थानमा सिंचाई बाँध निर्माण	२०	२०	२०	६०
२२	तरकारी संकलन केन्द्र स्थापना धुसुवा, छतारापुरा तथा गुलरिया	१०	२०		३०
	<b>जम्मा</b>	<b>१३६४</b>	<b>२३४२</b>	<b>३०३४</b>	<b>६७४०</b>

### ३.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकामा रहेका ब्यवसायिक कृषकहरुको संख्या बृद्धि भई कृषि उत्पादकत्व बढ्ने र बजारीकरण सुदृढ भएको हुनेछ । कृषि उत्पादनमा उन्नत प्रविधि, मल, गुणस्तरीय बीउ, भरपर्दो सिंचाई प्रणाली, बजार प्रणालीमा सुधार ल्याउन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहन्छ । यसैगरी कृषिजन्य उत्पादनमा नयाँ प्रकोपहरु आउन सक्ने सम्भावना समेत रहन्छ ।

### ३.२ सिंचाई

#### ३.२.१ पृष्ठभूमि

गैडहवा गाउँपालिकामा सिंचाईको प्रचुर सम्भावना छ । यस गाउँपालिकामा कन्चन नदि, गैडहवाताल, सगरहवा ताल, पोखरीहरु र भैलोभुजवाट वनेका डिप वोरिङ्ग सिंचाईका प्रमुख श्रोतहरु हुन । कुल कृषियोग्य भूमिमध्ये करिब ४५ प्रतिशत भन्दा बढि क्षेत्रमा बाह्रै महिना नियमित सिंचाई सुविधाको पहुँच रहेको छ । सिंचाई सुबिधा विस्तारका लागि सबै तहका सरकारहरुको साथ तथा सहयोग हुँदै आएको छ । हाल सिंचाईका लागि गाउँपालिका तथा प्रदेश सरकारबाट समेत सिंचाई आयोजनामा अनुदान प्राप्त हुँदै आएको छ ।

#### ३.२.२ समस्या तथा चुनौति

गाउँपालिका भित्रका खेतियोग्य जमिनमा सिंचाईको पहुँच भएपनि सञ्चालन ब्यवस्थापन समस्याका कारण विद्यमान सिंचाई प्रणालीहरु प्रयोगविहीन बन्दै गएका छन् । फलस्वरुप सिंचाई सुबिधाको न्यायोचित वितरण तथा सहज उपलब्धतामा कमी रहेको छ । सिंचाई आयोजनाको दिगो उपयोग, मर्मत सम्भार र समुचित ब्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । सबै खेतियोग्य जमिनमा सिंचाई सुबिधाका लागि वैकल्पिक सिंचाई सुबिधाको ब्यवस्था हुन सकेको छैन ।

#### ३.२.३ सोच

“दिगो पूर्वाधार सहितको ब्यवस्थित सिंचाई”

#### ३.२.४ उद्देश्य

- गाउँपालिकामा सञ्चालनमा रहेका नहर तथा सिंचाई प्रणालीहरुको समुचित मर्मत, सम्भार तथा दिगो ब्यवस्थापन गर्नु ।
- सिंचाई सुबिधा नपुगेका विपन्न तथा दुर्गम वडा क्षेत्रमा सर्वसुलभ सिंचाई सुनिश्चित गर्नु ।

## ३.२.५ रणनीति

- भूमिगत जल तथा ताल पोखरीको संरक्षण गर्ने,
- सिचाई प्रणालीलाई आधुनिकिकरण तथा प्रविधियुक्त बनाउने,
- साना तथा मझौला सिचाई आयोजना समुदाय तथा गाउँपालिकाको साझेदारीमा कार्यान्वयन गर्ने प्रकृया अवलम्बन गर्ने ।

## ३.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

बार्षिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०७७/०७८ को अनुमान	आ.व. २०८२/०८३ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा खाद्यान्न उत्पादनको योगदान	प्रतिशत	२९%	४०%	कृषि विकास शाखा	गा.पा. कृषि विकास शाखा	उन्नत प्रविधिको प्रयोग हुने
१.२	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा तरकारी उत्पादनको योगदान	प्रतिशत	४४%	५०%	कृषि विकास शाखा	गा.पा. कृषि विकास शाखा	उन्नत प्रविधिको प्रयोग हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	कृषि उत्पादनमा वृद्धि	प्रतिशत	१०%	३०%	गा.पा. कृषि शाखा	गा.पा. कृषि शाखा	कुलो, नहर तथा बोरिगको विस्तार तथा मर्मत सम्भार हुने
२.२	सिंचाईयोग्य जग्गामा वृद्धि	प्रतिशत	२५%	७०%	गा.पा. कृषि शाखा	गा.पा. कृषि शाखा	कुलो, नहर तथा बोरिगको विस्तार तथा मर्मत सम्भार हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	सिंचित क्षेत्रमा विस्तार	हेक्टर	४०	७०	गा.पा. कृषि शाखा	गा.पा. कृषि शाखा	कृषक सक्रिय हुने
३.२	उत्पादनमा वृद्धि	प्रतिशत	१०%	८०%	गा.पा. कृषि शाखा	गा.पा. कृषि शाखा	रोग नियन्त्रण हुने
३.३	तरकारी लगायत खाद्य वस्तु आयात कार्य घटाउने	प्रतिशत	३०%	१०%	गा.पा. कृषि शाखा	गा.पा. कृषि शाखा	मौसम अनुकूल रहने छ

### ३.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन नतिजा खाकाको आधारमा पशुपालन उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

### ३.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

### ३.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाको बार्षिक बजेट कार्यक्रममा सिचाईलाई प्राथमिकताका साथ तर्जुमा गरिएको छ । ब्यवसायीक कृषकहरुबाट समेत आफ्नै पहलमा सिचाई सेवा विस्तार गरिनेछ । मौषम परिवर्तनका कारण बर्षायाममा डुवाने तथा हिउदमा सुख्खा खडेरी हुने कारणले गर्दा सतह तथा भूमीगत सिचाईका पूर्वाधारबाट पानीको मात्रा घट्न तथा क्षति हुन सक्ने जोखिम रहन्छ ।

### ३.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति

#### ३.३.१ पृष्ठभूमि

#### पशुपंक्षि तथा माछापालन

यस पालिकामा उद्योग, व्यापार व्यवसाय र आपूर्तिको प्रमुख स्रोतको रूपमा पशुपन्छी तथा माछापालन गैडहवा गाउँपालिकाको प्रमुख आर्थिक गतिबिधिमध्ये एक हो । यस क्षेत्रका किसानहरु गाईभैसी, बाख्रा, हाँस, कुखुरा तथा माछापालन गर्दै आएका छन् । मासु तथा अण्डाको लागि स्थानीय बजारमा सवैभन्दा बढि कुखुरा पालन गरिएको छ । हाल यस गाउँपालिकामा व्यवसायिक रूपमा सामुदायिक वनको पोखरीहरु ४ वटा, सार्वजनिक पोखरीहरु ७ वटा तथा व्यक्तिगत पोखरीहरुमा ६० वटा गरी ७१ वटा पोखरीको ९४ विघा क्षेत्रफलमा २४७ जनाले व्यवसायिक माछापालन गरीरहेका छन । त्यसै गरी ६ वटा व्यवसायिक रूपमा भैसीपालन फर्म संचालनमा छन । वन तथा चरणक्षेत्र पर्याप्त भएकोले ८०० घरपरिवारले ४५००वटा वाखा जीवननिर्वाह गर्नकालागी वाखापालन गरीरहेका छन । यस गाउँपालिकामा १० वटा कुखुरा फार्म र २२५ जनाले घरासी प्रयोजनकोलागी गरी ५०,००० वोइलर तथा हाँस गरी भन्दा वढी पंक्षिहरुको पालन गरेका छन । २० वटा उन्नत गाइपालन फर्ममा १२० दुधालु गाइहरु रहेका छन । पशुपालनमा दानाको अभाव छ । माछापालन व्यवसायमा कृषकहरुको रुचि वढदो भएतापनी आधुनिक मत्स्यपालन तथा प्रशोधन हुन नसकेकोले व्यवसायीकरणमा कठीनाई देखिएको छ । व्यवसायिक तरकारी फर्म ३ देखि १० कठामा ८ जना किसानले गरेका छन । गाउँपालिकामा स्थानीय पशुजन्य उत्पादन (खासगरी दूध, अण्डा, माछा र मासुको माग बढ्दै गएको छ । भने पछिल्ला दिनमा ५० भन्दा बढी ब्यवसायीक पशुपालन फर्मबाट कुखुरा तथा बाख्रा उत्पादन भई स्थानीय बजार आत्मनिर्भरता उन्मुख रहेको छ । पशु बजारका लागि गाउँपालिका भित्र हाट बजारको ब्यवस्था गरिएको छ । पशुपालन गर्ने कृषकका लागि गाउँपालिकाले तालिम, प्राविधिक सहयोग, अनुदान सहयोग प्रदान गर्नुका साथै पशु बीमा तथा नियमित प्राविधिक सहायता उपलब्ध गराउँदै आएको छ ।

#### ३.३.२ समस्या तथा चुनौति

पशुपंक्षी तथा माछापालन लागि लागत महंगो हुदै आएको र दानापानी तथा घाँसमा समेत लगानी गर्नु परेकोले उत्पादन लागत बढ्ने गरेको छ । स्थानीय मासु बजारमा मूल्यको अस्थिरता, महामारी एवम् उत्पादन मूल्य र उपभोक्ता

मूल्यबीचको अन्तर उच्च रहने गरेको छ । पशुपक्षि तथा माछाको आहारका लागि स्थानीय रूपमा दाना तथा घाँसको उत्पादनमा कमी रहेको छ। उन्नत नश्लका पशुपन्छी पालन, पशुपन्छी तथा माछापालनका लागि बीमा अनुदान, सहूलियतपूर्ण ऋणको व्यवस्थामा कमी हुनु आदि यस उपक्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

### ३.३.३ सोच

“सवल किसान, पशुपक्षि तथा माछापालन स्वावलम्बनको पहिचान ”

### ३.३.४ उद्देश्य

- किसान, कृषि सहकारी तथा ब्यवसायीहरूको क्षमता विकास गरी नाफामुलक ब्यवसायको रूपमा स्थापना गर्नु ।
- गाउँपालिकाको नीति कार्यक्रम अनुसार पशुपक्षि तथा माछापालन पकेट क्षेत्रमा पूर्वाधार विकास गर्नु ।
- पशुपक्षि तथा माछापालन सँग सम्बन्धित बजारीकरणलाई सुधार गरी रोजगारी र आयआर्जनको अवसर विस्तार गर्नु

### ३.३.५ रणनीति

- पशुपक्षि तथा माछापालनको व्यावसायिक पकेट क्षेत्रको प्रवर्द्धन तथा सवलिकरण गर्ने ।
- पशुपक्षि तथा माछापालन व्यवसाय सम्बन्धी आवश्यक प्राविधिक ज्ञान तथा सूचना हस्तान्तरणका लागि मोवाइल सेवा तथा स्थानीय प्रवाधिक उत्पादन गरी सेवा प्रदान गर्ने ।

### ३.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

बार्षिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	२%	४%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	उद्योग सञ्चालनमा वातावरण सहज हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	रोजगारीका अवसरहरूमा वृद्धि	प्रतिशत	८%	२०%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	युवाको सोच सकारात्मक हुने
२.२	उत्पादित वस्तुको वजारीकरण हुने	प्रतिशत	४०%	७०%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	यातायातको सुविधा थप हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	साना तथा मझौला उद्योग सञ्चालन हुने	संख्या	४००	१०००	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	लगानीमैत्री वातावरण हुने
३.२	कच्चा पदार्थको रूपमा उत्पादित वस्तुले वजार पाउने	प्रतिशत	३०%	७०%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	युवा कृषक व्यवसायी बन्ने
३.३	आयातमा ह्रास आई निर्यातमा वृद्धि हुने	प्रतिशत	१२%	२०%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	भौतिक संरचनाको विकास हुने

## ३.३.७ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन नतिजा खाकाको आधारमा पशुपंक्षी तथा माछा पालन उप-क्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	७४	४२।७७२	३१।२२८	५।६२४	१७।३१६	४७।९५२	३।१०८	
२०८१/०८२	८९	५१।४४२	३७।५५८	६।७६	२०।८	५७।७	३।७४	
२०८२/०८३	९०	५२	३८	६।८४	२१।१	५८।३	३।७८	

## ३.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्न देहाय अनुसार कार्यक्रम तथा बजेट प्रस्तुत गरिएको छ ।

	पशुपंक्षी तथा माछापालन	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	भैसिपालन फर्म	१०	१०	१०	३०
२	कृतिम गर्भाधन मिसन कार्यक्रम	४	४	४	११
३	बाख्रापालन फर्म	५	५	५	१५
४	व्यवसायिक माछापालन	१०	१०	१०	३०
५	माछा प्रशोधन उद्योग		३०		३०
६	माछाको ह्याचरी फर्म	१०	५	१	१६
७	कुरुपुरा पालन	५	५	५	१५
८	उन्नत गाई पालन कार्यक्रम	१५	५	५	२५
९	घाँस उत्पादन तथा बिक्रस	५	५	५	१५
१०	दुग्ध प्रशोधन केन्द्र स्थापना र सहयोग			३५	३५
११	पशु स्वास्थ्य शिबिर संचालन	२	२	२	५
१२	पशु खोप कार्यक्रम	४	४	४	१२
१३	आधुनिक पशु पन्छी फ्रेश हाउस संचालन	५	५	५	१५
	<b>जम्मा</b>	<b>७४</b>	<b>८९</b>	<b>९०</b>	<b>२५३</b>

## ३.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान:

गाउँपालिकाको समन्वयमा संघ र प्रदेश कार्यालयबाट पशुपालन क्षेत्रमा पूर्वाधार, प्रविधि तथा सीप विकास गर्न सकिनेछ। नयाँ व्यवसायीहरूबाट पशुपालन व्यवसायमा लगानी परिचालन हुनेछ र वेरोजगार युवाहरूलाई कृषिमा आधारित व्यवसायमा आकर्षिक हुनेछन्। उचित स्याहार, आहार तथा गोठका लागि पर्याप्त लगानी तथा नियमित उपचारको उपयुक्त व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

### ३.४ पर्यटन विकास

#### ३.४.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिका भित्र ताल तलैया, मन्दिरहरु छन । गैडहवा र सगरहवा ताल पर्यटक गन्तव्य स्थलको रूपमा संभाव्य भएपनि व्यवस्थ तर्गन सकिएको छैन । यी स्थानहरुमा थारु संस्कृति, खानपान, रहन सहन र वसोवास प्रकृतिको होम स्टेहरु वनाउने प्रचुर संभावना भए पनि स्थानीय समुदाय, व्यवसायि तथा जन प्रतिनिधिहरुको चासो देखिदैन । यस गाउँपालिकाको समिपमा रहेको लुम्बिनी धार्मिक, ऐतिहासिक तथा पर्यटकीय स्थलमा सडकको पहुँच रहेको भए पनि यसलाई मध्यनजरगरी यस क्षेत्रमा स्तरीय होटल, लज, रेष्टुराँ उपलब्ध छैनन् । सामुदायिक स्वामित्वमा रहेका उक्त धार्मिक तथा ऐतिहासिक स्थलहरुमा आन्तरीक पर्यटकहरुको आगमन हुने गा पनि यस्को अभिलेखन गरीयको छैन । पर्यटक तथा आगन्तुकहरुको लागि यस गाउँपालिकामा होटलहरु सञ्चालन गर्ने व्यवसायीहरु छैनन तर आवश्यकता अनुसारका सामान्य चिया, खाजा, भोजनालय तथा पार्टी प्यालेस समेत रहेका छन् ।

#### ३.४.२ समस्या तथा चुनौति

धार्मिक पर्यटन क्षेत्र भएकोले मौसमी एवम् अस्थिर प्रकृतिको पर्यटक आगमन, अपर्याप्त पूर्वाधार तथा पर्यटकीय सेवा र पर्यटकीय क्षेत्रमा हार्दिकताको विकास गैडहवा को पर्यटन विकासका प्रमुख समस्याहरु हुन् । गाउँपालिका भित्र छरिएर रहेका धार्मिक पर्यटकीय क्षेत्रसम्म जान आउन पक्की एवम् सुरक्षित सडक निर्माण भएपनि नियमित सार्वजनिक यातयातको कमी र पर्यटकीय पूर्वाधारको अपर्याप्तता यस क्षेत्रको चुनौतीको रूपमा रहेको छ ।

पर्यटन प्रवर्द्धनमा स्थानीय सरकार, नेपाल पर्यटन बोर्ड, स्थानीय संघ संस्था एवम् निजी क्षेत्रका उद्योग वाणिज्य, पर्यटन विकासमा संलग्न सामुदायिक तथा व्यवसायी संघ संस्थाहरुबीच उपयुक्त ब्रान्ड सहित प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रममा सहकार्य र सहलगानीका लागि आवश्यक पहल गर्नु पने देखिन्छ ।

#### ३.४.३ सोच

“जल, जंगल र संस्कृतिको सुन्दरीकरण पर्यटकको आर्कषण”

#### ३.४.४ उद्देश्य

- तालतलैया तथा मन्दिरहरुको सुन्दरीकरण तथा पर्यटकीय पूर्वाधारको विकास गरी पर्यटन व्यवसायलाई प्रवर्द्धन गर्नु ।
- थारु संस्कृतिमा आधारित होम स्टे व्यवस्थापन तथा संचालनमा प्रोत्साहन गने ।
- धार्मिक पर्यटनको विकास र विस्तारका लागि आवश्यक सामाजिक र सांस्कृतिक पूर्वाधारहरुको विकास एवम् विस्तार गर्नु ।
- गैडहवा क्षेत्रका धार्मिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक कला र सम्पदाहरुको संरक्षण र संवर्द्धन गर्नु ।

#### ३.४.५ रणनीति

- पर्यटन विकासका लागि उपयुक्त नीतिगत तथा संस्थागत संरचनाको स्थापना गरी परिचालन गर्ने ।
- धार्मिक पर्यटन सम्बद्ध निजी संघसंस्था र अन्य सरोकारवालाहरु सँगको सहकार्यमा पर्यटकीय सेवाको गुणस्तर सुधार तथा प्रवर्द्धनका लागि आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।
- छिमेकी स्थानीय तहहरु, निजी व्यावसायिक संघ/संस्थाहरु र समुदायको सहकार्यमा पर्यटकीय स्थल र पूर्वाधारहरुको संरक्षण संवर्द्धन र विस्तार गर्ने ।
- ऐतिहासिक र पुरातात्विक सम्पदाहरुको संरक्षण र संवर्द्धन गर्ने ।

## ३.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

विगतका बार्षिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणमा उल्लिखित आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	आन्तरिक आय वृद्धिमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	०.२%	१%	राजस्व शाखा	राजस्व शाखा	पर्यटन व्यवसाय प्रवर्धन हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	गा.पा.मा भएका पर्यटकीय क्षेत्रको एकिकृत विकास हुने	संख्या	३	८	गा पा प्रशासन	गा.पा प्रशासन	पर्यटन व्यवसाय प्रवर्धन हुने
२.२	पर्यटकीय क्षेत्रको व्यापक प्रचार प्रसार हुने	प्रतिशत	१०%	७०%	रोजगार शाखा	गा पा प्रशासन	पर्यटन व्यवसाय प्रवर्धन हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	भिडियो डकुमेन्टरी मार्फत प्रचार हुने	संख्या	२	१०	गा.पा.	गा. पा	नेट इन्टरनेटको सहज व्यवस्थापन
३.३	अतिथि सत्कारका लागि जनशक्ति व्यवस्थापन हुने	संख्या	५	३०	गा.पा	गा.पा	जनशक्ति कम्बिन्स हुने

## ३.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन नतिजा खाकाको आधारमा पर्यटन तथा संस्कृति उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	९७	५६।०६६	४०।९३४	७३.७२	२२।६९८	६२।८५६	४।०७४	
२०८१/०८२	४२	२४।२७६	१७.७२४	३।९९	९।८३	२.७२	१।७६	
२०८२/०८३	२८	१६।२	११।८	२।९३	६।५५	१.८१	१।९८	

### ३.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्नको लागि देहायअुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

पर्यटन तथा संस्कृति	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
गैडहवाताल सौन्दरीकरण तथा विकास	१०		१०	२०
सग्रहावा ताल विकास तथा चिल्डेन पार्क निर्माण	५	२	२	९
युवाहरुलाई पर्यटन गाइड तालिम	५		३	८
ताल क्षेत्रमा बहुसांस्कृतिक हौम स्टे संचालन	३०	१०	१	४१
ऐतिहासिक मन्दिरहरुको विकास तथा सौन्दरिकरण	१०	१०	२	२२
छठघाट विकास तथा प्रबर्धन	५			५
कब्रिस्तानको तारबार	२			२
पुरातात्विक महत्वका सांस्कृतिक तथा धार्मिक स्तःलहरुको अभिलेखीकरण	५			५
यशोधरा पार्क निर्माण	२०	१०		३०
राम जानकी मन्दिर परिसर तथा पोखरी विकास			१०	१०
समयामाई मन्दिर परिसरमा बिश्रामस्थल तथा पार्क निर्माण	५	१०		१५
<b>जम्मा</b>	<b>९७</b>	<b>४२</b>	<b>२८</b>	<b>१६७</b>

### ३.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान:

गाउँपालिका, निजी क्षेत्र तथा नागरिक समाजको साझेदारीमा धार्मिक पर्यटन पूर्वाधार विकास, पर्यटन प्रवर्द्धन तथा सेवा सुविधाको विकास र विस्तार हुन सक्नेछ ।

महामारी र राजनीतिक अस्थिरताले पर्यटन क्षेत्रको अपेक्षित नजिता हासिल नहुने जोखिम रहन सक्दछ ।

### ३.५ सहकारी

#### ३.५.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको पाश्र्वचित्र अनुसार गाउँ भित्र गरीमा विकास बैक, एन. आई.सि.एशिया बैक तथा लघुवित्त संस्थाहरु गरी ४ वटा रहेका छन् । त्यसैगरी ४८ भन्दा बढी बचत तथा ऋण सहकारी संस्थाहरु र कृषि सहकारीहरु रहेका छन् । त्यस्तै गाउँपालिकामा सूचीकरण भएका ३० सहकारी संस्थाहरुले आफ्ना सेवा प्रवाह गर्दै आएका छन् । पछिल्लो समय बीमा कम्पनीका शाखाहरुको संख्या पनि उल्लेख्य मात्रामा वृद्धि भएको छ । बैक, वित्तीय संस्था एवम् सहकारीहरुले औपचारिक कारोवार, कर्जा सुविधा र बचतको प्रवृत्तिलाई प्रवर्द्धन गरेका छन् ।

#### ३.५.२ समस्या तथा चुनौति

बैंक, वित्तीय संस्था एवम् सहकारीहरुको संख्या तथा कारोवार उच्च रहेको भएता पनि अनौपचारिक क्षेत्रबाट हुने कारोवारको अवस्था उल्लेखनीय रहेको छ । वित्तीय सेवामा महिला र पुरुषको समान पहुँच रहेको छैन । घरेलु तथा साना उद्योग र सीमान्तकृत समुदायमा सर्वसुलभ वित्तीय सेवामा न्यून पहुँच रहेको छ । वित्तीय साक्षरताको कमी, धितो राख्ने सम्पत्तिको अभाव, आवश्यक प्रमाण पुऱ्याउन नसक्नु, झन्झटिलो कागजी प्रक्रिया र आवश्यक सहयोगका लागि सहायता केन्द्रको अभाव जस्ता कारणले गर्दा अनौपचारिक क्षेत्रबाट पनि वित्तीय कारोवार उत्तिकै हुने गरेको छ । बैकिङ

कारोवारका लागि आधारभूत कागजात तयार गर्न नसक्नु नै साना तथा लघु उद्यमका लागि सहज वित्तीय पहुँचमा बाधक बनेको देखिन्छ ।

### ३.५.३ सोच

“सहकारीको प्रवर्द्धन र विकास, वित्तीय सेवाको पहुँचमा सवैको आश”

### ३.५.४ उद्देश्य

- सहकारी संस्थाको प्रवर्द्धन र विकास र उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी परिचालन गर्नु । सङ्घीय सरकार र नेपाल
- राष्ट्र बैंकले प्रवर्द्धन गरेका सहलियतपूर्ण कर्जा सुविधा र ब्याजदर अनुदानका कार्यक्रमहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा सहयोग र सहजीकरण गर्नु ।

### ३.५.५ रणनीति

- सहलियतपूर्ण कर्जा र अनुदान योजनाहरूको पहुँच वृद्धि गर्न सहजीकरण गर्ने ।
- गाउँपालिका क्षेत्रभित्र स्थापित बैंक तथा वित्तीय संस्थासँग सहकार्य गर्ने ।
- गाउँपालिका भित्रका विषयगत र बचत तथा ऋण सहकारी संस्था तथा कृषि सहकारी संस्थाहरूको क्षमता तथा दक्षता वृद्धि गर्ने ।
- सहकारीहरूलाई विपन्न कर्जा प्रवाहकालागी अनुदान उपलब्ध गराउने ।

### ३.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन नतिजा खाकाको आधारमा वैक, वित्त संस्था तथा सहकारी उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	४०	२३१२	१६८८	३०४	९३६	२५१२	१६८	
२०८१/०८२	४०	२३१२	१६८८	३०४	९३६	२५१९	१६८	
२०८२/०८३	४०	२३१	१६१९	३०४	९३६	२५१९	१६८	

### ३.६.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्नको लागि देहाय अनुसार अनुसारको कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र स	सहकारी	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	सहकारी नीति नियमावली निर्माण तथा व्यवस्थापकीय सहयोग	२०	२०	२०	६०
२	सहकारी संस्था सुदृढीकरण	२०	२०	२०	६०
	<b>जम्मा</b>	<b>४०</b>	<b>४०</b>	<b>४०</b>	<b>१२०</b>

### ३.६.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँवासीहरूमा वित्तीय सेवा विस्तार भएको हुनेछ । वित्तीय संस्थाहरू उत्पादनमूलक, व्यवसायमूलक कार्य तथा स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण बढी क्रियाशील हुनेछन् । वित्तीय संस्थाहरूको खराब कर्जा बढ्न सक्ने जोखिम हुनेछ ।

### ३.७ आमदानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा

#### ३.७.१ पृष्ठभूमि

गैडहवा गाउँपालिकाको युवा श्रमशक्तिको ठूलो हिस्सा परम्परागत कृषि पेशामा निर्भर छ । त्यस्तै यहाँका ७०० भन्दा बढि जनशक्ति स्थानीय उद्योग, ब्यवसाय, होटेल लगायतका क्षेत्रमा दक्ष तथा अदक्ष श्रमीकको रुपमा कार्यरत छन् । ३००० भन्दा बढी श्रमशक्ति सेना तथा बैदेशिक रोजगारीमा रहेका छन् । गाउँपालिका क्षेत्रमा उत्पादनशील उद्योग, निर्माण क्षेत्र, धार्मिक पर्यटन, व्यापार, होटल तथा रेष्टुरेण्ट, सूचना तथा सञ्चार प्रविधि र कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रमा रोजगारीका अवसरहरु रहेका छन् ।

यस गाउँपालिकाका कुल घरधुरीमध्ये करिव १० प्रतिशत परिवार ६ महिनाभन्दा कम अवधि मात्र आफ्नै उत्पादनमा निर्भर छन् । यस बाहेकको अवधिका लागि उनीहरु व्यापार, व्यवसाय, रोजगारी, ज्याला मदजुरी तथा अनौपचारिक क्षेत्रमा रोजगारीका लागि जानुपर्ने हुन्छ । यस गाउँपालिकाका करिव २० प्रतिशत बासिन्दामा गरिबीको अवस्था असाध्यै जोखिमपूर्ण रहेकाले गाउँपालिकाको तर्फबाट विशेष नितिगत कार्यक्रमको आवश्यकता छ । समग्रमा, देशको गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या घटेको भए तापनि शहरी तथा ग्रामीण एवम् विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र र सामाजिक समूहबीचको खाडल अझै पनि उच्च रहेको देखिन्छ । गरिबी न्यूनीकरणको राष्ट्रिय लक्ष्य, पन्ध्रौ योजनाको लक्ष्य उद्देश्य तथा दिगो विकासका लक्ष्य (SDGs 2015-2030) को १७ लक्ष्यहरु मध्ये लक्ष्य नं १ मा गरिबीको अन्त्य अन्तर्गत सबै प्रकारका गरिबीलाई सबै ठाँउबाट अन्त्य गर्ने लक्ष्य रहेको हुँदा नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारसँगै यस गाउँपालिकाले पनि यी लक्ष्यहरुको प्राप्तिका लागि क्रियाशील रहेको छ ।

#### ३.७.२ समस्या तथा चुनौति

यस गाउँपालिका क्षेत्रका युवाहरुमा पनि अन्तरदेशीय तथा वाह्य क्षेत्रको रोजगारीमा आकर्षण कायमै रहेको छ । युवा जनशक्ति विदेश पलायन हुने र स्थानीय उद्योग व्यवसाय अन्यत्रका श्रमिकमा भर पर्नुपर्ने विडम्बनापूर्ण अवस्था यहाँ रहेको छ ।

औद्योगिक तथा निर्माण क्षेत्रको मागअनुसार दक्ष श्रमिक स्थानीय बजारमा उपलब्ध नहुँदा विदेशी (भारतीय) कामदारमा भर पर्ने अवस्था रहेको छ । दक्ष जनशक्ति विकासका लागि रोजगारमूलक तालिम र नयाँ प्रविधिको अनुकूल हुने गरी क्षमता विकासका अवसरहरुमा कमी रहेको छ ।

#### ३.७.३ सोच

“ सिप र दक्षतायुक्त युवाहरुको रोजगारी, गरीबीको अन्त्य स्थानीय सरकारको प्रमुख जिम्मेवारी ”

#### ३.७.४ उद्देश्य

- युवा जनशक्तिलाई बजार माग अनुरूपका सीपमा आधारभूत तालिम र क्षमता विकास गर्नु । सरोकारवालासँगको सहकार्यमा स्थानीय श्रम बजारमा आवश्यक सीप, दक्षताको अध्ययन गरी श्रम बजारको व्यवस्थापन गर्नु ।
- सिप दक्षता भएका युवाहरुको रोजगारीताको सुनिश्चिता गर्न नीजी तथा साझेदार संस्थाहरुलाई प्रोत्साहन गर्ने ।

#### ३.७.५ रणनीति

- स्थानीय क्षेत्रमा कार्यरत श्रमिकहरुको विस्तृत विवरण सहितको लगत तयार गरी नियमित रुपमा अद्यावधिक गर्ने ।

- स्थानीय श्रम बजारलाई मर्यादित र दिगो बनाउन नीतिगत र संस्थागत सुधार गर्ने ।
- स्थानीय युवाहरूलाई श्रम बजारमा आकर्षित गर्न क्षमता विकास र जागरण अभियान सञ्चालन गर्ने ।
- नवप्रवर्तन उद्योग व्यवसायहरूको पस््रतावनाहरूको खोजी तथा लगानीकर्ताहरूको खोजी गरी स्थानीय श्रमिकहरूकाको रोजगारीको सुनिश्चितता गर्ने।

### ३.७.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

विगतका बार्षिक योजनाका आधारमा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	१%	३%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	उद्योग सञ्चालनमा वातावरण सहज हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	रोजगारीका अवसरहरूमा वृद्धि	प्रतिशत	२%	५%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	युवाको सोच सकारात्मक हुने
२.२	उत्पादित वस्तुको वजारीकरण हुने	प्रतिशत	१५%	३०%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	यातायातको सुविधा थप हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	साना तथा मझौला उद्योग सञ्चालन हुने	संख्या	२	१०	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	लगानीमैत्री वातावरण हुने
३.२	कच्चा पदार्थको रूपमा उत्पादित वस्तुले वजार पाउने	प्रतिशत	५%	१५%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	युवा कृषक व्यवसायी बन्ने
३.३	आयातमा ह्रास आई निर्यातमा वृद्धि हुने	प्रतिशत	५%	१५%	गा.पा. प्रशासन	गा.पा. प्रशासन	भौतिक संरचनाको विकास हुने
४	कार्यक्रम तथा योजना						
	कार्यक्रमको सूची विस्तृत वजेटमा राखिएको छ ।						

### ३.७.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन नतिजा खाकाको आधारमा श्रम तथा रोजगार उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट श्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	६६७	३८५।५२६	२८१।४७४	५०।६९	१५६।०८	४३२।२१६	२८।०९	
२०८१/०८२	६५५	३७८।५९	२७६।४९	४९।८	१५३	४२४	२७।५	
२०८२/०८३	५९६	३४४	२५२	४५।३	१३९	३८६	२५	

### ३.७.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहायअुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	आम्दानी रोजगारी र वित्तीय सेवा	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	महिला सिप विकास कार्यक्रम (झुम्र, ब्युटिपार्लर, सिलाई कटाई)	५	५	५	१५
२	युवाहरुलाई उधमी विकास कार्यक्रम	६	६	६	१८
३	युवाहरुलाई कृषि र गैरकृषिमा आधारित लघु उद्भ्रम सिप विकास तालिम तथा लगानी सहयोग	१०	१०	१०	३०
४	युवाहरुलाई कृषि र गैरकृषिमा आधारित लघु उद्भ्रम संचालन सहयोग	१५	१५	१५	४५
५	सामुहिक व्यवसायिक तरकारी उत्पादन तथा बजारीकरण	२०	२०	२०	६०
	<b>जम्मा</b>	<b>५६</b>	<b>५६</b>	<b>५६</b>	<b>१६८</b>

### ३.७.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाले रोजगारी सम्बन्धी व्यवहारिक नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरेको हुनेछ । अनौपचारिक क्षेत्रको रोजगारको स्वरूप परिवर्तन हुँदै जाने भएकोले तयार भएका दक्ष श्रमले बजार नपाउने जोखिम रहन सक्नेछ । गरिबी निवारण सम्बन्धी व्यवहारिक नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा भई कार्यान्वयन हुनेछ । गाउँपालिकामा गरिबी निवारण सम्बन्धी अल्पकालीन, मध्यमकालीन र दीर्घकालीन योजना तर्जुमा हुनेछ । गरिबी निवारण नीति तथा कार्यक्रममा निरन्तरता नभएमा यसबाट अपेक्षा गरिएको नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहेको छ ।

## परिच्छेद-४

### सामाजिक विकास क्षेत्र

यस परिच्छेदमा स्वास्थ्य, शिक्षा, खानेपानी तथा सरसफाई, महिला, बालबालिका र सामाजिक समावेशीकरण, युवा तथा खेलकुद जस्ता उप-क्षेत्रहरु समेटिएका छन् । प्रत्येक खण्डमा पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रमको संक्षिप्त विवरण र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरु समावेश गरिएको छ ।

### ४.१ शिक्षा, विज्ञान र नवप्रवर्तन

#### ४.१.१ पृष्ठभूमि

आधारभूत शिक्षालाई नेपालको संविधानले मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ । दिगो विकासको लक्ष्यमा पनि गुणस्तरीय शिक्षामा सबैको पहुँचलाई महत्वको साथ स्थान दिइएको छ । पन्ध्रौं योजनाका आधार-पत्रमा पनि शिक्षालाई समृद्धिको मूल आधारको रूपमा लिइएको छ । संविधानले आधारभूत र माध्यमिक शिक्षालाई स्थानीय तहको एकल अधिकारको रूपमा स्थापित गर्दै अनिवार्य आधारभूत शिक्षा र निःशुल्क माध्यमिकतह सम्मको शिक्षाको व्यवस्था गरेको छ ।

गैडहवा गाउँपालिका पूर्ण साक्षर गाउँपालिकाको रूपमा घोषित हुन अझै धेरै मिहिनेत गर्नुपर्ने छ । यस गाउँपालिकामा बाल विकास केन्द्र ४६, आधारभूत तह ९, माध्यमिक तह १३, र मदरसा १३ गरी ४६ शैक्षिक संस्थाहरु रहेका छन् । यस गाउँपालिका रहेका यी शैक्षिक संस्थाहरुमा २२१ जना शिक्षकहरु कार्यरत छन् जस मध्ये बाल विकासमा ४१, आधारभूत तहमा १५७ र माध्यमिक तहमा २१ रहेका छन् । त्यस्तै यस गाउँपालिकामा विद्यार्थी संख्यालाई हेर्ने हो भने बाल विकास केन्द्रमा २१२५, आधारभूत तहमा १०६३२ र माध्यमिक तहमा २१७१ गरी जम्मा १५९२८ रहेका छन् जस मध्ये छात्र ६३१८ र छात्रा ६४८५ रहेका छन् । (स्रोत: गैडहवा शिक्षा शाखा । विद्यार्थी संख्याको आधारमा सबै विद्यालयमा शिक्षक दरबन्दी नहुनु, महिला, बाल तथा अपाङ्गता मैत्री संरचना नहुनु, समयानुकूल शिक्षालाई प्रबिधि मैत्री बनाउन नसक्नु, दलगत राजनितितिको प्रभाव पर्नु आदि शिक्षा क्षेत्रका समस्याको रूपमा रहेका छन् ।

यस गाउँपालिकाको साक्षरता प्रतिशत ७१.३ रहेको छ । यस गाउँपालिकामा बाल विकास केन्द्र ४१ (समुदायमा आधारित सामुदायिक र संस्थागत), आधारभूत विद्यालय ९ (सामुदायिक र संस्थागत गरी), माध्यमिक विद्यालय ७ (सामुदायिक र संस्थागत), धार्मिक विद्यालय १३, गरी जम्मा २९ विद्यालय छन् । सामुदायिक क्याम्पस २ वटा रहेका छन् ।

यस गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक बालविकास केन्द्रमा कार्यरत बालविकास सहजकर्ता ४१ जना छन् ।

#### ४.१.२ समस्या तथा चुनौति

शैक्षिक गुणस्तरको कमी र शिक्षामा सबै नागरिकको समान पहुँच हुन नसक्नु मुख्य शैक्षिक समस्या हो । सामुदायिक तथा संस्थागत विद्यालयबीच शैक्षिक गुणस्तरमा फरक रहेको छ । सामुदायिक विद्यालयमा दरबन्दी मिलान, शिक्षक समायोजन, नेतृत्व सवलीकरण, भौतिक पूर्वाधार विकास, विद्यालय व्यवस्थापन तथा अनुगमन प्रभावकारी हुन सकेको छैन । स्थानीय बजारको मागअनुरूपका जनशक्ति उत्पादन गर्न र निम्न आय भएका समुदायका लागि सर्वसुलभ रूपमा प्राविधिक शिक्षामा पहुँच स्थापित गर्न सकेको छैन । जीवन उपयोगी एवम् गुणस्तरीय शिक्षामा विपन्न, दलित, सीमान्तकृत र पिछडिएका समुदायहरुको पहुँच बृद्धि गर्ने र खासगरी प्राविधिक शिक्षामा विशेष व्यवस्था गर्ने शिक्षा क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरु हुन् ।

## ४.१.३ सोच

“गैडहवाको इच्छा समयानुकूल शिक्षा ”

## ४.१.४ उद्देश्य

- विद्यालय शिक्षामा गुणस्तर अभिवृद्धि गर्नु ।
- प्राविधिक शिक्षालाई सर्वसुलभ बनाई मध्यम तहको प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन गर्नु ।
- कक्षागत ज्ञान र सीपलाई उद्यमशिलता तथा र श्रम बजारसँग जोडी रोजगारी सिर्जना गर्नु ।

## ४.१.५ रणनीति

- माध्यमिक तहको विद्यालयमा प्राविधिक संकाय थप गर्दै लैजाने ।
- स्थानीय भूगोल, इतिहास, संस्कृति, पर्यावरण, वेशभुषा रैथाने ज्ञान सीप र सभ्यता समेटेर स्थानीय पाठ्यक्रम तयार गरी नियमित अद्यावधिक गर्ने ।
- सीमान्तकृत वर्गका बालबालिकाका लागि प्रोत्साहन सहित विशेष छात्रवृत्तिको व्यवस्था गर्ने ।

## ४.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाबाट आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुगमन तथा जोखिम क्षेत्र
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	मानव विकास सूचाङ्कमा शिक्षा, स्वास्थ्य र जीविकोपार्जनको योगदान	सूचाङ्क	०.५१०	०.६५०	गाउँपालिका	विषयगत शाखा	सामाजिक विकास समिती स्थिरता कायम रहेमा
२	<b>असर</b>						
२.१	साक्षरता दरमा वृद्धी भएको हुने छ	प्रतिशत	७१.३%	८५%	शिक्षा विषयगत शाखा	शिक्षा विषयगत शाखा	शिक्षामा लगानी वृद्धि हुने छ
२.२	व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त जनशक्तिमा वृद्धि	प्रतिशत	१०%	४०%	शिक्षा विषयगत शाखा	शिक्षा विषयगत शाखा	व्यवसायिक पाठशालामा वृद्धि हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	समुदायस्तरमा गुणस्तरीयता भौतिक संरचना युक्त शैक्षिक	प्रतिशत	३०%	७५%	शिक्षा विषयगत शाखा	शिक्षा विषयगत शाखा	विपद्को प्रभाव पर्ने छैन

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुगमन तथा जोखिम क्षेत्र
	सस्थाहरुको व्यवस्था भएको हुने						
३.२	शिक्षण पेशामा संलग्न जनशक्तिको पेशागत दक्षतामा वृद्धि हुने	प्रतिशत	६०%	७५%	शिक्षा विषयगत शाखा	शिक्षा विषयगत शाखा	व्यवसायिकतामा कुशलता आउने
३.३	विद्यालय उमेरका सवै वालवालिकाहरु औपचारिक शिक्षामा नियमित हुने	प्रतिशत	८४%	९५%	शिक्षा विषयगत शाखा	शिक्षा विषयगत शाखा	अभिभावकमा सचेतना वृद्धि हुने
४	<b>कार्यक्रम तथा योजना</b>						

#### ४.१.७ शैक्षिक विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा शिक्षा उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	९९२	५७३३७६	४१८१६२४	७५१३९	२३२१३	६४२१८९६	४११६६	
२०८१/०८२	१००५	५८०१८९	४२४१९९	७६१४	२३५	६५९	४२१२	
२०८२/०८३	१०१९	५८९	४३०	७७४	२३८	६६०	४२१८	

#### ४.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसारको कार्यक्रमहरु प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	शैक्षिक विकास	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	बिद्यार्थी पोशाक, स्टेशनरी तथा छात्रवृत्ति कार्यक्रम	२	२	२	६
२	अभिभावक सचेतना कार्यक्रम	३	३	३	९
३	बिद्यालय व्यवस्थापन तालिम	५	५	५	१५
४	तहगत शिक्षक दरबन्दी व्यवस्था	११८	१२८	१३८	३८४
५	आधारभूत र माध्यमिक तहका शिक्षकहरुको तलब भत्ता	७७०	७७२	७७५	२३१७
६	आधारभूत तहको कक्षा ६ - ८ मा अंग्रेजी, गणित र बिज्ञान बिषयमा सिक्खण सहयोग	२६	२७	२८	८१

क्र.स.	शैक्षिक विकास	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
७	अभिभावक लगानी सचेतन	२	२	२	६
८	पाठ्यक्रम प्रबोधिकरण कार्यक्रम	३	३	३	९
९	स्थानीय पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम	२	२	२	६
१०	मा. वि. स्तर सम्म दिवा खाजा व्यवस्थापन	६	६	६	१८
११	प्रबिधि मैत्री बिद्यालय संचालन	२०	२०	२०	६०
१२	बिषयगत शिक्षक प्रसिक्षण कार्यक्रम	५	५	५	१५
१३	उच्च शिक्षा अध्ययन छात्रवृत्ति	५	५	५	१५
१४	अंग्रेजी मध्यमबाट पठनपठानको व्यवस्था	५	५	५	१५
१५	जीपनोपयोगी शिक्षा संचालन	५	५	५	१५
१६	बिद्यालयमा प्रयोगशाला	५	५	५	१५
१७	अंग्रेजी मध्यमबाट पठनपठानको व्यवस्था	५	५	५	१५
१८	ई लाइब्रेरीको व्यवस्थापन	५	५	५	१५
	<b>जम्मा</b>	<b>९९२</b>	<b>१००५</b>	<b>१०१९</b>	<b>३०१६</b>

### ४.१.९ अनुमान तथा जोखिम

गाउँपालिकाबाट शिक्षा ऐन तथा नियमावली जारी एवम् समयानुकूल परिमार्जन भएको हुनेछ । शैक्षिक क्षेत्रमा पर्याप्त पूर्वाधार विकास, आवश्यक जनशक्ति व्यवस्था, क्षमता विकासका अवसरमा बृद्धि र नवीनतम प्रविधिको उपयोग भएको हुनेछ । शैक्षिक क्षेत्रमा लगानीको मात्रा प्रयाप्त बढाउनु पर्ने भएकोले राजनीतिक प्रतिवद्धता तथा यथेष्ट बजेट अभाव हुन सक्ने जोखिम देखिन्छ ।

## ४.२ स्वास्थ्य तथा पोषण

### ४.२.१ पृष्ठभूमि

गैडहवा गाउँपालिकामा अस्पताल १, स्वास्थ्य चौकी ४, आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्र ७, आयुर्वेदिक औषधालय १, गाउँघर क्लिनिक तथा खोप क्लिनिक ४३ वटा, निजी अस्पताल ३ वटा रहेका छन् । गाउँपालिका अन्तर्गत सञ्चालनमा रहेका स्वास्थ्य संस्थाको भौतिक व्यवस्थापन, औषधी तथा स्वास्थ्य सामग्रीहरूको आपूर्ति, स्वास्थ्यकर्मीहरूको परिचालन तथा सूचना व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य स्वास्थ्य शाखाले नै गर्ने गरेको छ ।

यसका अतिरिक्त गाउँपालिका क्षेत्रमा सञ्चालित निजी तथा अन्य सबै किसिमका स्वास्थ्य केन्द्रहरूको अनुगमन तथा मूल्यांकन र उनीहरूको सेवाको गुणस्तर निर्धारणदेखि अनुगमन गर्ने कार्यपनि स्वास्थ्य शाखाबाट हुने गरेको छ । समग्रमा हेर्दा यस क्षेत्रमा स्वास्थ्य तथा पोषणको क्षेत्रमा गुणत्मक सुधार हुँदै गएको छ ।

### ४.२.२ समस्या तथा चुनौति

स्वास्थ्य सेवाको विस्तार एवम् स्तरोन्नति सँगै नसर्ने रोग तथा अस्वस्थकर जीवनशैलीमा भएको विस्तारले स्वास्थ्य तथा पोषणको क्षेत्रका मुख्य चुनौतिका रूपमा खडा भएका छन् । स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्ने क्षमता, उपलब्ध जनशक्ति, भौतिक पूर्वाधार, स्वास्थ्य उपकरण र प्राविधिक सामग्रीको व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोभिड १९ को महामारीका कारण गाउँपालिकाको ध्यान सोको रोकथाम र नियन्त्रणका उपायमा केन्द्रित हुँदा यस अन्तर्गतका स्वास्थ्य संस्थाबाट प्रवाह हुने नियमित सेवाको गुणस्तर र प्रभावकारितामा पनि क्षयीकरण भएको छ ।

गाउँपालिका अन्तर्गतका सबै स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट प्रदान गरिएका आधारभूत स्वास्थ्य सेवा रिफरल सेवामा आम नागरिकको सहज पहुँच स्थापित गर्न र सेवाग्राहीको आवश्यकताअनुरूपको सहज सेवा प्रदान गर्न आवश्यक श्रोत, साधन तथा क्षमताको कमी रहेको छ । साथै स्वास्थ्य विमामा आवद्ध परिवारको संख्यामा वृद्धि हुन सकेको छैन ।

### ४.२.३ सोच

“ गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा, पोषणमैत्री गाउँ स्वस्थ जीवन संगैसम्बन्धी दीर्घजीवी होउ ”

### ४.२.४ उद्देश्य

- सबै वडाहरूबाट निःशुल्क आधारभूत स्वास्थ्य सेवा र तोकिएका संस्थाहरूबाट आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा प्रवाहको व्यवस्था गर्नु ।
- सम्भावित स्वास्थ्य विपद्को पहिचान गरी पूर्वतयारी, न्यूनीकरण र व्यवस्थापनका लागि संयन्त्र र पूर्वाधार तयार गर्नु ।
- समाजमा अपहेलना सहन गर्नुपर्ने रोगहरूबाट सम्मानित जीवन जिउने वातावरण तयार गर्ने

### ४.२.५ रणनीति

- गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्न आवश्यक जनशक्ति व्यवस्थापन तथा सेवाप्रदायकहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।
- उष्ण प्रदेशिय उपेक्षित रोगहरू मुक्त समाज तयार गर्न चेतनामुलक तथा सहयोग कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने ।
- गाउँघर क्लिनिक स्थापना भएका स्थानहरूको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने ।
- स्वास्थ्य सम्बन्धी विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि आवश्यक व्यवस्था कानुनी र संस्थागत गर्ने ।

### ४.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाबाट प्राप्त हुन सक्ने अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

### ४.२.७ स्वास्थ्य तथा पोषण विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान:

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा स्वास्थ्य तथा पोषण उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	४२०	२४२।७६	१७७।२४	३१।९२	९८।२८	२७२।१६	१७६।४	
२०८१/०८२	३९०.	२२५।४२	१६४।५८	२९।६	९१।३	२५३	१६।४	
२०८२/०८३	३९७.	२२९	१६८	३०।२	९२।९	२५७	१६।७	

## ४.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्नको लागि देहायानुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	स्वास्थ्य तथा पोषण	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	स्वास्थ्य संस्थामा दक्ष चिकित्सकको व्यवस्था गर्ने	१५	१५	१५	४५
२	गुणस्तरीय ल्याब तथा अल्ट्रासाउण्ड सेवा संचालन	७	२	२	११
३	स्वास्थ्य संस्थामा स्थायी दरबन्दी पूर्ति गर्ने	१८	१८	१८	५४
४	गाउँघर क्लिनिक संचालन	८	८	८	२४
५	एम्बुलेन्स सेवा संचालन	३२	२	२	३६
६	अपांगता भएका व्यक्तिहरुलाई सहायता सामग्री उपलब्ध गराउने	२	२	२	६
७	उपेक्षित उष्ण प्रदेशीय रोग पहिचान तथा निदानको लागि अभियान तथा सहयोग कार्यक्रम संचालन	१	१	१	३
८	पोषण मैत्री कार्यक्रम संचालन	१५	१५	१५	४५
९	मातृ शिशु सहयोग कार्यक्रम	५०	५०	५०	१५०
१०	महिला स्वास्थ्य शिबिर संचालन	२	२	२	६
११	सेनिटरी प्याड व्यवस्थापन कार्यक्रम	२५	२६	२७	७८
१२	आमा समुह पूनर्जागरण कार्यक्रम	१	१	१	३
१३	स्वास्थ्य संस्थामा आधारभूत तथा आकस्मिक सेवाको लागि औषधि व्यवस्थापन	१५	१७	२०	५२
१४	पूर्ण संस्थागत सुत्केरी प्रबर्धन कार्यक्रम	२	२	३	७
१५	स्वास्थ्य बीमा अनुदान कार्यक्रम	२	२	२	६
१६	पशुपंक्षीबाट हुने महामारी रोग नियन्त्रण	१	१	१	३
१७	कोभिड १९ रोग लगायत विभिन्न महामारिजन्य रोगहरुको रोकथाम र नियन्त्रण	१	१	१	३
१८	आयुर्वेद सेवा कार्यक्रम	३३	३४	३५	१०२
१९	नसर्ने रोगहरुको व्यवस्थापन	२	२	२	६
२०	स्वास्थ्य मनो परामर्श सेवा कार्यक्रम	१	१	१	३
२१	स्वास्थ्यकर्मीहरुको तलब भत्ता	१८५	१८६	१८७	५५८
२२	क्षय रोग खोज पडताल र निदान	१	१	१	३
२३	सामुदायिक डटस कार्यक्रम	०.६	०.६	०.६	२
	<b>जम्मा</b>	<b>४२०</b>	<b>३९०</b>	<b>३९७</b>	<b>१२०६</b>

## ४.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

स्वास्थ्य सेवालार्ई प्रभावकारी बनाउन पुर्वाधार तथा भौतिक संरचना सवलीकरण भएको हुनेछ । दक्ष मानवीय श्रोत परिचालन भई सेवा विस्तार भएको हुनेछ ।

स्वास्थ्य पूर्वाधार, प्रयोगशाला, औषधि र खोप व्यवस्थापन जस्ता प्राविधिक पक्षमा सरोकारवालाबीच सहकार्य र साझेदारी हुन नसकेमा महामारीले जनस्वास्थ्य तथा गाउँपालिकाबासीको सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति क्षय गर्न सक्ने जोखिम रहन सक्दछ ।

उष्ण प्रदेशिय उपेक्षित रोगहरुको पहिचान भएका व्यक्तिहरु समाजमा सम्मानपूर्वक जडिने वातावरण हुनेछ ।

### ४.३ खानेपानी तथा सरसरफाई

#### ४.३.१ पृष्ठभूमि

पालिकाको संवृद्धि आउन शुद्ध पिउने पानी तथा पूर्ण सरसफाईको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ । गैडहवा गाउँपालिकामा सबै समुदायमा पहिले देखि नै परम्परागत रूपमा हेन्ड पाइपको माध्यमबाट पिउने पानीको व्यवस्था हुँदै आएको थियो । प्राय सबै हेन्डपाइपहरु कम गहिराइका थिए । पानी परिक्षण गरेर पिउने प्रचलन पनि थिएन । आज भन्दा करिब ३० वर्ष पहिले लुम्बिनी अंचलमा ग्रामीण खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना पहिलो फेज शुरु भएपछि बिध्यमान पानीका सबै श्रोतहरुको गुणस्तर परिक्षण गरियो । पानीमा रहेका बिभिन्न कोलिफर्म तथा आर्सेनिक जांच गरी पिउन हुने/नहुने संकेत गर्यो । प्रदुषित ट्युबवेल भएको समुदायमा गहिराई भएको ट्युबवेल जडान गर्ने ब्यबस्थापन मिलाइयो । यसरी लुम्बिनी अन्चलका सबै ६ जिल्लामा पिउनेपानीको लागि फिनिस सरकारको योगदान अतुलनीय छ । त्यस्तै सरसफाईको क्षेत्रमा पहिलो पटक सौचालय बनाएर प्रयोगमा ल्याउन बिभिन्न गैरसरकारी संस्थालाई समुदाय परिचालनको जिम्मेवारी दिइयो । यसरी लुम्बिनी अन्चलका दूर दराजका गाउँ बस्तीले फिनिडा भन्ने संस्थाको योगदानलाई भुल्न सक्दैनन् । जसले शुद्ध पिउनेपानी कस्तो हुन्छ भन्ने र सौचालय बनाउने र प्रयोग गर्न अभियानको थालनी गर्यो । पछि धेरै संघ संस्थाले यो अभियानलाई पछ्याए । खानेपानी तथा सरसफाई सरकारको प्राथमिकतामा पर्यो अहिले सबै पालिकाले खुला दिसा मुक्त क्षेत्र घोषणा गरिसकेका छन् । नेपाल राष्ट्रले पनि मुलुकलाई ODF free country भनेर घोषणा गरेको ५/७ वर्ष भैसक्यो ।

गैडहवा गाउँपालिकाका सबै वडा भित्र खानेपानी तथा सरसफाईको अवस्था हेर्दा विद्यमान अबस्थामा पुराना ट्युबवेलबाट नै प्रयोग गर्ने गरेका छन् । केहि वडामा नेपाल सरकारबाट ब्यबस्थित खानेपानी तथा सरसफाईका आयोजना संचालन हुँदै छन् । यी आयोजना सम्पन्न भएपछि गुणस्तरीय खानेपानीको आपूर्तिमा कुनै सन्देह छैन । तर पनि अधिकांश समुदायमा पछौटेपन बिधमान छ । शुद्ध पानी महशुल तिरेर प्रयोग गर्नु पर्छ भन्ने तहको चेतनामा कमि छ । यस्तो system बाट आएको पानीको मिटरमा उठेको बील तिर्नुपर्ने हुन्छ । सितैमा मनलाग्दो रूपमा पानी प्रयोग गर्ने बानी परेमा हाम्रा समुदायले यो प्रणालीलाई कसरी आत्मसात गर्लान । फेरी व्यापक रूपमा स्वास्थ्य चेतना सन्दर्भमा वकालत गर्नु पर्ने छ र अभियान संचालन गर्नु पर्नेछ । पालिका यो मुद्दामा सचेत छ ।

यस गाउँपालिको मुख्य बजारहरुबाट निस्कने फोहर-मैलाहरुको केही मात्रामा ब्यवस्थापन भएको भएता पनि बढ्दो शहरीकरण र बसोबासको बृद्धिबाट श्रृजना हुने फोहरमैलाको उत्सर्जन न्यूनीकरण गर्नु पर्ने जस्ता कार्यक्रम आवश्यक देखिन्छ । प्रसोधन गर्न सकिने र घरमै ब्यवस्थापन गर्न सकिने र फोहरहरुलाई उपयोग गर्ने खालका कार्यक्रमहरुको आवश्यकता छ । गैडहवा गाउँपालिका खुल्ला दिशामुक्त क्षेत्र घोषणा भएको पालिका हो । तर पनि सबै वडामा गरेर सयौ घर अझै खुला सौच गर्न बाध्य छन् । त्यसको प्रतिकुल असर व्यक्तिको जनस्वास्थ्यमा पर्ने तथा बाताबरण प्रदुषित बन्न सहयोग पुग्दछ ।

### ४.३.२ समस्या तथा चुनौति

खानेपानी तथा सरसफाईको क्षेत्रमा महत्वपूर्ण उपलब्धी हासिल भएता पनि स्वच्छ खानेपानीमा सबैको सहज पहुँच तथा सरसफाईको क्षेत्रमा व्यवहारजन्य कमजोरीहरू सुधार हुनु आवश्यक देखिन्छ ।

स्वच्छ खानेपानीको माग बढ्दै जानु, खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी लक्ष्य हासिल गर्न पर्याप्त बजेट र कार्यक्रम तर्जुमा गर्न नसक्नु खानेपानी सरसफाई क्षेत्रका प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन् ।

### ४.३.३ सोच

**“स्वच्छ सफा खानेपानी, फोहर सून्य आनीवानी”**

### ४.३.४ उद्देश्य

- गाउँपालिकामा स्वच्छ खानेपानीमा सहज पहुँच, सरसफाइ तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन गर्नु ।
- फोहरमैलको वर्गीरण गरी उपयोग, पुन प्रयोग तथा विर्सजनको उचित व्यवस्थापन गरी वातावरणयि स्वच्छता कायम गर्ने ३ ३ विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा स्मार्ट शौचालयहरू निर्माण गर्ने ।

### ४.३.५ रणनीति

- स्वच्छ खानेपानीका लागि एक घर एक धारा सुनिश्चित गर्ने तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा समेत सर्वसुलभ खानेपानीको व्यवस्था गर्ने ।
- सवै वडाहरूमा खानेपानीको स्रोत तथा मुलहरूको पहिचान गरी संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने ।
- गरिबीको रेखामुनि रहेका र अस्थायी शौचालय प्रयोग गरेका घरपरिवारका लागि पक्की शौचालय निर्माण गर्न र सार्वजनिक स्थानहरूमा शौचालयको प्रबन्धका लागि विशेष व्यवस्था गर्ने ।

### ४.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

गाउँपालिकाको नीति, योजना तथा प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०७९/०८० को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	स्वस्थ नागरिक विकासमा खानेपानी तथा सरसफाई क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	३२%	८५%	भौतिक तथा पूर्वधार शाखा	भौतिक तथा पूर्वधार शाखा	सहयोगी निकायहरूको सहयोग निरन्तर रहने
२	<b>असर</b>						
२.१	खानेपानीको सहज व्यवस्थापनले जीविकोपार्जनमा सुधार	घरधुरी प्रतिशत	२०%	४०%	भौतिक तथा पूर्वधार शाखा	भौतिक तथा पूर्वधार शाखा	खेतीयोग्य जमिन प्रयोगमा आउने

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०७९/०८० को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
२.२	स्वास्थ्य सुधारमा खानेपानी तथा सरसफाई को योगदान पुग्ने छ	प्रतिशत	५०%	८५%	भौतिक तथा पूर्वाधार शाखा	भौतिक तथा पूर्वाधार शाखा	स्वच्छ पानी प्रयोगमा वृद्धि
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	एक घर एक धारा कार्यक्रम लागू हुने	घरधुरी प्रतिशत	१६%	८५%	भौतिक तथा पूर्वाधार शाखा	भौतिक तथा पूर्वाधार शाखा	सवै पक्षको सहयोग रहने
३.२	पूर्ण सरसफाई उन्मुख घरपरिवारमा सुधार आउने	प्रतिशत	४०%	९५%	भौतिक तथा पूर्वाधार शाखा	भौतिक तथा पूर्वाधार शाखा	सवै पक्षको सहयोग रहने
४	<b>कार्यक्रम तथा योजना</b>						
कार्यक्रमको सूची विस्तृत वजेटमा राखिएको छ ।							

### ४.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान:

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा खानेपानी सरसफाई उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	१७७	१०२३०६	७४६९४	१३४५	४१४१८	११४६९६	७४३४	
२०८१/०८२	१७७.	१०२३१	७४६९४	१३५	४१४	११५	७४३	
२०८२/०८३	१७२.	९९१४	७२६	१३१	४०२	१११	७२२	

### ४.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण:

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	खानेपानी तथा सरसफाई	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	खानेपानीको पाइप बिस्तार	१००	१००	१००	३००
२	बिध्यलाय तथा मदरसामा खानेपानीको व्यवस्थापन	५	५		१०
३	बालमैत्री शौचालन निर्माण तथा संचालन	४	४	४	१२
४	सार्वजनिक शौचालय निर्माण तथा मर्मत सम्भार	२	२	२	६
५	एक घर एक धारा कार्यक्रम	१	१	१	३

६	खानेपानीको लागि हेन्ड पम्प	२०	२०	२०	६०
७	पूर्ण सरसफाई अभियान	५	५	५	१५
८	लिफ्ट खानेपानी योजना	४०	४०	४०	१२०
	<b>जम्मा</b>	<b>१७७</b>	<b>१७७</b>	<b>१७२</b>	<b>५२६</b>

### ४.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

मध्यमकालीन खर्च संरचनामा प्रस्ताव गरे अनुसार बजेट सुनिश्चितता भई आयोजना संचालन तथा मर्मतसंभार र स्तरोन्नति भएमा खानेपानीको सेवा प्रवाहमा विस्तार तथा गुणस्तरमा सुधार आउने देखिन्छ। सुख्खा खडेरी जस्ता जलवायु परिवर्तबाट खानेपानीको स्रोत सुक्न सक्ने तथा फोहारमैलाको उचित व्यवस्थापन, प्रदूषण नियन्त्रण आदि बहुक्षेत्रगत विषय भएकोले खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्न जोखिम पर्न सक्ने हुन्छ।

### ४.४ लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण

#### ४.४.१ पृष्ठभूमि

गैडहवा गाउँपालिकाले लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणको क्षेत्रमा समानुपातिक समावेशी र न्यायोचित वातावरण तयार गर्ने उद्देश्यका साथ वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने अभ्यासलाई निरन्तरता दिइरहेको छ। गाउँपालिकाले उपप्रमुख सवल नेतृत्व विकास कार्यक्रम मार्फत् आर्थिक सशक्तीकरण अभियान आरम्भ गरेको छ।

बालबालिकाको पहुँच र क्षमता विकासका लागि छात्रवृत्ति तथा सहायक सामग्री वितरण कार्य सञ्चालन भइरहेको छ। अपांगता भएका व्यक्तिको हकहित, सामाजिक न्याय र पैरवीका लागि प्रत्येक वडामा बाल क्लब, अपांगता वडा सञ्जाल तथा गाउँस्तरमा सञ्जाल गठन गरिएको छ। दलित जनजातिहरुको उत्थानशील कार्यक्रमहरुसँगै प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने गरिएको छ।

#### ४.४.२ समस्या तथा चुनौति:

यस गाउँपालिकामा लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणमा हालका दिनमा सकारात्मक प्रयास भए तापनि लक्षित वर्गको अवस्थामा अपेक्षाकृत सुधार हुन सकेको छैन। गाउँपालिकामा महिला, बालबालिका र लक्षित वर्गमैत्री पूर्वाधार, नीति, नियम र संरचनाको कमी रहेको छ। एकल महिला, अपांगता भएका व्यक्ति, दलित, ज्येष्ठ नागरिक तथा महिलाप्रतिको सोच र व्यवहार अझ पनि सकारात्मक बन्न सकिरहेको छैन। लक्षित वर्गका महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक, अपांगता भएका व्यक्तिहरुमा हिंसाजन्य व्यवहार कायमै रहेको देखिन्छ।

लक्षित वर्गका लागि तर्जुमा गरिएका कार्यक्रमहरुबाट अपेक्षित प्रतिफलमा प्राप्त हुन भने सकेको छैन। लक्षित वर्गमा स्वरोजगारीका अवसर तथा आत्म निर्भरतामा कमी रहेको छ। पिछडिएको वर्गमा कानुन तथा अधिकार सम्बन्धमा जानकारीको कमी रहेको छ। आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्रमा लक्षित वर्गको अर्थपूर्ण सहभागितामा कमी छ भने प्रभावशाली उपस्थिति रहेको छैन।

## ४.४.३ सोच

“मानविय सम्मान र सामाजिक मर्यादा, लैङ्गिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण प्रत्याभूतिको फाइदा ”

## ४.४.४ उद्देश्य

- गाउँपालिकालाई महिला, बालबालिका, विपन्न, दलित, जनजाति, सिमान्तकृत बर्ग, ज्येष्ठ नागरिक एवम् अपांगतामैत्री प्रावधानहरू सुनिश्चित गर्दै सबै प्रकारका भौतिक पूर्वाधार संरचनाहरू तथा नीतिगत संरचनाहरूमा समावेशी नीति तयार गरी लागू गर्नु ।
- महिला, बालबालिका, विपन्न, दलित, जनजाति, सिमान्तकृत बर्ग, ज्येष्ठ नागरिक एवम् अपांगता भएका व्यक्तिहरूको आर्थिक सामाजिक अधिकार सुनिश्चित गर्दै सम्मानित जीवन यापनको आधार तयार गर्नु ।
- विभेद, हिंसा तथा कुप्रथाहरूको अन्त्य गर्नु ।

## ४.४.५ रणनीति

- गाउँपालिकालाई महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा अपांगतामैत्री गाउँपालिकाका रूपमा विकास गर्न लैङ्गिक समानतासम्बन्धी क्षेत्रगत नीति, कानून, संरचना, रणनीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने ।
- वर्तमान संरचनामा सुधार र अब निर्माण हुने सबै प्रकारका सार्वजनिक तथा ठूला व्यापारिक भवन तथा सार्वजनिक स्थलहरू महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक, तथा अपांगतामैत्री सुनिश्चित हुने गरी कार्य गर्ने नीति निर्माण गर्ने ।
- लक्षित वर्गको आर्थिक अवस्थामा सुधार गन कानुनी सचेतना, सिप विकास तथा सशक्तिकरणका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।
- समाजमा भएका सबै प्रकारका हिंसा, कुप्रथा र दुर्ब्यबहार न्यूनीकरणका लागि आवश्यक नीति तथा कार्यविधि निर्माण गर्ने ।

## ४.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य:

कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	गा.पा.को एकिकृत विकासमा महिलाहरूको योगदान रहने	प्रतिशत	३५%	४५%	महिला तथा बालबालिका शाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	महिलाहरूको आर्थिक सशक्तिकरण हुने	प्रतिशत	२०%	५०%	महिला तथा बालबालिका शाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
२.२	सामाजिक रुपमा सक्षम महिलाहरूको विकास	प्रतिशत	४०%	६०%	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						

३.१	महिला समूहहरुको उचित व्यवस्थापन	संख्या	९	४५	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	क्षमता अभिवृद्धि हुने
३.२	महिलाहरुमा नेतृत्वदायी क्षमताको विकास हुने	प्रतिशत	३५%	५०%	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	क्षमता अभिवृद्धि हुने
३.३	विकासमा महिलाहरुले पनि साझेदारी गर्ने	प्रतिशत	४०%	६०%	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	क्षमता अभिवृद्धि हुने
४	<b>कार्यक्रम तथा योजना</b>						
कार्यक्रमको सूची विस्तृत वजेटमा राखिएको छ ।							

#### ४.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान:

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा महिला, बालबालिका तथा समावेशीकरण उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	२६४	152.592	111.408	20.06	61.776	171.072	11.09	
२०८१/०८२	२६४.	152.59	111.41	20.1	61.8	171	11.1	
२०८२/०८३	२६४.	153	111	20.1	61.8	171	11.1	

#### ४.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण:

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	अपांगता भएका बालबालिकाहरुको अध्ययन लागि सहयोग	५	५	५	१५
२	महिला कानुनी साक्षरता कार्यक्रम	२	२	२	६
३	अपांगता मैत्री कक्षा व्यवस्थापन	२	२	२	६
४	महिला सिप विकास कार्यक्रम	५	५	५	१५
५	महिलाहरुको लागि लोकसेवा परिक्षा तयारी कार्यक्रम संचालन	१	१	१	३
६	महिला दलित तथा अन्य अल्पसंख्यकहरुको लागि सूचना प्रबिधि तालिम संचालन	३	३	३	९
७	महिला समुह, बाल क्लब, युवा क्लब, एकल महिला तथा अन्य सामुदायिक संस्थाहरुको गठन तथा सबलीकरण	३	३	३	९
८	महिला हिंसा बिरुद्धको अभियान संचालन	२	२	२	६
९	गर्भवती महिलासंग उपाध्यक्ष कार्यक्रम	४	४	४	१२
१०	जेष्ठ नागरिक स्वास्थ्यसंग अध्यक्ष कार्यक्रम	२	२	२	६

११	सुत्केरी पोषण कार्यक्रम	४	४	४	१२
१२	जेष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्र संचालन	१२	१२	१२	३६
१३	नागरिक आरोग्य क्लिनिक	३	३	३	९
१४	महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकालाई प्रोत्साहन तथा उमेर हद नाघेकालाई बिदाई कार्यक्रम	१५	१५	१५	४५
१५	खोप कार्यक्रमको लागि खाजा खर्च	१	१	१	३
१६	सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण	२००	२००	२००	६००
	<b>जम्मा</b>	<b>२६४</b>	<b>२६४</b>	<b>२६४</b>	<b>७९२</b>

#### ४.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान:

महिला बालबालिका तथा लक्षितबर्गका लागि प्राथमिकताका साथ बजेट विनियोजन गरी व्यवहारिक कार्यक्रम लागू भएको हुनेछ । लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण सम्बन्धी कार्यक्रम दीर्घकालीन रूपमा हरेक क्षेत्रसँग अन्तरसम्बन्धित रही कार्यान्वयन गर्नुपर्ने भएकोले सम्बन्धित निकाय तथा संरचनाको क्षमता विकास तथा प्रतिवद्धता नभएमा अपेक्षित नतिजा प्राप्त गर्न कठिन हुने जोखिम रहन सक्दछ ।

#### ४.५ युवा खेलकुद तथा कला

##### ४.५.१ पृष्ठभूमि:

गाउँपालिका भित्र साना ठूला गरी १५ भन्दा बढी खेलमैदान तथा खुला क्षेत्र रहेका छन् । यस क्षेत्र पूर्वाधार तथा अवसरका हिसाबले पनि उद्योग व्यवसाय सञ्चालन र रोजगारीको क्षेत्रमा उर्वर रहेको छ । यस गाउँपालिका क्षेत्रबाट म्याराथन, क्रिकेट, फुटबल, बक्सिङ, कराँते र भिबलका जिल्ला तथा राष्ट्रिय स्तरका खेलाडी रहेका छन् । यस गाउँमा व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन क्षेत्रमा समेत युवा सहभागिता उच्च रहेको छ ।

विद्यमान युवा जनशक्तिलाई प्राविधिक जनशक्ति, सूचना प्रविधि जस्ता क्षेत्रसँग जोडेर आर्थिक विकास र सामाजिक रूपान्तरणको संवाहकका रूपमा स्थापित गर्ने अवसर गाउँपालिकासँग रहेको देखिन्छ ।

##### ४.५.२ समस्या तथा चुनौति:

युवाहरुमा स्वदेशमा रोजगारी र पेशा व्यवसाय गरी आय आर्जन गर्ने भन्दा वैदेशिक रोजगारीमा जाने आकर्षण बढी हुनु युवाका मुख्य समस्याहरु हुन् । गैडहवा मा दक्ष तथा अर्धदक्ष सबै प्रकारका कामदारका दृष्टिले श्रमिक अपुग (लेबर डेफिसिट) भएपनि युवा भावना र चाहना बमोजिमको स्वरोजगारीका अवसरमा कमी रहेको छ । युवालाई आफ्नै ठाउँमा स्वरोजगार बनाउन चुनौति रहेको छ ।

##### ४.५.३ सोच

**“व्यवसायिक तथा स्वरोजगार युवा मार्फत सर्वाङ्गीण विकास”**

##### ४.५.४ उद्देश्य

- युवालाई उद्यमशील, सृजनशील र जिम्मेवार नागरिक बन्ने वातावरण निर्माण गर्नु ।
- युवा जनशक्तिलाई प्राविधिक शिक्षातर्फ आकर्षण गर्नु ।

## ४.५.५ रणनीति

- युवाहरूलाई नवीनतम र सिर्जनात्मक गतिविधिहरूमा अद्यावधिक बनाई राख्ने ।
- खेल लगायत वौद्धिक कृयाकलापमा युवा सहभागिता बृद्धि गर्ने ।
- युवाहरूमा सिर्जनशीलता, उद्यमशीलता र नेतृत्व विकासकालागि नियमित कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।

## ४.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्रसं	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	बालबालिकाहरूका हक अधिकार सुनिश्चित हुने	प्रतिशत	६५%	९५%	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	बालमैत्री स्थानीय शासन कायम हुने	सख्या	०	९ वडाहरु	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
२.२	हिसामुक्त वातावरणमा बालबालिकाको विकास हुने	प्रतिशत	८०%	९५%	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	बाल विकासको पक्षमा बजेट परिचालन	प्रतिशत	५%	१०%	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
३.२	बालबालिकाहरूको पढाइमा गुणस्तरता	प्रतिशत	४०%	७०%	महिला तथा बालबालिका उपशाखा	गाउँपालिका	सरोकारवाला पक्षको सहयोग हुने
४	<b>कार्यक्रम तथा योजना</b>						
कार्यक्रमको सूची विस्तृत बजेटमा राखिएको छ ।							

## ४.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान:

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा युवा तथा खेलकुद उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट श्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	१०	५।७८	४।२२	०।७६	२।३४	६।४८	०।४२	
२०८१/०८२	१०.	५।७८	४।२२	०।७६	२।३४	६।४८	०।४२	
२०८२/०८३	१०.	५।७८	४।२२	०।७६	२।३४	६।४८	०।४२	

#### ४.५.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	युवा, खेलकुद तथा कला	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	युवाहरुलाई खेलकुद प्रशिक्षण कार्यक्रम (फूटबल, क्रिकेट, मार्शल आर्ट)	२	२	२	६
२	युवाहरुलाई नेतृत्व बिकास तालिम	२	२	२	६
३	युवाहरुको लागि परम्परागत संस्कृति तथा कला सम्बन्धि प्रशिक्षण तथा सहयोग	२	२	२	६
४	युवाहरुलाई क्रिकेट प्रशिक्षण	३	३	३	९
५	राष्ट्रपति रनिंग शिल्ड प्रतियोगिता	१	१	१	३
	<b>जम्मा</b>	<b>१०</b>	<b>१०</b>	<b>१०</b>	<b>३०</b>

#### ४.५.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

युवाहरुलाई प्राविधिक शिक्षा बारे जानकारी, खेलकुद तथा बौद्धिक कृयाकलाप सम्बन्धी कार्यक्रम मार्फत उनीहरुको श्रृजनशिलता तथा उद्यमशिलता प्रति आकर्षण बढेको हुनेछ । तर बजेटको यथोचित व्यवस्था, यससँग सम्बन्धित जनशक्ति व्यवस्थापन र युवाहरुलाई प्रोत्साहन नभएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहन सक्छ

## परिच्छेद-५

### पूर्वाधार विकास क्षेत्र

यस क्षेत्र अन्तर्गत आवास, भवन तथा बस्ति विकास, सडक, पुल तथा यातायात, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा, सूचना, सञ्चार तथा विद्युतीय सुशासन लगायतका उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चूनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ ।

### ५.१ बस्ति, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

#### ५.१.१ पृष्ठभूमि

आवास मानवीय जीवनको आधारभूत आवश्यकतामा पर्दछ । संविधानले आवासलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले सुरक्षित बस्ती विकास, भवन मापदण्ड तथा नियमन जस्ता कायहरू स्थानीय तहको जिम्मेवारीमा सुम्पेका छ । यस गाउँपालिकामा रहेका घरधुरी मध्ये ५६ प्रतिशत घरहरू पक्की सिमेन्टका, ११ प्रतिशत घरहरू टायलका छाना भएका, १६ प्रतिशत घर कच्ची टिनको छाना भएका र बाँकि १७ प्रतिशत कच्ची फुस वा खरको छाना भएका छन् ।

#### ५.१.२ समस्या तथा चूनौति

गाउँपालिकाले भूउपयोग क्षेत्र निर्धारण गर्ने कार्य हालसम्म सम्पन्न गरेको छैन । यसले गर्दा भवन निर्माण मापदण्डको पालना र व्यवस्थित एवम् सुरक्षित बस्ती विकास कार्य चुनौतिपूर्ण बन्न गएको छ । राष्ट्रिय भूउपयोग नीति २०७२ अनुसार भूउपयोग योजना र क्षेत्र निर्धारण गरी सोअनुसार बस्ती विकास तथा भौतिक विकास योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनका लागि आवश्यक नीतिगत, कानुनी, प्रक्रियागत र प्राविधिक ढाँचा तयार हुन सकेको छैन ।

गाउँपालिकाको प्रशासनिक भवन, वडा कार्यालय भवन, सभा हलको राम्रो ब्यवस्था रहेको छ । कार्यालय परिसरमा सामान्य हरियाली, गाडी पाकीडू, कान्तीन लगायतका भौतिक पूर्वाधारहरूको ब्यवस्थापन रहेको छ । तर समग्र बजार क्षेत्रमा शहरीकरणको अनुपातमा आवश्यक भौतिक पूर्वाधारहरूको विकास न्यून रहेको छ ।

#### ५.१.३ सोच

“भूउपयोग योजना सहितको दिगो पुर्वाधार, गाउँवासीको जीवनस्तरमा सुधार”

#### ५.१.४ उद्देश्य

- विद्यमान भवन निर्माण मापदण्डलाई समयसापेक्ष परिमार्जन तथा त्यसको कार्यान्वयन गरी भवन निर्माण तथा बस्ती विकासलाई व्यवस्थित तथा सुरक्षित गर्नु ।
- सडक, पार्क, मनोरञ्जल स्थल जस्ता आधारभूत शहरी पूर्वाधारहरूको ब्यवस्थापन गर्नु ।

#### ५.१.५ रणनीति

- भू-उपयोग नीति तथा योजनाको कार्यान्वयन गर्नु ।
- व्यवसायिक तथा आवासीय भौतिक संरचना र पूर्वाधार निर्माणमा विपद् जोखिम प्रतिरोधात्मक उपाय अवलम्बन प्रोत्साहन गर्नु ।
- भवन, आवास तथा बस्ती विकास मापदण्डलाई कार्यान्वयन तहमा पुऱ्याई व्यवस्थित बस्ती विकासको सहज वातावरण तयार गर्नु ।

## ५.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यान्वयनबाट आगामी तीन आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुने अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार गरिएको मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्रसं	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	वस्ति विकास वैज्ञानिक प्रणाली लागू	प्रतिशत	२	१०	भवन उपशाखा	गाउँ पालिका	सरकारको सहयोग हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	भूमिहिनहरुको अधिकार सुरक्षित हुने	प्रतिशत	१०	८०	भवन उपशाखा	गाउँ पालिका	सवैको सहयोग हुने
२.२	सवै खेतीयोग्य जमिनमा खेती हुने	प्रतिशत	२०	६०	भवन उपशाखा	गा.पा. कृषि शाखा	कृषकको साथ रहने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	जग्गा खण्डीकरण रोकिने	प्रतिशत	०%	२०%	पालिका	गाउँ पालिका	जनताको साथ रहने
३.२	सुरक्षित आवास क्षेत्रको व्यवस्थापन	संख्या	०	३०	वार्ड कार्यालय	गाउँ पालिका	सरोकारवाला को साथ
३.३	मापदण्ड अनुरूपका घर निर्माण	प्रतिशत	२	७०	भवन उपशाखा	गाउँ पालिका	
३.४	सुरक्षित आवास निर्माण ( फुस छाना रहितको घर निर्माण)	प्रतिशत	८०	९४	भवन उपशाखा	गाउँ पालिका	

## ५.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान:

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा बस्ति, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माणउप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	६६७	३८५।५२६	२८१।४७४	५०।६९	१५६।०८	४३।२९६	२८।०९	
२०८१/०८२	६५५	३७८।५९	२७६।४९	४९।८	१५३	४२४	२७।५	
२०८२/०८३	५९६	३४४	२५२	४५।३	१३९	३८६	२५	

## ५.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण:

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	बस्ति, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	बिद्यालय तथा मदरसा भवन निर्माण	५०	५०		१००
२	शौचालय निर्माण	८	८	८	२४
३	स्वास्थ्य चौकी भवन तथा थप कोठा निर्माण	१०			१०
४	कम्पाउण्ड वाल र ग्राउण्डनिर्माण हे पो	१५	१५	१५	४५
५	प्लेसेन्ता पिट निर्माण हे पो मा	२	२	२	६
६	वडा कार्यालय भवन निर्माण	१३०	१३०	१३०	३९०
७	मा बि मा तारबार	१०	१०	१०	३०
८	मा बि मा कक्षा कोठा थप	५	५	५	१५
९	फुसको छाना विस्थापन कार्यक्रम	४२	५	५	५२
१०	बर्थिंग सेन्टर निर्माण कार्यक्रम	१५	१५	४५	७५
११	शित भण्डार निर्माण	१०	५०	४०	१००
१२	अस्पताल भवन निर्माण	३००	३००	३००	९००
१३	सामुदायिक भवन निर्माण	१५	१५	१५	४५
१४	जोगडाको हाटबजार व्यवस्थापन	१५	१०	१	२६
१५	व्यवसायिक भवन निर्माण (जोगडा)	२०	२०		४०
१६	पालिका स्तरिय रंगशाला निर्माण	२०	२०	२०	६०
	जम्मा	६६७	६५५	५९६	१९१८

## ५.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकामा आवाशीय तथा ब्यवसायिक भवनको मापदण्ड तयार भै यसको कार्यान्वयनबाट भूउपयोग, आवास, वस्ती विकास तथा भवन निर्माण सम्बन्धी मापदण्डको परिपालनामा अभिवृद्धि हुनेछ । शहरीकरणका कारण फोहोरमैलाको विसर्जन अव्यवस्थित हुने र वातावरणीय प्रदुषण वृद्धि हुने जोखिम हुन सक्छ । जनचेतनाको स्तर न्यून रहेको र विगत देखिनै प्रभावकारी कार्यान्वयनमा आउन नसकेको कारण बस्ती विकास तथा भवन निर्माण समबन्धी मापदण्डको कार्यान्वयन चुनौतीपूर्ण देखिन्छ ।

## ५.२ सडक पुल तथा यातायात

### ५.२.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकाको पूर्वी भागवाट उत्तर दक्षिण गएको सडकले सैनामैनाको रामपुर र लुम्बिनी सांस्कृतिक नगरपालिकाको पर्सा चोकलाई जोड्दछ। वडा नं. १ को लोडिहवा चोक देखि उत्तर रुद्रपुर हुँदै फायरलाइन सम्म पुगेर पूर्व पश्चिम लोक मार्ग भेट्न सकिन्छ। वडा नं. ६ को सूर्यपुरा देखि पूर्व दानव नदीको पुल पार गरे पछि सुद्धोधन गाउँपालिकाको सीमा प्रारम्भ हुन्छ। यी मार्गले कुनै न कुनै हिसाबले सवै वडा कार्यालय र वस्तीहरुमा पुग्ने सडकहरुलाई संयोजन गरेको छ। गाउँपालिका भित्र, अन्य गाउँपालिका तथा जिल्लाहरुमा सडक संजाल फैलिएको छ। हाल यस गाउँपालिकामा कालोपत्रे सडक २१.२७५ कि.मि., पि.सि.सि. सडक १५.६६६ कि.मि, ग्राभेल सडक ३९.२०९५ कि.मि, नयाँ सडक ८.३०६ कि.मि गरी कुल ८४.५५६५७ कि.मि सडक रहेको च। रामापुर-लुम्बिनी सडक आसपासका क्षेत्रहरुमा सार्वजनिक बस तथा अटो रिक्सा, अन्य सवारी साधनको संख्या बढ्दै गए पनि ती साधनका लागि आवश्यक बसपार्क तथा निजी तथा साना सार्वजनिक गाडीहरुका लागि सवारी पार्किङ स्थलहरु र यात्रु प्रतिकूलयहरुको अभाव छ। सवारी संकेतहरु तथा सार्वजनिक यातायातका साधनहरुको सूचना देखिदैनन।

### ५.२.२ समस्या तथा चुनौति

गाउँपालिका भित्रका बजार र आवास क्षेत्रमा निर्माण भएका सडकहरुमा सडक नालीको संरचना नभएकोलेले वर्षेनी सडक विग्रदै जाने र मर्मत तथा स्तर उन्नतीमा खर्च बढ्ने देखिन्छ। त्यसैले नियमित मर्मत सम्भारको उचित प्रवन्ध गर्नुपर्ने देखिएको छ। गाउँपालिकाले हाल सम्म सडक अधिकार क्षेत्र तय गरेको छैन। मुख्य सडक र भित्रि सडकहरुका सडक अधिकार क्षेत्र निर्धारण गरी कार्यान्वयन गर्नु आवश्यक भएको छ।

बजार तथा ग्रामिण क्षेत्रमा पक्की, ग्राभेल र कच्ची सडकहरुमा विभिन्न स्थानमा खाल्डाखुल्डी रहेको र आवश्यक स्थानहरुमा पुल तथा कल्भर्टको व्यवस्था हुन सकेको छैन। सडक निर्माण तथा यातायात सञ्चालनमा वातावरणीय पक्ष, गुणस्तर र मापदण्डको पालना हुन सकेको छैन। वातावरणीय संरक्षणको उपाय अवलम्बन र आर्थिक तथा सामाजिक विश्लेषणबिना सडक निर्माण गर्ने क्रम बढ्दै गएको कारण यस उपक्षेत्रमा गरिने लगानी अनुसारको प्रतिफल सुनिश्चित गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण छ।

### ५.२.३ सोच

“वातावरणमैत्री र दिगो सडक पूर्वाधार, गुणस्तरीय सञ्जाल”

### ५.२.४ उद्देश्य

- गुणस्तरीय सडक पूर्वाधार निर्माण गर्नु।
- एकीकृत शहरी विकास तथा ग्रामिण यातायात पूर्वाधार योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु।

### ५.२.५ रणनीति

- पूर्वाधार निर्माणका लागि प्रदेश, संघ तथा विकास साझेदारहरूसँग समन्वय तथा सहकार्य गर्ने।
- छिमेकी स्थानीय सरकारहरूसँग सहकार्य गर्ने।
- वातावरणमैत्री दिगो यातायात प्रणालीको विकास गर्ने।

## ५.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाबाट आगामी तीन आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुन सक्ने अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र. सं.	प्रमुख नतिजा	एका ई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचना को स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
	एकिकृत विकासमा सडक सञ्जालको योगदान	प्रतिशत	४०%	८०%	पूर्वाधार विकास शाखा	गाउँपालिका	वातावरणीय मापनको आधारमा विकास हुने छ
२	<b>असर</b>						
२.१	समुदायले सडक सञ्जाल मार्फत आयआर्जनमा वृद्धि गर्ने	प्रतिशत	४०%	६०%	पूर्वाधार विकास शाखा	गाउँपालिका	समुदायको साथ रहने छ
२.२	सडक सञ्जालका कारण स्वास्थ्य, शिक्षा, जीविकोपार्जन का अवसरमा वृद्धि हुने	प्रतिशत	३०%	६०%	पूर्वाधार विकास शाखा	गाउँपालिका	समुदायको साथ रहने छ
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	वातावरणीय संरक्षण र गुणस्तरता सहित सडक सञ्जाल विस्तार हुने	प्रतिशत	३०	५०	पूर्वाधार विकास शाखा	गाउँपालिका	समुदायको सहयोग रहने छ
३.२	निर्मित सडकहरूमा गुणस्तरता वृद्धि हुने	प्रतिशत	२०	५०	पूर्वाधार विकास शाखा	गाउँपालिका	समुदायको सहयोग रहने छ
३.३	सडक निर्माणसँगै ट्राफिक सचेतनामा वृद्धि हुने छ	प्रतिशत	५०	८०	पूर्वाधार विकास शाखा	गाउँपालिका जिल्ला ट्राफिक कार्यालय लगायत सरोकारवाला निकाय	समुदायको सहयोग रहने छ

### ५.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा सडक, पुल तथा यातायात उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	३९३	२२७१५४	१६५१८४६	२९१८७	९१९६२	२५४१६६४	१६१५१	
२०८१/०८२	७१३.	४१२११	३००१८९	५४१२	१६७	४६२	२९१९	
२०८२/०८३	७०७.	४०९	२९८	५३१७	१६५	४५८	२९१७	

### ५.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	सडक पुल तथा यातायात	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	कल्भर्ट निर्माण	४०	४०	४०	१२०
२	पक्कै सडक निर्माण	२०	२०	२०	६०
३	ग्राबेल सडक निर्माण	१०	१०	१०	३०
४	झोलुंगे पुल निर्माण			२८	२८
५	सडक निर्माण तथा बिस्तार	२००	५००	५००	१२००
६	पक्कै पुल निर्माण	५	२०		२५
७	सडक मर्मत	१००	१००	१००	३००
८	यात्रु प्रतिकालय	६	६	६	१८
९	सडक दूर्घटना प्रति सचेतना	२	२	२	६
१०	बस पार्क निर्माण तथा संचालन	१०	१५	१	२६
	<b>जम्मा</b>	<b>३९३</b>	<b>७१३</b>	<b>७०७</b>	<b>१८१३</b>

### ५.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

तीन तहको सरकारबीच नीति, कार्यक्रमको अन्तरसम्बन्ध, समन्वय र सहकार्यमा आयोजना कार्यक्रम छनौट र कार्यान्वयन हुन सक्नेछ । गाउँपालिकाले विस्तृत आयोजना प्रस्ताव तयार भएका, क्रमागत, बहुवर्षीय, कार्यान्वयनका लागि तयार भएका आयोजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गरेको हुनेछ ।

सडक पुर्वाधार विशिष्ट आयोजना हुने भएकोले दक्ष प्राविधिकबाट विस्तृत संभाव्यता तथा वातावरणीय अध्ययन हुन नसकेमा तथा आयोजना प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्न नसकिने जोखिम रहन्छ ।

## ५.३ बिद्युत तथा बैकल्पिक उर्जा

### ५.३.१ पृष्ठभूमि

सबै किसिमका विकास निर्माण, उद्यम व्यवसाय स्थापना र विस्तारमा उर्जाको महत्वपूर्ण स्थान रहन्छ । यस गाउँपालिकामा उर्जाका स्रोतहरूमा राष्ट्रिय प्रशारणबाट प्राप्त विद्युत, वायोग्यास, सौर उर्जा, दाउरा, गुइठा आदि रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा लगभग ९५ प्रतिशतले विद्युत तथा सोलारबाट बत्ती र अन्य काममा उर्जाको प्रयोग गरेका छन् भने अझै पनि लगभग ५ प्रतिशत परिवारमा विद्युत जडान गर्नु पर्ने देखिन्छ । यस गाउँपालिकामा अधिकाँश घरहरूले प्रकाशका लागि विद्युत र सोलार प्रयोग गरेपनि खाना पकाउन प्रयोग गरिने ईन्धनमा दाउराको हिस्सा सबैभन्दा बढी ४६.५ प्रतिशत रहेका छ । खाना पकाउनका लागि इन्धनका रूपमा दाउरा पछि एल.पी. ग्यास प्रयोग गर्ने २६ प्रतिशत, गुइठा ९.३ प्रतिशत बायोग्यास र सुधारिएको धुंवारहित चुल्हा प्रयोग गर्ने घर परिवार संख्या २.५ प्रतिशत रहेका छ ।

### ५.३.२ समस्या तथा चुनौति

- बिद्युत आपूर्ति नियमित नहुनु
- सोलार उर्जा तुलनात्मक रूपमा महँगा पर्नु र सम्बन्धी प्राविधिकको कमी हुनु
- आर्थिक क्रियाकलापसंग विद्युतलाइ जोडन नसकिनु

### ५.३.३ सोच

“भरपर्दो र स्वस्थ उर्जाको उपलब्धता र ब्यवसायिक उपयोग”

### ५.३.४ उद्देश्य

- विद्युत तथा स्वस्थ उर्जा खपत बृद्धिगर्नु ।
- विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा वितरण प्रणाली सुदृढीकरण गर्दै विद्युत् खपत बढाउने र खनिज इन्धनमाथिको निर्भरता कम गर्नु ।

### ५.३.५ रणनीति

- विद्युत उपयोग सम्बन्धी नियमित जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने ।
- विद्युत खपत तथा ब्यवस्थापन तथा सुहलियत सम्बन्धी नीति तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने ।
- हरित र स्वच्छ ऊर्जा (विद्युत) खपत बढाउने र खनिज इन्धनमाथिको निर्भरता कम गर्ने ।

### ५.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाबाट आगामी तीन आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुन सक्ने अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	प्रभाव						

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा विद्युत क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	३०	४५	पूर्वाधार शाखा	गाउँपालिका तथा विद्युत प्राधिकरण शाखा कार्यालयहरु	राष्ट्रिय प्रसारण लाईन विस्तार हुने छ ।
<b>२</b>	<b>असर</b>						
२.१	विद्युतमा आधारित साना उद्योगहरु मार्फत आम्दानीमा वृद्धि हुने	प्रतिशत	२०	३५	पूर्वाधार शाखा	गाउँपालिका तथा विद्युत प्राधिकरण शाखा कार्यालयहरु	राष्ट्रिय प्रसारण लाईन विस्तार हुने छ ।
२.२	बिद्युत उपभोग मार्फत स्वस्थ्य, शिक्षा सुधारमा योगदान पुग्ने	प्रतिशत	२०	६०	पूर्वाधार शाखा	गाउँपालिका तथा शैक्षिक संस्थाहरु	राष्ट्रिय प्रसारण लाईन विस्तार हुने छ ।
<b>३</b>	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	वैकल्पिक र अन्य विद्युत प्रयोग गर्ने घरधुरीहरुमा वृद्धि	प्रतिशत	५	१०	पूर्वाधार शाखा	गाउँपालिका तथा सशर्त अनुदानका लागि उर्जा	विद्युत खपत गर्ने क्षमताको विकास हुने
३.२	विद्युतमा आधारित रोजगारीका अवसरमा वृद्धि	प्रतिशत	३०	५०	गाउँपालिका	गाउँपालिका	यातायातको सहज सुविधा भएको ह
३.३	स्वास्थ्य, शिक्षा क्षेत्रमा विद्युतीय उपकरणको प्रयोग	प्रतिशत	१०	४०	गाउँपालिका	गाउँपालिका	
<b>४</b>	<b>कार्यक्रम तथा योजना</b>						

#### ५.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा विद्युत तथा उर्जा उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत छ ।

आर्थिक बर्ष {	बजेट अनुमान				बजेट श्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	१३	7.514	5.486	0.988	3.042	8.424	0.546	
२०८१/०८२	१३.	7.514	5.486	0.99	3.04	8.42	0.55	
२०८२/०८३	१३.	7.51	5.49	0.99	3.04	8.42	0.55	

### ५.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	बिधुत तथा बैकल्पिक उर्जा	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	बिद्युत तार पोल विस्तार	१०	१०	१०	३०
२	सडक सौर्य बत्ति संचालन	३	३	३	९
	<b>जम्मा</b>	<b>१३</b>	<b>१३</b>	<b>१३</b>	<b>३९</b>

### ५.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जाको प्रयोगबाट उद्यम, ब्यवसाय सहज वृद्धि गर्न सकिने । विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जाको संरचनाबाट सावधानी अपनाउन नसकेमा दुर्घटनाको जोखिम रहन सक्छ ।

### ५.४ सूचना संचार तथा प्रविधि

#### ५.४.१ पृष्ठभूमि

सूचना तथा सञ्चार प्रविधि सामाजिक तथा आर्थिक विकासका संवाहक हो । नेपालको संविधानले सूचनाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा व्यवस्थित गरेको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले सूचना प्रविधिको प्रयोग, विद्युतीय शासन, एफ.एम रेडियो संचालन, स्थानीय पत्रपत्रिका आदि जस्ता विषयहरू स्थानीय सरकारको कार्य जिम्मेवारी भित्र तोकेका छ । यस गाउँपालिकामा ३५ प्रतिशत घरपरिवारका मोवाइल सेवामा, २५ प्रतिशतसँग टेलिभिजन, ३५ प्रतिशतसंग रेडियो, १२ प्रतिशतसंग इन्टरनेट र कम्प्युटर सुविधाको पहुँच रहेको छ । यस गाउँपालिका मा सञ्चारको लागि नेपाल टेलिकम र एनसेल फोनका टावरहरू रहेका छन । लगभग सबैजसो स्थानमा टेलिफोनको पहुँच छ । त्यस्तै रेडियोको प्रशारण सबै स्थानहरूमा तथा टेलिभिजनको पहुँच अधिकांश स्थानहरूमा रहेको छ ।

#### ५.४.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाका सेवाहरू डिजिटल प्रणालीबाट प्रवाह भइ थप छिटो छरितो र सुरक्षित भएको हुनेछ । जनचेतनाको कमीले गर्दा सेवाग्राहीले सेवा लिँदा झमेला ब्यहोर्न सक्ने जोखिम रहन सक्छ । सूचना तथा सञ्चार माध्यम खर्चिलो भएको र दक्ष मानविय श्रोत आवश्यक पर्ने भएकोले विश्वसनीय र जवाफदेही बनाउँदै गुणस्तरीय सेवा प्रवाहका लागि निरन्तर अद्यावधिक गर्नुपर्ने चुनौति रहेका छन् ।

#### ५.४.३ सोच

“हातहातमा सूचना छिनभरमा सेवा, सवैको विश्वास विद्युतीय सुशासन”

#### ५.४.४ उद्देश्य

- गाउँपालिकाको सूचना तथा सञ्चार प्रणालीलाई दिगो र सवल बनाउनु ।
- सूचना प्रविधि सहितको सेवा प्रणालीलाई सेवाग्राही मैत्री बनाई सुरक्षित, भरपदरि र आकर्षक क्षेत्रका रूपमा विकास गर्नु ।

#### ५.४.५ रणनीति

- गाउँपालिकाको शासन सञ्चालन, सेवा प्रवाह र विकास कार्यमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको उच्चतम प्रयोग गर्ने,

- गाउँपालिकाको सूचना सार्वजनिकीकरण, आर्थिक गतिविधि र बोलपत्र आव्हानमा आधुनिक सञ्चार प्रविधि प्रयोगमा जोड दिने,
- युवा लक्षित सूचना प्रविधिमा आधारित उद्यम व्यवसायको प्रवर्द्धन गरी गुणस्तरीय रोजगारीको वृद्धि गर्ने ।

#### ५.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यान्वयनबाट आगामी तीन आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुन सक्ने अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सञ्चार क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	१५	३०	IT इकाई	पूर्वाधार शाखा	सरोकारवालाको सहयोग हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	समुदायमा सञ्चार सुविधामा गुणस्तरता आउने छ	प्रतिशत	१५	४०	IT इकाई	पूर्वाधार शाखा / नेपाल टेलिकम	समुदाय सचेत भएको हुने छ
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	सञ्चार सेवा प्रदायक कम्पनीले सेवा विस्तार गर्ने	संख्या	५	१०	IT इकाई	पूर्वाधार शाखा / नेपाल टेलिकम तथा अन्य सेवा प्रदायक कम्पनि	समुदाय सचेत भएको हुने छ
३.२	नयाँ प्रविधियुक्त सेवा जडान हुने	संख्या	२	५	IT इकाई	पूर्वाधार शाखा	समुदाय सचेत भएको हुने छ
३.३	प्रबिधिमैत्री सेवा प्रवाह	प्रतिशत	१०	५०	IT इकाई	पूर्वाधार शाखा	समुदाय सचेत भएको हुने छ
३.४	प्रविधि उपयोग द्वारा आय आर्जन र जीवनस्तर सुधारमा सहभागिता	प्रतिशत	५	३०	IT इकाई	पूर्वाधार शाखा / नेपाल टेलिकम तथा अन्य सेवा प्रदायक कम्पनि	समुदाय सचेत भएको हुने छ
४	<b>कार्यक्रम तथा योजना</b>						

क्र.सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
कार्यक्रमको सूची विस्तृत वजेटमा राखिएको छ ।							

#### ५.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा सूचना तथा सञ्चार उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष {	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	३५	२०२३	१४१७७	२६६	८१९	२२६८	१४७	
२०८१/०८२	३५	२०२३	१४१७७	२६६	८१९	२२१७	१४७	
२०८२/०८३	३५	२०१२	१४१८	२६६	८१९	२२१७	१४७	

#### ५.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	सूचना संचार तथा प्रबिधि	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	फाइबर टेलिफोन विस्तार	२०	२०	२०	६०
२	फ्री वाइफाई जोन स्थापना	५	५	५	१५
३	युवाहरुलाई प्रबिधि सम्बन्धि तालिम तथा लगानी सहयोग	१०	१०	१०	३०
<b>जम्मा</b>		<b>३५</b>	<b>३५</b>	<b>३५</b>	<b>१०५</b>

#### ५.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

सूचना प्रविधिको उपयोगबाट सेवा प्रवाहमा थप प्रभावकारिता ल्याउन सकिनेछ । प्रविधि खर्चिलो र दक्ष मानविय स्रोतको आवश्यक पर्ने भएको तथा साइबर सुरक्षाको दृष्टिकोणले सूचना तथा दस्तावेजहरु असुरक्षित हुने तथा अनधिकृत प्रसारण तथा सम्प्रेषण हुने जोखिम रहन सक्छ ।

## परिच्छेद ६

### वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन क्षेत्र

यस परिच्छेद अन्तर्गत वन तथा भूसंरक्षण, वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन र विपद् जोखिम व्यवस्थापन लगायतका उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ ।

### ६.१ बन तथा जैविक विविधता

#### ६.१.१ पृष्ठभूमि

प्रकृतिमा वातावरण सन्तुलन राख्दै सम्पूर्ण प्राणी जगतका लागि आवश्यक पर्ने अक्सिजन प्राप्त गर्ने माध्यम भनेको वोट विरुवा नै हो । अर्को तर्फ प्राणीले स्वास फेर्दा फ्याक्ने कार्बनडाइअक्साइडको व्यवस्थापन गर्ने पनि वोट विरुवा नै भएको हुँदा वन तथा वातावरण व्यवस्थापन मानव जीवनको अस्तित्वसँग जोडिएको छ । वन तथा वातावरण व्यवस्थापन प्रत्यक्ष मानव स्वास्थ्यसँग जोडिएको विषय हो भने यसको संरक्षण एवम् प्रवर्द्धन गर्नु राज्यका तीन वटै तह संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको जिम्मेवारी हो । वन तथा वातावरण संरक्षण तथा प्रवर्द्धन भन्नाले वृक्षारोपण, वन संरक्षण र ध्वनी, जल, जमिन र वायुसँग सम्बन्धित प्रदुषणको रोकथामलाई बुझिन्छ । स्थानीय स्तरमा वातावरणको संरक्षण एवम् प्रवर्द्धन गर्नु भन्नाले वातावरणीय विषयमा सचेतनामुलक क्रियाकलाप संचालन गर्नु, सरसफाई एवम् फोहोरमैला व्यवस्थापन, प्रदुषण नियन्त्रण, नदी/तलाउको किनार सफा, जङ्गलमा आगलागीबाट रोकथाम जस्ता कुराहरू बुझिन्छ । दिगो विकासको लक्ष्य नं. १५ मा भू-सतही भुपरिधि स्तरीय पारिस्थितीकीय प्रणालीको दिगो उपयोग, रक्षा र पुनस्थापना गर्ने, वनको दिगोरूपमा व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमिकरण विरुद्ध लड्ने र जमिनको क्षयीकरण रोकनुका साथै यसलाई उल्टयाउने तथा जैविक विविधताको क्षति रोक्ने गरी कार्ययोजना बनाउन सुझाव दिइएको छ । यसको साथै विपदको पूर्वतयारी, विपदको अबस्थामा प्रतिकार्य र पुनर्स्थापना द्वारा समुन्नत समाजको निर्माण गर्न थप प्रयत्न जरुरी रहेको छ ।

#### ६.१.२ समस्या तथा चुनौति

- डढेलो प्रकोप रहेको ।
- बन विनास भए अनुरूप वृक्षारोपण नभएको ।
- बनजन्य उत्पादन तथा जडीबुटीहरूको सदुपयोग नभएको ।
- बनमा तारबार तथा नियन्त्रण प्रभावकारी नहुँदा चोरी तथा नोक्सानी हुने गरेको ।
- वनको अतिक्रमण हुने गरेको ।
- नदि कटान, वन बिनास, चोरी निकासी, वन्यजन्तुको चोरी शिकारी हुने गरेको ।
- सिमसार क्षेत्रको संरक्षण हुन् नसकेको ।
- जलवायु समानुकूलित खेति प्रणालीको विकास नहुनु ।

#### ६.१.३ सोच

“स्वच्छ तथा सन्तुलित पर्यावरण”

#### ६.१.४ उद्देश्य

- गाउँपालिका क्षेत्रमा हरियाली प्रवर्द्धन गरी वातावरणीय स्वच्छता कायम गर्नु ।

## ६.१.५ रणनीति

- वातावरणलाई संरक्षणका लागि सार्वजनिक पोखरी, तालतलैया तथा प्राकृतिक श्रोतलाई उत्पादनमुखी व्यवस्थापनमा रूपान्तरण गर्ने ।
- वन, वृक्षरोपण र वागवानीमा वृद्धि गर्दै उद्यमशीलता र रोजगारी वृद्धि गर्ने ।
- निलगाई तथा छाडा पशुहरुको वासस्थान तथा चरणक्षेत्रहरुमा तारवार गरी नियन्त्रण तथा संरक्षण गर्ने ।

## ६.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र. सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
	एकिकृत विकासमा वन तथा वातावरण क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	३	१०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	सामुदायिक वन सम्बन्धि कानूनको प्रभावकारी कार्यान्वयन भएमा
	स्वच्छा र सफा घर	प्रतिशत	२०	८०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	
२	<b>असर</b>						
२.१	जलवायु अनुकूलित कृषि प्रणालीको विकास भएको हुने	प्रतिशत	५	२०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	जलवायु उल्थाशील योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन
	श्वाश प्रस्वास सम्बन्धि रोगहरुमा कमि	प्रतिशत	३०	१२	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	वन तथा हरियाली क्षेत्र वृद्धि भएको हुने	प्रतिशत	१०	१५	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका, वन तथा वातावरण समिति	खोला किनार, नदि उकास तथा खालि जग्गामा वृक्षारोपणको लागि समुदायको सहयोग भएमा

क्र. सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
३.२	जलचर प्राणी र सिमसार क्षेत्र को विकास भएको हुने	प्रतिशत	५	१५	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका, वन तथा वातावरण समिति	कानूनको कार्यन्वयन तथा समुदायको सहयोग भएमा
	वडास्तरीय जलवायु उत्थानशील योजना निर्माण	संख्या	०	९	वडा कार्यालय	गा.पा.	

#### ४. कार्यक्रम तथा योजना

#### ६.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा वन तथा भूसंरक्षण उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	२७	१५६०६	११३९४	२०५२	६३९८	१७४९६	११३४	
२०८१/०८२	४२	२४२७६	१७७२४	३१९	९८३	२७२	११७६	
२०८२/०८३	४२	२४३	१७७	३१९	९८३	२७२	११७६	

#### ६.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	बन तथा जैविक विविधता	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा बजेट
१	बृक्षारोपण कार्यक्रम	३	३	३	९
२	सामुदायिक बनको किनारमा डिल निर्माण	२	२	२	६
३	बनस्पति पार्क निर्माण		१५	१५	३०
४	तालहरुको संरक्षण तथा विकास	२०	२०	२०	६०
५	बन संरक्षण सचेत्करण कार्यक्रम	२	२	२	६
६	जैविक विविधता संरक्षण तथा व्यवस्थापन सचेतना कार्यक्रम	५	५	५	१५
	<b>जम्मा</b>	<b>२७</b>	<b>४२</b>	<b>४२</b>	<b>१११</b>

#### ६.१.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

सार्वजनिक निजी साझेदारीमा ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रमा खुला स्थानमा बृक्षारोपण तथा निजी तथा ब्यवसायिक वागवानी विस्तार गरी वातावरणमा सुधार तथा आयआर्जन समेत बृद्धि गर्न सकिनेछ । सार्वजनिक स्थलमा गरिएका वृक्षारोपण तथा हरियाली क्षेत्रको प्रभावकारी संरक्षण र प्रवर्द्धन हुन नसके अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ ।

## ६.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

### ६.२.१ पृष्ठभूमि:

हाम्रो पृथ्वी हाम्रो जीवनको आधार हो। पृथ्वी छ र त हामी हुन्छौ। हामी बस्ने पृथ्वीको संरक्षण हामी आफै गर्नु पर्दछ। पृथ्वीको संरक्षण भन्नाले नदि, बन जंगल, ताल पोखरी, सिमसार र त्यहाँ बस्ने प्राणी, खेति योग्य भू-भाग, नदि तटीय क्षेत्र, खोला नदीको दुवै किनार जस्ता कुराको संरक्षणमा हाम्रो ध्यान जानु जरुरी छ। गैडहवा गाउँपालिकामा पहाडी जलाधार नभएपनि कंचन तथा दानव नदीले बर्षेनी तटीय क्षेत्रमा बितण्डा मच्चाउने गर्दछ। यसले मानवलाई भन्दा पशु चौपायाको नोक्सानी गरेको छ। पालिकाले भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापनमा योजना बनाएर कार्यान्वयन गर्न ढिलो गर्न हुँदैन। वन पैदावरका हिसाबले यो पालिका मध्यम स्तरीय नै हो। यस गाउँपालिकामा करिब ९.५५ प्रतिशत जमिन वन जङ्गल, मिश्रित वन र झाडी बुट्यानले ओगटेको छ। ८ वटा वन सामुदायिक वन समुदायलाई हस्तान्तरण भै संस्थागत भैसकेका छन।

### ६.२.२ अवसर तथा संभावना

खाली जमिन, प्रशस्त बाटाघाट, नदी तटहरु र ८ वटा सामुदायिक वन समितिहरु भएका हुँदा यस्ता समितिहरुसँग कार्यगत एकता कायम गर्दै सडक किनारा, खालि जमिन र नदी तटहरुमा वृक्षरोपण गरेर र प्रत्येक वर्ष १० विरुवा रोप्न वातावरण बनाएर गैडहवालाई हराभरा बनाउन सकिने संभावना प्रशस्तै छ। हालै संचालनमा आएका राष्ट्रपति चुरे संरक्षण आयोजना वन तारबार बाट पनि वन संरक्षण गर्न संभावना रहेको छ।

### ६.२.३ समस्या तथा चुनौति

हराभरा गैडहवा बनाउन वनका हैसियत सुधार र जलवायु परिवर्तन अनुकुलनमा पनि थुप कार्यहरु गर्नु पर्ने छ। जलवायु परिवर्तनका हिसावले कतिपय बालिनालीहरुका उत्पादनमा असर परेको छ भने पानीका मुहान सुक्न तथा पानीको सतह घट्ने जस्तो अवस्था आईरहेको छ।

#### सोच:

- स्वच्छ र हराभरा गैडहवा हाम्रो अभिभारा

#### लक्ष्य:

- वन क्षेत्रको हैसियत वृद्धि र वातावरण तथा भू-संरक्षण गर्ने

#### उद्देश्य:

- जलवायु परिवर्तनका असर न्युनिकरण तथा अनुकुलनका गतिविधिहरु संचालन
- गैडहवा हराभरा बनाउने।
- भू-क्षय नियन्त्रण तथा रोकथाम गर्ने

#### रणनीति

- जलवायु परिवर्तनका असर न्युनीकरण तथा अनुकुलनका विविध उपायहरु अवलम्बन गर्ने
- गैडहवालाई हराभरा कायम गरिनेछ साथै वृक्षारोपणमा जोड दिईने छ।
- जलवायु मैत्री बाली छनौट तथा प्रांगारिक खेतिमा जोड दिईने छ
- फोहरमैला व्यवस्थापनमा सहजिकरण
- मूल सुक्ने अवस्थाका पानीका मूलहरु संरक्षण जोड दिईने छ।

## ६.२.४ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र. सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	बढीबाट हुने डुबान कटान र पटान बाट सुरक्षित हुने बस्ति	प्रतिशत	२	२०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	भौतिक पूर्वाधार शाखा	
१.२	नदि उकास क्षेत्रमा आय आर्जन	प्रतिशत	५	२०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गा.पा.	
२	<b>असर</b>						
२.१	क्षेत्रीको न्यूनीकरण भई आमदानीको बृद्धि	प्रतिशत	५	२०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	जलवायु उत्पन्नीय योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	बगर खेति बाट आर्थिक उपार्जन गर्नेको घर	संख्या	५०	३००	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका, वन तथा वातावरण समिति	खोला किनार, नदि उकास तथा खालि जग्गामा वृक्षारोपणको लागि समुदायको सहयोग भएमा
३.२	बस्ति तथा खेति योग्य जमिनको संरक्षण भएको हुने	प्रतिशत	२	१०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	स्पर तथा नदि डाइभर्सन भएको हुने
<b>४ . कार्यक्रम तथा योजना</b>							

## ६.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा भूसंरक्षण तथा जलाधार उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	७०	४०।४६	२९।५४	५।३२	१६।३८	४५।३६	२।९४	

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट श्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८१/०८२	७०	४०।४६	२९।५४	५।३२	९६।४	४५।४	२।९४	
२०८२/०८३	९०	५२	३८	६।८४	२९।९	५८।३	३।७८	

### ६.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	नदीहरुमा तटबन्ध निर्माण	२०	२०	२०	६०
२	जैविक तटबन्ध निर्माण	१०	१०	१०	३०
३	छतारापुर पण्डित टोल, अठ्ठरावा, खुसियापुर र सेमना, लोत्पुरावामा स्पर तथा तटबन्ध निर्माण	४०	४०	४०	१२०
४	बलुहवा टोल कन्चन नदिलाई पुरानो बहावमा डाइभर्सन गर्ने			२०	२०
	<b>जम्मा</b>	<b>७०</b>	<b>७०</b>	<b>९०</b>	<b>९०</b>

### ६.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु अनुकुलन

#### ६.३.१ पृष्ठभूमि

गैडहवा गाउँपालिकावासीले हालसम्म घरबाट निस्कने फोहोरमैला आफ्नै तरिकाले विर्सजन गर्ने गरेका छन् । मुख्य वजार क्षेत्रमा रहेका होटल व्यवसायी र व्यापारीहरुले खेतवारी, खालीपाखा तथा खोला किनार तथा नालीमा प्लाष्टिक गिलास, प्याकेटस, कार्टुन, शिसाका वोतलहरु र अन्य फोहरजन्य पदार्थहरु सिधै जलाउने र यत्रतत्र विर्सजन गरेको पाइन्छ जसले गर्दा खेतहरुमा माटोको हास तथा जलवायुमा असर गरेको छ । अतः समयमै फोहरमैला व्यवस्थापन गनको लागी अध्ययन गरेर दीर्घकालिन योजना बनाउनुपर्ने आवश्यकता रहेको छ । गाउँपालिकाले फोहरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधि तर्जुमा गरी यसको नियमन कार्यलाई प्राथमिकता दिनुपर्नेछ ।

#### ६.३.२ समस्या तथा चुनौति

फोहरमैला व्यवस्थापनमा चेतनाको कमी र असुरक्षित आनीवानी तथा फोहरलाई समस्याको रूपमा आँकलन गर्न नसक्नु नै यस क्षेत्रको चुनौतिका रूपमा रहेका छन् । स्रोतमै वर्गीकरण, प्रशोधन र पुनःप्रयोगलाई प्रोत्साहन गरी वैज्ञानिक फोहर व्यवस्थापनलाई बढावा दिएर ल्यान्डफिल्ड साइटको व्यवस्थापन गर्दै जानुपर्ने देखिन्छ ।

#### ६.३.३ सोच

“स्वच्छ सुन्दर सफा गैडहवा , फोहरको वैज्ञानिक व्यवस्थापन हाम्रो अभियान”

#### ६.३.४ लक्ष्य र उद्देश्य

- फोहरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी अध्ययन गरी सो सम्वन्धि नीति तथा दीर्घकालिन कार्ययोजना बनाई कार्यान्वयन गर्ने
- फोहरको वर्गीकरण, प्रशोधन र पुनः प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरी वैज्ञानिक फोहरमैला व्यवस्थापन गरी अर्थतन्त्रलाई प्रवर्द्धन गर्नु ।

## ६.३.५ रणनीति

- फोहरमैला ब्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधि तयार गर्ने र कार्यान्वयन गर्ने ।
- आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरी फोहरमैला प्रशोधन सम्बन्धी प्रक्रियाबारे आम नागरिकलाई सहभागी गराउने ।
- फोहरमैला प्रशोधन र पुनःप्रयोगजन्य सामग्री उत्पादनमा निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्ने ।

## ६.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र. सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
	एकिकृत विकासमा वन तथा वातावरण क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	३	१०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	सामुदायिक वन सम्बन्धि कानुनको प्रभावकारी कार्यान्वयन भएमा
	स्वच्छा र सफा घर	प्रतिशत	२०	८०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	
२	<b>असर</b>						
२.१	जलवायु अनुकूलित कृषि प्रणालीको विकास भएको हुने	प्रतिशत	५	२०	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	जलवायु उत्पान्शील योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन
	श्वश प्रस्वास सम्बन्धि रोगहरुमा कमि	प्रतिशत	३०	१२	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका	
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	वन तथा हरियाली क्षेत्र वृद्धि भएको हुने	प्रतिशत	१०	१५	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका, वन तथा वातावरण समिति	खोला किनार, नदि उकास तथा खालि जग्गामा वृक्षारोपणको लागि समुदायको सहयोग भएमा
३.२	जलचर प्राणी र सिमसार क्षेत्र को विकास भएको हुने	प्रतिशत	५	१५	बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति	गाउँपालिका, वन तथा वातावरण समिति	कानुनको कार्यान्वयन तथा समुदायको सहयोग भएमा
	वडास्तरीय जलवायु	संख्या	०	९	वडा कार्यालय	गा.पा.	

उत्थान्शील योजना निर्माण							
<b>४ . कार्यक्रम तथा योजना</b>							

### ६.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा वातावरण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	४०	२३१२	१६८८	३०४	९३६	२५१२	१६८	
२०८१/०८२	४०	२३१२	१६८८	३०४	९३६	२५१२	१६८	
२०८२/०८३	४५	२६	१९	३४२	१०५	२९१२	१८९	

### ६.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु अनुकुलन	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	फोहर मैला सचेतना कार्यक्रम	२	२	२	६
२	डम्पिंग साइट व्यवस्थापन	२०	२०	२०	६०
३	सामुदायिक उपभोक्ता समितिलाई व्यवस्थापन सम्बन्धि तालिम	२	२	२	६
४	सामुदायिक बनमा चरण बिकासको लागि तारबार			५	५
५	धुँवा मुक्त घर कार्यक्रम	२	२	२	६
६	जलवायु परिवर्तन सचेतना कार्यक्रम	१	१	१	३
७	सार्वजनिक पोखरीहरुमा जैविक विविधता तथा जलवायु अनुकुलानाताका कार्यक्रम संचालन गर्ने	५	५	५	१५
८	वडा स्तरीय जलवायु उत्थान्शील योजना निर्माण	४	४	४	१२
९	गोबरग्यास प्लान्ट जडान	४	४	४	१२
	<b>जम्मा</b>	<b>४०</b>	<b>४०</b>	<b>४५</b>	<b>१२५</b>

### ६.३.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

फोहरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी नीतिगत व्यवस्था भई दक्ष मानव संशाधन परिचालन गरी फोहरमैला व्यवस्थापन हुन सक्नेछ । फोहरमैला जस्तो दैनिक जीवनमा विगत देखि चल्दै आएको आनीवानी तथा मानवीय व्यवहार परिवर्तनमा आउने जटिलताका कारण समयमा सरल ढंगले कार्यान्वयन भई हाल्ने कठिन हुने जोखिम रहन सक्छ ।

## ६.४ महामारी तथा विपद व्यवस्थापन

### ६.४.१ पृष्ठभूमि

संवैधानिक व्यवस्था तथा प्रचलित कानून बमोजिम गाउँपालिकाले विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यहरू गर्दै आएको छ । यस सम्बन्धी कार्यलाई व्यवस्थित गर्न प्राकृतिक स्रोत तथा वातावरण संरक्षण ऐन लगायत नीतिगत, कानूनी र प्रक्रियागत व्यवस्था गर्नुपर्दछ । जलवायु परिवर्तनको असरबाट उत्पन्न हुन सक्ने जोखिम न्यूनीकरण गर्न जोखिम क्षेत्रको पहिचान, नक्शाङ्कन र रोकथाम, पूर्व तयारी तथा जोखिम व्यवस्थापन कार्यहरू सञ्चालन गर्नुपर्दछ । जलवायु परिवर्तनको असरको कारण जलसतह घट्दै गएको हुँदा सो समस्या समाधानको लागि पोखरी पुनर्भरण, भएका तालतलैया तथा सीमसार क्षेत्रको संरक्षण गर्ने नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने हुन्छ ।

### ६.४.२ समस्या तथा चुनौति

यस गाउँपालिका क्षेत्रको प्रमुख प्रकोपहरूमा वाढी, डुवान, सुख्खा खडेरी, सर्पदंश, आगलागी, डुवान, लु, शितलहरे तथा हुरीवतास आदि रहेका छन् । विशेष गरी वर्षायाममा ताल पोखरी तथा साना खोला किनारका वस्तीहरूमा पानीको बहाव बढ्दा गाउँबासीहरू डुवानको समस्या भोग्दै आई रहेका छन् भने गर्मीयाममा लु तथा आगलागिको समस्या हुने गरेको छ । जाडो याममा शितलहरले जेष्ठ नागरिक र केटाकेटहरूमा वढी असर गरेको छ । यस्ता प्रकोप तथा यसबाट हुने विपद्बाट कसरी बाँच्न र बचाउन सकिन्छ भन्ने जानकारी गाउँवासीहरूमा नहुनु अर्को समस्याको रूपमा रहेको छ ।

### ६.४.३ सोच

“विपद् न्यूनीकरण र व्यवस्थापनमा सवल र सक्षम गैडहवा ”

### ६.४.४ उद्देश्य

- जोखिम न्यूनीकरणका लागि विपद्का सम्भाव्य जोखिमको लेखाजोखा, पहिचान, अनुगमन र पूर्व चेतावनी प्रणाली अवलम्बन गर्नु ।
- गाउँपालिकाको स्थानीय विपद् तथा जलवायु उत्थानशील योजना निर्माण गरी लागु गर्नु ।

### ६.४.५ रणनीति

- विपद् रोकथाम, पूर्वतयारी र द्रुत प्रतिकार्य मार्फत् क्षति न्यूनीकरण गर्ने ।
- स्थानीय विपद् तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना तयार गरी विपद् व्यवस्थापलको सवलीकरण गर्ने ।

### ६.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यान्वयनबाट प्राप्त हुनसक्ने अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन उपक्षेत्रको मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

### ६.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा विपद जोखिम व्यवस्थापनउप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	२७	15.606	11.394	2.052	6.318	17.496	1.134	
२०८१/०८२	२२	12.716	9.284	1.67	5.15	14.3	0.92	
२०८२/०८३	२७	15.6	11.4	2.05	6.32	17.5	1.13	

### ६.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	महामारी तथा विपद व्यवस्थापन	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	दमकल सेवा संचालनको लागि साझेदारी	३	३	३	९
२	विपद व्यवस्थापन तालिम	४	४	४	१२
३	पालिका स्तरीय विपद पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना अध्यावधिक	५		५	१०
४	विपद व्यवस्थापन कोष स्थापना	१०	१०	१०	३०
५	समय परिस्थिति अनुसार महामारी सचेतना कार्यक्रम संचालन	५	५	५	१५
	<b>जम्मा</b>	<b>२७</b>	<b>२२</b>	<b>२७</b>	<b>७६</b>

### ६.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाले विपद पुर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार गर्ने र आवश्यक मानवीय स्रोत परिचालन गरी विपद न्यूनीकरणको लक्ष्य हासिल गर्न सक्ने अनुमान गरिएको छ । मानवीय कारणले हुने विपद बढ्दो अवस्थामा रहेकोले यसको प्रतिकार्य तथा पुनर्लाभमा स्रोत तथा समयको लगानी बढाउनु पर्ने हुन्छ । वाढी र ढुवान लगायत प्रकोपबाट जुनसुकै बेला जस्तोसुकै विपद पर्न सक्ने जोखिम रहन्छ ।

## परिच्छेद-७

### संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

"सिपालु, सहयोगी र उत्तरदायी संयन्त्र, शीघ्र सेवा तीव्र विकास पालिकाको मुल मन्त्र" भन्ने मुख्य ध्येय राखी संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्रमा नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन, संगठन, मानव संशाधन तथा क्षमता विकास, स्रोत सुदृढीकरण तथा परिचालन, तथ्याङ्क तथा योजना व्यवस्थापनमा जोड दिइएको छ । साथै यस परिच्छेदमा उप-क्षेत्रहरुको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरु समावेश गरिएको छ ।

### ७.१ नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन

#### ७.१.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको दैनिक कार्यसञ्चालन र सेवाप्रवाहका लागि आवश्यक पर्ने ऐन, नियमावली, कार्यविधि, निदेशिकाहरु लगायत दस्तावेज तयारी, प्रमाणीकरण भई स्थानीय राजपत्रमा प्रकाशन भई कार्यान्वयनमा रहेका छन् । गाउँपालिकाले न्यायिक समितिको ब्यवस्था गरी न्याय सम्पादन गर्दै आएको छ । गाउँपालिकाले सेवाग्राहीको गुनासो सुनुवाइ गर्न, गुनासो सुन्ने अधिकारी तथा सूचना अधिकृत लगाएतका संस्थागत प्रबन्धहरु समेत गरेको छ ।

#### ७.१.२ समस्या तथा चुनौति

नेपालको संविधान र प्रचलित कानूनमा भएको व्यवस्थाअनुसार गाउँपालिकाको कार्यजिम्मेवारी भित्र पर्ने विपद् व्यवस्थापन तथा जलवायुअनुकूलन, पर्यटन तथा खेलकुद विकास, कला तथा संस्कृति संरक्षण, महिला, बालबालिका र सशक्तीकरणलगायत विषयमा आवश्यक नीति, ऐन, नियम, कार्यविधि निर्माण गर्न तथा निर्माण भएका ऐन कानूनको समेत पूर्ण कार्यान्वयन हुन सकेको छैन ।

तर्जुमा भएका ऐन, नीति, नियम, कार्यविधिबारे सबै निर्वाचित जनप्रतिनिधि, वडा समिति, आम नागरिक विशेषगरी विपन्न तथा लक्षित वर्गलाई सूसूचीत गराउने, प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने र त्यसको परिपालना गराउने र समग्रमा गाउँक्षेत्रमा शहरी सुशासन कायम गर्ने विषय चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

#### ७.१.३ सोच

" मितव्ययी, पारदर्शी, प्रभावकारी सेवा, परिणाम उन्मुख नतिजा"

#### ७.१.४ उद्देश्य

- सेवा प्रवाह तथा विकास नीति र कार्य सञ्चालन प्रणाली एवम् प्रक्रिया सरल, पारदर्शी र न्यायोचित बनाउनु ।

#### ७.१.५ रणनीति

- सुशासन तथा नीति, कानून, निर्णय, कार्यसम्पादन र सेवा प्रवाहलाई पारदर्शी, जवाफदेही र प्रभावकारी बनाउने,
- गाउँपालिकाको नीति, कानून तथा निर्णय प्रक्रियामा लक्षित समुदाय र आम नागरिकको अपनत्व वृद्धि गर्ने,
- न्यायमा नागरिकको पहुँचका लागि चुस्त र स्तरीय न्यायिक सम्पादन गर्ने ।

## ७.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नीति, कानून तथा सुशासन उपक्षेत्रको मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार रहेको छ ।

क्र. सं.	प्रमुख नतिजा	एकाई	आधार वर्ष २०८०/०८१ को अनुमान	आ.व. २०८४/०८५ को लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम
१	<b>प्रभाव</b>						
१.१	समग्र विकासमा प्रशासन सुधारको योगदान	प्रतिशत	५०%	७५	प्रशासन	गा.पा. / संघीय तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रलय	कर्मचारी वर्गको क्षमता अभिवृद्धि हुने
२	<b>असर</b>						
२.१	सेवा प्रवाहका लागि सहज व्यवस्थापन भएको हुने ।	प्रतिशत	६०%	८५%	प्रशासन	गा.पा. / संघीय तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रलय	कर्मचारी वर्गको क्षमता अभिवृद्धि हुने
३	<b>प्रतिफल</b>						
३.१	पालिकामा ऐन नीति नियम निर्माण भएको हुने	संख्या	२०	२५	गा.पा..	गा.पा. / संघीय तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रलय	
३.२	गा.पा.मा भएको जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने	प्रतिशत	५०	८०	गा.पा..	गा.पा. / प्रदेश तथा संघीय प्रशिक्षण प्रतिष्ठान	आवधिक योजनाको सहि कार्यान्वयन पछि
३.३	क्षमता विकास योजना निर्माण	अवस्था	०	१	गा.पा..	गा.पा. / प्रदेश तथा संघीय प्रशिक्षण प्रतिष्ठान	
३.४	प्रबिधिमैत्री सेवा	प्रतिशत	५०	९०	गा.पा.	गा.पा. / प्रदेश तथा संघीय प्रशिक्षण प्रतिष्ठान	
३.५	कार्यालय उपकरण तथा फर्निचिंग	प्रतिशत	५०	९०	गा.पा.	गा.पा.	
४	<b>कार्यक्रम तथा योजना</b>						

## ७.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा नीति, कानून तथा सुशासन उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पुँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	२७	१५१६०६	१११३९४	२१०५२	६३९८	१७४४९६	११९३४	

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट श्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८१/०८२	२२	१२।७१६	९।२८४	१।६७	५।१५	१।४३	०।९२	
२०८२/०८३	२७	१५।६	११।४	२।०५	६।३२	१।७५	१।१३	

### ७.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	स्थानीय नीति ऐन तथा प्रशासन	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	पदाधिकारीहरूको लागि क्षमता विकास तालिम	१०	१०	१०	३०
२	वडाका पदाधिकारी तथा कर्मचारीहरूको लागि क्षमता विकास तालिम	१०	१०	१०	३०
३	क्षमता विकास योजना निर्माण	७			७
४	बिषयगत समितिलाई क्षमता विकास तालिम	५	५	५	१५
५	अध्ययन भ्रमण	७	७	७	२१
६	स्थानीय परिवेश अनुसार आवश्यक ऐन कानुनहरूको पहिचान, निर्माण तथा अध्याधिक गर्ने	५	५	५	१५
७	वार्षिक योजना तथा प्रगति पुस्तिका प्रकाशन गर्ने	३	३	३	९
८	नियमित बैठक तथा प्रगति समिक्षा गर्ने	२	२	२	६
९	नियमित सार्वजनिक सुनुवाई तथा सामाजिक परिक्षण	२	२	२	६
१०	आवधिक योजनाको समिक्षा	२	२	२	६
	<b>जम्मा</b>	<b>५३</b>	<b>४६</b>	<b>४६</b>	<b>१४५</b>

### ७.१.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

न्यायिक समिति तथा मेलमिलाप केन्द्रको माध्यमबाट साना विवादहरू सजिलै छोटो समयमा कम खर्चिलो तरिकाबाट समाधान भएको हुने छ । विवादको वैकल्पिक समाधानको उपाएलाई नागरिकले रोजेर सेवा छरितो रूपमा प्राप्त गर्नेछन् । न्यायिक समितिको कार्यबोझ र विवादको जटिलताको कारण समयमा मेलमिलाप वा निरुपणबाट विवाद समाधान नहुने जोखिम रहन सक्छ ।

## ७.२ संगठनात्मक विकास

### ७.२.१ पृष्ठभूमि

हाल गाउँपालिकाको कार्यालय आफ्नै नवनिर्मित मुख्य प्रशासनिक भवनमा सञ्चालनमा रहेको छ । जुन सरसफाई तथा सवारी पार्कीङ्गको दृष्टिकोणले उपयुक्त र सुरक्षित देखिन्छ । यसका अतिरिक्त गाउँपालिकाका ९ वटै वडा कार्यालयहरू आफ्नै भवनबाट कार्यालय सञ्चालन र सेवा प्रवाहलाई व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउने प्रयास भइरहेको छ । ९ वडा मध्ये ३ वटा वडा(सूर्यपुरा, जोगडा, विष्णुपुरा) सेवा प्रवाहका लागि कार्यक्षमहरूको अपर्याप्तता देखिन्छ ।

गाउँपालिकाको कार्यसम्पादनमा सहजताका लागि कम्प्युटर सफ्टवेयर प्रणालीहरू स्थापना गरी वडामा समेत प्रयोगमा ल्याइएको छ । हाल गाउँपालिकामा प्रशासन शाखा, कृषि शाखा, पशु सेवा शाखा, शिक्षा शाखा, आर्युविद शाखा, स्वास्थ्य शाखा, लेखा शाखा, सामाजिक विकास शाखा, सूचना तथा प्रविधि शाखा, प्राविधिक शाखा, रोजगार शाखा, राजश्व शाखा, प्राविधिक शाखा, शिक्षा शाखा, पंजीकरण शाखा (सेवा इकाई), महिला वालवालिका, जेष्ठ नागरिक तथा सहकारी शाखा, अमिन शाखा, दर्ता चलानी शाखा, न्यायिक समिति शाखामा ३०७ जना कर्मचारी कार्यरत रहेका छन् । सेवा प्रवाहका लागि आवश्यक आधाभूत नीति, कानून, कार्यविधिहरू स्वीकृत भएका छन् ।

### ७.२.२ समस्या तथा चुनौति

संस्थागत संरचना, मानव स्रोत, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्यांकन पद्धति सुधारात्मक देखिन्छ । गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयहरूले मासिक रूपमा खर्च सार्वजनिक गर्ने परिपाटीलाई कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ । संस्थागत स्वमूल्यांकन कार्ययोजना तथा क्षमता विकास योजनालाई कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ । गाउँपालिकाको सेवा व्यवस्थापन प्रक्रिया प्रभावकारी हुन थप सुधार गर्नुपर्ने छ ।

### ७.२.३ सोच

“पारदर्शी, उत्तरदायी र सूचना प्रविधिमा आधारित चुस्त शासन तथा सेवा प्रवाह”

### ७.२.४ उद्देश्य

- स्थानीय सेवाको व्यवस्थापन क्षमता, मानव संसाधन र कार्य दक्षतामा अभिवृद्धि गर्नु ।

### ७.२.५ रणनीति

- स्थानीय सेवा प्रवाहलाई सरल, सहज, सूचना प्रविधिमा आधारित र सेवाग्राहीमैत्री बनाउने,
- गाउँ कार्यपालिका तथा वडा कार्यालयको संगठन क्षमता सुदृढीकरण गर्ने,
- कार्यविधि निर्माण गरी सेवा प्रवाह तथा कार्यसम्पादनलाई व्यवस्थित गर्ने ।

### ७.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार संगठन, मानव संसाधन र सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार रहेको छ ।

## ७.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा संगठन, क्षमता विकास र सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	१४९	८६१२२	६२१८७८	१११३२	३४१८६६	९६१५२	६२५८	
२०८१/०८२	१४५	८३८९	६११९	११	३३९	९४	६०९	
२०८२/०८३	१४६	८४१४	६१६	१११	३४२	९४६	६१३	

## ७.२.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण:

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	संगठनात्मक विकास	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	दक्ष प्रसूती सेवा तालिम	३	३	३	९
२	डिजिटल प्रविधि अनुसार सूचना प्रवाह गर्ने	१०	५	५	२०
३	जनप्रतिनिधिहरुको सुबिधा	१०६	१०७	१०८	३२१
४	परामर्श सेवा	३०	३०	३०	९०
	<b>जम्मा</b>	<b>१४९</b>	<b>१४५</b>	<b>१४६</b>	<b>४४०</b>

## ७.२.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान:

गाउँपालिकाले प्रदेश, संघ तथा सरोकारवालाहरुको सहकार्यमा स्थानीय नीति र कानून तर्जुमा, दक्ष मानव संसाधनको सीप र दक्षतामा अभिवृद्धि गरी अपेक्षित नतिजा हासिल हुनेछ । स्थानीय सरकारमा वृत्ति तथा क्षमता विकास र उत्प्रेरणको कमीका कारण कर्मचारीको कार्यसम्पादनबाट अपेक्षित नतिजा आउन नसक्ने पनि जोखिम रहन सक्छ ।

### ७.३ स्रोत परिचालन

#### ७.३.१ पृष्ठभूमि

राजस्व परामर्श समितिको अध्ययन र सिफारिसका आधारमा कर तथा गैरकरको दर निर्धारण गरी आन्तरिक आय संकलन गर्ने गरिएको छ । गाउँपालिकाको वित्तीय स्रोत बढ्दै गएको र संस्थागत सबलीकरण र क्षमता विकासमा नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार तथा विकास साझेदारहरूको सहयोग पनि क्रमशः बढ्दै गएको छ । गाउँपालिकाले २ वर्ष अघि नै राजस्व सुधार योजना तयार गरेको छ । उक्त राजस्व सुधार योजनालाई बार्षिक अद्यावधिक गर्ने र राजस्व परामर्श समितिको बैठकबाट हरेक वर्ष पुष मसान्त भित्रमा आगामि वर्ष राजस्व प्रक्षेपण गर्नुपर्ने ब्यवस्थालाई निरन्तरता दिइएको छ । विगत ३ वर्षमा आन्तरिक आयको मात्रामा उतार चढाव देखिन्छ । आव २०७७-७८ मा २७ करोड ८४ लाख ९ हजार उठेको राजस्व २०७८-७९ मा २२ करोड ३० लाख ३ हजार मात्र संकलन भएको देखिन्छ । तर राजस्वको दर दायरा तथा प्राकृतिक स्रोतको नियन्त्रणका आधारमा आगामि तीन वर्षका लागि क्रमस ५ करोड, ६ करोड र ७ करोड मात्र आन्तरिक राजस्व प्रक्षेपण गरिएको छ ।

#### ७.३.२ समस्या तथा चुनौति

गाउँपालिकाको राजस्व संकलनको सम्भावना प्रचुर रहे तापनि आवश्यक सूचना प्रविधिमैत्री राजस्व संकलन व्यवस्था, कार्यविधि तथा मापदण्ड, कर्मचारीको अभाव जस्ता कारणले गर्दा सम्भावनाको अधिकतम राजस्व संकलन लक्ष्य प्राप्त गर्न समस्या देखिएको छ । राजस्व लक्ष्य प्राप्त गर्न गर्नुपर्ने अभियान तथा प्रचारात्मक कार्यहरू निरन्तरता दिनुपर्ने भएको छ ।

#### ७.३.३ सोच

“हाम्रो गाउँ, हाम्रो कर, सम्बद्ध बनाउने हाम्रो रहर”

#### ७.३.४ उद्देश्य

- आन्तरिक तथा बाह्य स्रोत परिचालनमा वृद्धि गर्नु र राजस्व प्रणाली सुदृढ बनाउनु,

#### ७.३.५ रणनीति

- राजस्वको दायरा, दर र प्रशासनलाई सूचना प्रविधिमा आधारित र व्यवस्थित गरी आन्तरिक आय तथा बाह्य स्रोत परिचालनमा जोड गर्ने,
- स्रोत परिचालनका लागि गैसस, निजी क्षेत्र, समुदाय, विकास साझेदार, प्रदेश र सङ्घीय सरकारका निकायहरूसँग समन्वय र साझेदारीको विकास गर्ने ।

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार राजस्व तथा स्रोत परिचालन उपक्षेत्रको मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार रहेको छ ।

#### ७.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा तयार राजस्व तथा स्रोत परिचालन उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार रहेको छ ।

आर्थिक बर्ष {	बजेट अनुमान				बजेट श्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक श्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	१०	५१७८	४१२२	०१७६	२३४	६४८	०४२	
२०८१/०८२	७	४१०४६	२१९५४	०१५३	१६४	४१५४	०१२९	
२०८२/०८३	७	४१०५	२१९५	०१५३	१६४	४१५४	०१२९	

### ७.३.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण:

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	स्रोत परिचालन	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	कृषि तथा पशु प्राबिधिक र खानेपानी टेक्निसियनका साथै इलेक्ट्रिसियनहरुको दक्षता अभिवृद्धि तथा सहयोग कार्यक्रम	७	७	७	२१
२	स्थानीय तहमा उपलब्ध स्रोत साधनहरुको स्रोत पुस्तिका तयार गर्ने.	३			३
	<b>जम्मा</b>	<b>१०</b>	<b>७</b>	<b>७</b>	<b>२४</b>

### ७.३.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

प्रचलित कानून तथा स्थानीय आवश्यकताको आधारमा प्रगतिशील गरेको दर तय गरी राजस्व संकलन बृद्धि गर्न सकिने । स्थानीय बासिन्दामा कर तथा शुल्क वाध्यकारी अवस्थामा बाहेक अरु बेला क्रमागत रुपमा मात्र तिर्ने वानी भएकोले लक्ष्य अनुसारको राजस्व संकलन गर्न नसकिने जोखिम रहन सक्छ ।

### ७.४ योजना तथा व्यवस्थापन

#### ७.४.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको समष्टिगत विकासलाई मार्गदर्शन गर्न गैडहवा गाउँपालिकाको प्रथम आवधिक योजना दस्तावेज तर्जुमा प्रकृत्यामा रहेको छ । साथै आवधिक योजनाका आधारमा आयोजना वैक तयार गर्ने र यसै आर्थिक बर्षदेखि मध्यमकालीन खर्च संरचना मार्फत प्राथमिकता क्षेत्र तथा आयोजना र कार्यक्रममा स्रोत सुनिश्चित गर्ने र मध्यमकालीन खर्च संरचना अनुसार बार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन र नतिजामुखी विकास पद्धति कार्यान्वयनमा ल्याउन प्रकृत्या अगाडि बढाईएको छ ।

गाउँसभाबाट न्यायिक समिति, विद्यान समिति, सुशासन समिति र कार्यपालिकाबाट राजस्व परामर्श समिति, श्रोत अनुमान तथा बजेट सिमा निर्धारण समिति, बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति, लगायत विषयगत समिति गठन भई तत्सम्बन्धी विषयमा क्रियाशील उन्मुख छन् । साथै सेवाग्राही तथा लक्षित समुदाय र नागरिक समाजको समेत सहभागितामा सहभागितामूलक योजना तर्जुमाको अभ्यास गरी गाउँसभाबाट स्वीकृत नीति तथा बजेट र कार्यक्रमलाई बजेट पुस्तिका, वेवसाइट र सूचना पाटीमार्फत् सार्वजनिक गर्ने पुर्वतयारी भईरहेको छ ।

#### ७.४.२ समस्या तथा चुनौति

योजना तथा बजेट तर्जुमा, वित्तीय व्यवस्थापन, लेखा परीक्षण र निर्णय प्रक्रियामा समावेशीता, सहभागिता र पारदर्शितामा सुधार गर्नुपर्ने प्रर्याप्त स्थान छन् । शासन सञ्चालन, योजनाबद्ध विकास तथा मापदण्ड अनुसार सेवा तथा सुविधा प्रवाह गर्न आवश्यक स्रोत परिचालन र दक्षतामा कमी रहेको छ ।

गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता तथा रणनीतिसहित आवधिक योजनाको अन्तिम रूप दिइ प्रकाशन गर्न सकिएको छैन । सेवा प्रवाह र कार्यसम्पादनमा अन्तरसरकार, निजी क्षेत्र र गैसस र समुदायमा आधारित संस्थासँग संयन्त्रको विकास गरी प्रभावकारी समन्वय, सहकार्य र साझेदारी हुन सकेको छैन ।

### ७.४.३ सोच

“ योजनाबद्ध, व्यवस्थित र प्रविधियुक्त गैडहवा गाउँपालिका ”

### ७.४.४ उद्देश्य

- योजना तथा विकास प्रक्रियालाई तथ्यमा आधारित, समावेशी, सहभागितामूलक तथा नतिजामूलक बनाउनु ।

### ७.४.५ रणनीति

- योजना व्यवस्थापन प्रक्रियालाई सरल, नागरिकमैत्री र पारदर्शी बनाउने,
- योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमनलाई सूचनामा आधारित, सहभागितामूलक र नतिजामूलक बनाउने, र
- गैसस, निजी क्षेत्र, समुदायमा आधारित संस्थासँग समन्वय र साझेदारीमा अभिवृद्धि गर्ने ।

### ७.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार योजना तथा विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार रहेको छ ।

### ७.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा योजना तथा विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक बर्ष	बजेट अनुमान				बजेट स्रोत			
	कुल	पूँजीगत	चालु	आन्तरिक स्रोत	वित्तीय व्यवस्था	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८०/०८१	४१	२३६९८	१७३०२	३११६	९।५९४	२६।५६८	१।७२२	
२०८१/०८२	११.	६।३५८	४।६४२	०।८४	३।५७	७।१३	०।४६	
२०८२/०८३	११.	६.३६	४.६४	०.८४	२.५७	७.१३	०.४६	

### ७.४.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि प्राप्तिको लागि देहाय अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	योजना तथा व्यवस्थापन	पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	जम्मा वजेट
१	सबै कार्यालयहरूमा फर्निचर, मेशिन, औजार उपकरणहरू व्यवस्थापन	३०	१०	१०	५०
२	सबै वडाहरूको प्रोफाइल तयार गर्ने	५	५	५	१५
३	गाउँपालिका डिजिटल प्रोफाइल तयार गर्ने	३०			३०
४	दिगो विकास लक्ष्यहरूको स्थानिकिकरण तथा समिक्षा	३	३	३	९
५	मध्यकालीन खर्च संरचना कार्यान्वयन र समिक्षा	३	३	३	९
६	आवधिक योजनाको समिक्षा				०
	<b>जम्मा</b>	<b>४१</b>	<b>११</b>	<b>११</b>	<b>६३</b>

### ७.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

स्थानीय तहलाई प्रदेश, संघ तथा अन्य गैसस, समुदाय, सहकारी र निजी क्षेत्रको समेत समन्वय सहकार्यमा तथ्यांक व्यवस्थापन, दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन योजना निर्माण र त्यसको उचित ब्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम, अभिमुखिकरण तथा विज्ञता सहयोग प्राप्त हुन सक्नेछ । स्थानीय तहको कार्यक्षेत्र तथा काम कर्तव्य अधिकारका क्षेत्र असिमित भएकाले तथ्यांक व्यवस्थापन, दीर्घकालीन तथा मध्यमकालीन योजना र नतिजामूलक विकास योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यलाई संस्थागत गर्न समय लाग्न सक्छ । निरन्तर नौलो अभ्यासहरु गर्दा त्रुटी हुने जोखिम रहन्छ ।

## अनुसूची-१

## मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यदल

क्र.स.	समितिका पदाधिकारी	जिम्मेवारी
१	प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत	संयोजक
२	प्रमुख, शिक्षा शाखा	सदस्य
३	प्रमुख, स्वास्थ्य शाखा	सदस्य
४	प्रमुख लेखा शाखा	सदस्य
५	प्रमुख प्रशासन शाखा	सदस्य
६	प्रमुख राजस्व शाखा	सदस्य
७	प्रमुख न्यायिक समिति शाखा	सदस्य
८	प्रमुख अग्नि शाखा	सदस्य
९	प्रमुख सामाजिक विकास शाखा	सदस्य
१०	प्रमुख कृषि शाखा,	सदस्य
११	प्रमुख पशु सेवा शाखा	सदस्य
१२	प्रमुख पूर्वाधार विकास शाखा	सदस्य
१३	प्रमुख सूचना तथा प्रबिधि शाखा	सदस्य
१४	प्रमुख राजस्व शाखा	सदस्य
१५	प्रमुख पंजीकरण शाखा	सदस्य
१६	प्रमुख योजना तथा अनुगमन शाखा	सदस्य सचिब

## अनुसूची-२

मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तर्जुमा सम्बन्धी मार्गदर्शन

### पृष्ठभूमि

नेपालमा संङ्घीय शासन व्यवस्थाको अभ्याससँगै स्थानीय सरकार संचालनका लागि संरचनागत एवम् व्यवस्थापकीय क्षेत्रमा उपलब्धिमूलक कार्यहरू भएका छन् । जसबाट स्थानीय शासन सञ्चालन, सेवा प्रवाह र विकास उपलब्धी हासिल गर्ने गति तिब्र बनाउँदै जनअपेक्षालाई सम्बोधनका लागि अनुकूल वातावरण बन्दै गएको छ । स्थानीय सरकारले अन्तर सरकार, निजी क्षेत्र, सहकारी र समुदाय तथा नागरिक बीचको समन्वय, साझेदारी र सहकार्यलाई प्रभावकारी बनाउँदै लगेका छन् ।

जनताको सबैभन्दा नजिकको सरकारका रूपमा स्थानीय सरकारले दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिलाई मध्यनजर गर्दै नागरिकको जीवनस्तरमा गुणस्तरीय परिवर्तन ल्याउन वस्तुपरक ढंगले विकासको मार्गचित्र तयार गर्नु जरुरी देखिन्छ । संङ्घीय संरचनामा आधारित संवैधानिक, नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्था अनुसार स्थानीय सरकारहरूले स्थानीय धरातलिय विशिष्टता तथा नागरिकको वास्तविक आवश्यकता र चाहना प्रतिबिम्बित हुने गरी आफ्ना प्रयासहरू अगाडी बढाउनु आवश्यक छ । यसका लागि स्थानीय सरकारले हालको राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा प्राविधिक परिस्थितिले सिर्जना गरेको अवसरहरूको पूर्ण सदुपयोग हुने गरी योजना तथा बजेट तर्जुमालाई योजनाबद्ध, व्यवस्थित र नतिजामूलक बनाउन आवश्यक छ । स्थानीय सरकारले विकास प्रकृत्यालाई निदृष्ट गन्तव्यतर्फ उन्मुख गराई अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्नसरोकारवाला पक्ष समेतको सहभागितामा सहभागितामूलक तथा समावेशी विकासको अवधारणा बमोजिम योजना तथा बजेट तर्जुमा प्रक्रिया अबलम्बन गर्न आवश्यक हुन्छ । दीर्घकालीन, आवधिक तथा विषयगत रणनीतिक गुरुयोजनाले दिशानिर्देश गरे बमोजिमको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र प्राथमिकताको आधारमा वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तयार गरी स्थानीय समस्याको सम्बोधन गर्ने, जनताको मनोभावना बुझ्ने र चाहना सम्बोधन गर्ने गर्नुपर्दछ । योजनाले उपलब्ध हुने सक्ने सम्भाव्य श्रोत साधन परिचालन गरी अनुमानित र विनियोजन बजेट बीचको खाडलको पूर्तिलाई सुनिश्चित गर्न सक्नु पर्दछ ।

कानूनी रूपमा हेर्दा अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ को दफा (२१) को उपदफा (३) बमोजिम गाउँ कार्यपालिकाले प्रत्येक वर्षको असार १० गते भित्र आगामी आर्थिक वर्षको राजस्व र व्ययको अनुमान सम्बन्धित स्थानीय सभामा पेश गर्नु पर्ने व्यवस्था गरेको छ । यसै गरी उपदफा (५) ले राजस्व र व्ययको अनुमान नेपाल सरकारले तोकेको मापदण्ड अनुसार हुनुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । तसर्थ नेपाल सरकारबाट स्वीकृत आय र व्ययका शिर्षकहरूको वर्गीकरण र एकीकृत आर्थिक संकेत तथा वर्गीकरण र व्याख्या, २०७४ अनुसार बजेट तर्जुमा गर्न अधिकतम प्रयास गर्ने समेत यस मार्गदर्शनको उद्देश्य रहेको छ । दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिलाई केन्द्र विन्दुमा राखी व्यवस्थित, प्रभावकारी र नतिजामूलक रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना समेत आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा प्रक्रियामा स्थानीय विषयगत समिति पदाधिकारी, विषयगत शाखा, वडा समिति र स्थानीय सरोकारवाला उपलब्ध गराउन यो मार्गदर्शन तयार गरिएको छ । कार्यपालिकाबाट प्राप्त बजेट सीमा तथा प्राथमिकता निर्धारणको आधार तथा प्रकृत्या बमोजिम यस मार्गदर्शन अनुसार आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम समेत मध्यमकालीन खर्च संरचना प्रस्ताव तयार गर्नुपर्नेछ ।

## कार्यक्रम तथा उपलब्धिको संक्षिप्त समीक्षा

गैडहवा गाउँपालिकाको चालु आर्थिक बर्ष २०७९/८० को वार्षिक नीति, बजेट तथा कार्यक्रम कोभिड १९ को अवरोध एवम् विश्वव्यापी रूपमा देखापरेको अस्वभाविक मूल्यवृद्धिका बावजुद प्रदेश तथा संघीय सरकार र विकास साझेदार निकायसँग समन्वय, साझेदारी र सहकार्य गरी लक्ष्य अनुसार कार्यान्वयन तर्फ उन्मुख रहेको छ । स्वीकृत भएका केही आयोजना तथा कार्यक्रमहरू सम्पन्न भएका छन् भने बाँकी सम्पन्न हुने अवस्थामा रहेका छन् । बजेट तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनको समय तालिका पालना, प्रक्रिया तथा नतिजा अनुगमन गरी कार्यतालिका र निर्धारित मापदण्ड र अपेक्षित नतिजा अनुसार कार्यान्वयनलाई व्यवस्थित गर्न कार्य अनुभव, सीप तथा क्षमता र कार्यविधिको कमी महशुस गरिएको छ । आगामी बर्षको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा देखी नै कार्यान्वयन कार्ययोजना, खरिद योजना र अनुगमन योजना बनाई यसलाई व्यवस्थित गर्नु पर्ने सिकाई समेत भएको छ । वार्षिक योजनाको लक्ष्य तथा प्रगति र चालु आर्थिक बर्षको प्रमुख आयोजना तथा कार्यक्रमको कार्यान्वयनको अवस्था र हालसम्मको उपलब्धी समेतलाई मध्यनजर गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षका लागि यथासम्भव आयोजना र कार्यक्रमगत रूपमा नभएमा उप-क्षेत्रगत रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्नुपर्नेछ ।

## योजना तथा बजेट तर्जुमाका आधारहरू

नेपालको संविधानले तिनै तहका सरकारले सरकारी कोषबाट वार्षिक बजेट अनुरूप बजेटको उपयोग गर्ने व्यवस्था गरेको छ । स्थानीय सरकारको सन्दर्भमा बजेट राजनीतिक, कानूनी र प्राविधिक विषय पनि हो । संघीय शासन व्यवस्था संचालन र उपरोक्त सन्दर्भमा बजेट तर्जुमाको अभ्यास अत्यन्त गहन र महत्वपूर्ण विषय हो । तसर्थ बजेट तर्जुमाको अभ्यासमा संलग्न गाउँपालिकाका निर्वाचित पदाधिकारी, बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमासँग सम्बन्धित समिति तथा विषयगत निकायः शाखाका कर्मचारी, संलग्न सरोकार पक्ष र व्यक्तिहरू बजेट तर्जुमाको नीतिगत र कानूनी व्यवस्थाको बारेमा जानकार हुन जरुरी छ । मध्यमकालीन खर्च संरचनामा समेत आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तर्जुमा गर्दा देहाय अनुसारका सान्दर्भिक नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्थालाई आधार लिइनेछः

- नेपालको संविधानका सान्दर्भिक धाराहरू (भाग ३ मौलिक हक र कर्तव्य, भाग ४ राज्यको निर्देशक सिद्धान्त, नीति र दायित्व, भाग ५ राज्यको संरचना र राज्यशक्तिको बाँडफाँड, भाग १७ धारा २१४ देखी २३०)
- गाउँपालिकाको कार्य सम्पादन तथा कार्य विभाजन नियमावली ।
- प्राकृतिक श्रोत तथा वित्त आयोग ऐन, २०७४ का सान्दर्भिक दफाहरू (परिच्छेद ४ः प्राकृतिक श्रोतको परिचालन, राजस्व बाँडफाँट र अनुदान)
- स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को सान्दर्भिक दफाहरू (परिच्छेद ६ दफा २४ र २५, परिच्छेद ९ दफा ५४ देखी ६८ र परिच्छेद १० दफा ६९ देखी ८०)
- अन्तर-सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ का सान्दर्भिक दफाहरू (परिच्छेद २ राजस्वको अधिकार, परिच्छेद ३ राजस्वको बाँडफाँड, परिच्छेद ४ अनुदानको अवस्था, परिच्छेदः वैदेशिक सहायता र आन्तरिक ऋण, परिच्छेद ६ सार्वजनिक खर्च व्यवस्था, परिच्छेद ७ राजस्व र व्यवको अनुमान, परिच्छेद ८ वित्तीय अनुशासन)
- आर्थिक कार्यविधि वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा नियमावली, २०७७ का सान्दर्भिक दफा तथा नियमहरू (बजेट निर्माण, निकासा, खर्च, रकमान्तर र नियन्त्रण, बजेट र कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यक्रम स्वीकृती र संशोधन, प्रगति समीक्षा)
- सावर्जनिक खरिद ऐन, २०६३ र नियमावलीका सान्दर्भिक दफाहरू (ऐनको परिच्छेद २ः खरिद कार्यको जिम्मेवारी र खरिद विधीसम्बन्धी व्यवस्था, नियमको परिच्छेद २ः खरिद कारवाहीको तयारी, खरिद योजना र लागत अनुमान)
- दिगो विकास लक्ष्य (लक्ष्य १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १५, १६ तथा १७)

- दीर्घकालीन सोच तथा पन्ध्रौ योजनाको सान्दर्भिक बुँदाहरू
- गाउँपालिकाको दीर्घकालीन नीति तथा कार्यक्रमको लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकता र विषयगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति र रणनीतिक कार्यक्रम तथा आयोजना
- समपुरक तथा विशेष अनुदान सम्बन्धी कार्यविधि, २०७६

## बजेट तर्जुमा मार्गदर्शन

आगामी आर्थिक वर्ष र त्यसपछिका थप दुई आर्थिक वर्षको लागि उपलब्ध बजेट सीमा भित्र रही गाउँपालिकाको नीति, विषयगत क्षेत्र रणनीतिक तथा गुरुयोजना, आगामी वर्षको लागि प्रस्तुत बार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको आधारमा देहायमा उल्लिखित विषयहरूलाई मध्यनजर गरी आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको छनौट, प्राथमिकता निर्धारण, बजेट अनुमान तथा सांकेतिकरण र आयोजना तथा कार्यक्रमको संक्षिप्त विवरण समेत तयार गरी तोकिएको समय सीमाभित्र पेश गर्नु हुन अनुरोध छ:

- नेपालको संविधानको मौलिक हक, राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति तथा दायित्व र अनुसुची ८ र ९ मा उल्लेखित अधिकारहरूसँग तालमेल हुने आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्नेछ ।
- मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा सार्वजनिक खर्च विवरणमा उल्लिखित खर्चलाई ध्यान दिई आयोजना तथा कार्यक्रमको प्राथमिकता निर्धारण र छनौट गर्नुपर्नेछ ।
- गाउँपालिकाको बार्षिक नीति कार्यक्रम, योजना, विषयक्षेत्र रणनीतिक-गुरुयोजनाको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकता, विषयगत लक्ष्य तथा उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति तथा प्रमुख कार्यक्रम अनुसार आयोजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्नुपर्नेछ ।
- चालु आर्थिक बर्षमा संचालित स्थानीय गौरव, रूपान्तरणकारी, क्रमागत, बहुवर्षीय र अधुरा आयोजना तथा कार्यक्रमलाई पहिलो प्राथमिकतामा राखी बजेट अनुमान गर्नुपर्नेछ ।
- आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्दा साना, टुक्रे र संख्यात्मक रूपमा धेरै आयोजना छनौट भन्दा ठोस, उपलब्धीमूलक र कार्यान्वयन योग्य आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको छनौट गर्नु पर्नेछ ।
- गाउँपालिका स्तरीय योजना छनौट गर्दा आयोजना बैंक तथा मध्यमकालीन खर्च संरचना समावेश भएका वा कानून अनुसार वातावरण प्रभाव अध्ययन लगायत सम्भाव्यता अध्ययन भई डिजाईन, लागत अनुमान तथा विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार भएका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई छनौट गर्नुपर्नेछ ।
- आम नागरिकको आधारभूत स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसरफाई, सशक्तीकरण, रोजगारी र उद्यमशिलता विकास हुने तथा सामाजिक आर्थिक पुनर्लाभका कार्यक्रमलाई समावेश गर्नु पर्नेछ ।
- स्थानीय तहमा राजस्व अभिवृद्धि गर्ने र आयमूलक आयोजना तथा कार्यक्रमलाई अनिवार्य रूपमा समावेश गर्नु पर्नेछ ।
- कृषि, खाद्यान्न, पशुपंक्षी तथा पर्यटन उपजको उत्पादन, व्यवसायीकरण, विविधिकरण र औद्योगीकरणलाई सहयोग पुऱ्याउने कार्यक्रमहरू छनौट गर्नु पर्नेछ ।
- बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा स्थानीय तहको नीति तथा कानूनले निर्धारण गरेका दायित्वलाई अनिवार्य रूपमा समावेश गर्नु पर्नेछ ।
- विज्ञान, प्रविधि तथा खेलकुद लगायत युवाको सिर्जनशिलता, नवप्रवर्तनशिलता र उद्यमशिलता विकासमा सघाउ पुग्ने आयोजना तथा कार्यक्रमहरू छनौट गर्नु पर्नेछ ।
- योग, ज्ञान तथा सीप विकास, अध्ययन, खोज, अनुसन्धान र नवप्रवर्तनसँग सम्बन्धित आयोजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी समावेश गर्नु पर्नेछ ।
- भूउपयोग योजना र क्षेत्र, वस्ती विकास तथा भौतिक विकास योजना तर्जुमा लगायत यस्ता योजनामा प्रस्तावित आयोजना तथा कार्यक्रममा कार्यान्वयन गर्ने योजना छनौट गर्नु पर्नेछ ।
- बालबालिकालाई केन्द्रविन्दुमा राखी उनीहरूको बचाउ, संरक्षण, विकास र सहभागिता सम्बन्धी आयोजना तथा कार्यक्रमलाई विशेष प्राथमिकता दिनु पर्नेछ ।

- स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को व्यवस्था अनुसार बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको लक्ष्य, उद्देश्य, समयसीमा प्रक्रियासँग अनुकूल हुने गरी दिगो विकासका लक्ष्य लगायत वातावरण, सुशासन, बालमैत्री, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, विपद् जोखिम व्यवस्थापन, लैङ्गिक समानता र सामाजिक समावेशीकरणजस्ता अन्तरसम्बन्धित विषयलाई ध्यान दिनु पर्नेछ ।
- विकास निर्माण आयोजनाको हकमा ठोस तथा उपलब्धिमूलक आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्नु पर्नेछ । महिला, पिछडिएको वर्ग, विस्थापित, अपाङ्गता भएका व्यक्ति लक्षित कार्यक्रम महत्व र प्राथमिकता साथ छनौट गर्नुपर्नेछ ।
- आयोजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा वातावरणीय प्रभाव अध्ययन र सम्भाव्यता अध्ययन, सर्वेक्षण, ड्रोइङ्ग तथा डिजाइन समेत लागत अनुमान तयार भएका प्राविधिक, वातावरणीय, सामाजिक र सांस्कृतिक रूपमा सम्भाव्य देखिएका आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्नेछ । आयोजना तथा कार्यक्रमको छनौट गर्दा बजेटको स्रोत समेत खुलाइ प्रस्ताव गर्नु पर्नेछ । यसबाट आयोजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दा समयमा संचालन गर्न र बजेट अपुग हुन पाउँदैन ।
- बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा चालु आर्थिक बर्षको खरिद गुर्योजनालाई समेत ध्यान दिनु पर्नेछ ।
- आयोजना तथा कार्यक्रम प्रस्ताव गर्नु अगावै सो आयोजना तथा कार्यक्रमबाट लाभान्वित तथा प्रभावित वर्ग तथा समुदाय, साझेदार तथा सहयोगी निकाय र संघ-राय परामर्श गरीसहमती भएको अवस्थामा मात्र आयोजना तथा कार्यक्रम प्रस्ताव तथा छनौट गर्नु पर्नेछ ।
- बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा उपलब्ध बजेट सीमा र मार्गदर्शन अनुसार आयोजना तथा कार्यक्रमगत र विषयगत उपक्षेत्र अनुसार छुट्टाछुट्टै रूपमा तर्जुमा गर्नु पर्नेछ ।
- उपभोक्ता समिति, नागरिक तथा सामुदायिक संस्था, गैसससँग साझेदारी गर्न र सो मार्फत कार्यान्वयन गर्न सकिने आयोजना तथा कार्यक्रमलाई विशेष प्राथमिकता दिनु पर्नेछ ।
- स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शनमा उल्लेखित ढाँचा तथा फाराममा आयोजना र कार्यक्रम विवरण तयार गर्नु पर्नेछ ।
- योजना तथा बजेट तर्जुमा गर्दा गाउँपालिकाको स्थिति पत्र (प्रोफाइल) ले लक्षित गरे अनुसारका क्षेत्र तथा सबाललाई सम्बोधन गर्नु पर्नेछ ।

आज्ञाले,

कृष्ण प्रसाद पंथी

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

## अनुसूची ३

आज मिति २०८० बैशाख २० गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ वर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. १ का वडा अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार चौधरीज्यूको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिब र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भाबी योजना के हुन् सक्छन, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हागै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	श्री प्रदीप कुमार चौधरी	गैडहवा-१	वडा अध्यक्ष	९८४६०८६९८	
२	श्री विद्यामाला गौड	"	वडा सचिब	९८९९४६३६९९	श्यामलाल गौड
३	श्री राम लक्ष्मी कुमारी	"	"	९८९५४८०९९२	
४	श्री मिरा कुमाल	"	"	९९९४४५९९९९	मिरा
५	श्री सुनिता खतिवडा	"	"	९८९६४९६०९५	सुनिता
६	श्री दिलिप कु. भुज	"	वडा सचिब	९९४४४२९९४९	
७	श्री रमेशा कुमारी	श्री चौलागाडी आ.वि. गैडहवा-१	प्रिन्सिपल	९८९४४६९९६९	रमेशा
८	श्री जय प्रकाश पाली	श्री लाली गा.वि. सडा	वि.सं.ल. अध्यक्ष	९८९६४२२२२८	
९	विष्णु प्र. शर्मा	श्री लाली गा.वि. सडा	प्रमुख	९८४६०३९९०५	विष्णु
१०	हरिश्चन्द्र खत्री	श्री लाली गा.वि. सडा	स.स.	९८४६२६८९६६	
११	पंचम गौड	सडा (१)		९८२१०६०२५६	पंचम गौड
१२	जगन्नाथ शर्मा	सडा (१)	स.स.	९८१९९२९२९५	जगन्नाथ शर्मा
१३	प्रशु राम शर्मा	श्री. गा.प.१	समाजसेवा	९८९४४५२९२३	प्रशु राम
१४	रमा अधिकारी	गैडहवा - १	स.स.	९८९९९९९९९०	रमा
१५	चाणक्य खत्री	इन्द्रेणी	मिलिट्री	९८२६०२०३८०	चाणक्य
१६	विष्णु गौड	इन्द्रेणी		९८२६०२२९५५	विष्णु

आज मिति २०८० बैशाख १९ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ वर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. २ का वडा अध्यक्ष श्री सराजुद्दीन धुनिया ज्यूको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिब र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भाबी योजना के हुन् सक्छन्, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन् जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

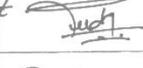
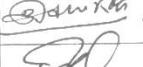
क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
	सराजुद्दीन धुनिया	गैडहवा-२ वडा कार्यालय	वडा अध्यक्ष	९८१७४३१०३०	
	कुलामी पासी	"	द.गा. वडा सदस्य		
	आली खेत	"	गा. वडा सदस्य		३-११२०
	सुन्दरी काट्य	"	वडा सदस्य		सुन्दरी काट्य
	दिल्लीराज चौधरी	"	"		
	दिलिप कुमार भुज	"	वडा सदस्य	९८४६४२५९४३	
	कुलाम शेष	"	का.स	९८०५४३४६५०	कुलाम शेष
	रवि प्रताप चौधरी	-	-	९८१४४५५६६३	
	सुन्दरी प्रसाद पन्ना	-	-	९८२६४१२६४५	
	बाबुदीन सुमलमान	-	-		
	शमशुदा उदा	-	-		
	राम देव पासी	-	-	९८२४४५२१४५	
	सुन्दरी सुमलमान	-	-	९८१९४४३६३३	
	बाबुकाजी प्रियारी	उत्प्रेषी	वि.स लि.स	९८६००२०३००	
	बाबुकाजी	"		९८६००२०३००	

आज मिति २०८० बैशाख २१ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ बर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. ३ का वडा अध्यक्ष श्री राम अजोर यादवज्यूको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिब र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भाबी योजना के हुन् सक्छन्, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन् जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	जगदीश प्रसाद यादव	गैडहवा गा.पा. ३ नं. वडा	सचिब	९८०४४४४६६	जगदीश
२	राम किशोर यादव	विद्युत् प्रा. मा.वि.	प्र.अ.	९८०४४४४६६	राम किशोर
३	चन्द्रजीतकुमार वडा सचिब		सचिब	९८०६४०८०००	चन्द्रजीत
४	किसिमाली पार्सी	"	सचिब		किसिमाली
५	रामशंकर कोइराला	"	सचिब	९८२१९०७३५३	रामशंकर
६	बिबेकानन्द भट्ट	सगाइना सा.व.	अध्यक्ष	९८०४४४४६६	बिबेकानन्द
७	लता चौधरी	गैडहवा गा.पा. ३	सचिब	९८९६४४४६००	लता
८	सुशीला चौधरी	जन जागृती मा.वि.	पु.अ.	९८४२१९७६७६	सुशीला
९	चन्द्रशंकर शिखर			९८२००२८३८८	चन्द्रशंकर
१०	विद्यालक्ष्मी	इन्द्रेणी		९८२६०३३४६	विद्यालक्ष्मी

आज मिति २०८० बैशाख २१ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ बर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. ४ का वडा अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह कुर्मोज्यको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिब र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भावी योजना के हुन् सक्छन, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	सुरेन्द्र सिंह कुर्मोज्य	गैडहवा गा.पा. ४ नं. १ वडा	वडा अध्यक्ष	९८२६०२०६९६	
२	महेन्द्र ठेकट	गैडहवा गा.पा. ११	वडा सचिब	९८१६८२००६२	
३	श्रीराम कलवार	गैडहवा गा.पा. १	कार्यपालिका सदस्य	९८०६५६९९६५	श्रीराम
४	उमाशंकर शर्मा	गैडहवा गा.पा. ४	कार्यपालिका सदस्य	९८१५४२४६०२	
५-	नन्दकुमार शर्मा	गैडहवा गा.पा. ४	टोलीबिषय अध्यक्ष	९८०६९६०९०४	नन्दकुमार शर्मा
६	गुणवहादुर शर्मा	११ ४	सदस्य	९८०५४३००६८	
६-	मोहरत पासी	११ ४	सदस्य	९८१५५५७६६५	
८-	खनश्याम शर्मा	श्रीपोखरा गा.वि.पोखरा गैडहवा-४	प्र.अ.	९८०६४९९३८६	
९-	मोहम्मद एजाज	११ ४	अध्यक्ष	९८१९९९२३६६	Mohammad
१०	विपती शर्मा	गैडहवा गा.पा. ४	कार्यपालिका	९८१०६१६१३४	विपती
११	पुनम खड्का शर्मा	गैडहवा गा.पा. ४		९८२१०२२५२३	
१२	सरोज शर्मा	गैडहवा गा.पा. ४			Sarita
१३	पुजा पासी	गैडहवा गा.पा. ४		९८१५५५७६६५	
१४	सुरेन्द्र कु शर्मा	गैडहवा गा.पा. ४	प्र.अ. वि.पोखरा	९८०७५०६९५३	

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१५	नवल कुमारी	गैडहवा गा. वि. पा. वडा	अध्यक्ष	९८०६५२०२५५	
१६	ओम प्र. चौधरी	गैडहवा गा. वि. पा. वडा	कार्यालय सहायक	९८६६५५२५५	
१६	श्यामनाथ चौधरी	जनकपुराण प्रा. वि. दाङ्गारापुर-६	प्रारंभिक शिक्षक	९२२५५६६६६६३	
१८	संगमकुमारी	गैडहवा गा. पा. वडा		९८०५५६२३८	
१८	सुरेन्द्र चौधरी	॥	आस्थानीय	९८१२९५३६६	
२०	अमेरीका चौधरी	॥	आस्थानीय	-	अमेरीका
२१	मिलेरी लेनीथ	॥	आस्थानीय	-	मिलेरी
२२	शिव कार्क	॥ -	आस्थानीय	९८२५५९८०५०	
२३	इन्द्र व. दाखरा	॥	आस्थानीय	९८१२९८६००२	
२६	राम मोहन लेनीथ	॥	आस्थानीय	९८१५५११६६	
२८	चानास्य प्रिन्सि	इच्छा			
२९	विष्णु गौरी	॥			

आज मिति २०८० बैशाख २१ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ बर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. ५ का वडा अध्यक्ष श्री विजय कुमार शर्माज्यूको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिब र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भाबी योजना के हुन् सक्छन्, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन् जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१-	श्री विजय कुमार शर्मा	गैडहवा गाउँपालिका	अध्यक्ष	९८४६०२४३०२	
२-	॥ फकक सुसम्मान	गैडहवा-२ वडा वि.	अध्यक्ष	९८९०४९९३६४	
३-	॥ शिव चरण सु	गैडहवा-२ वडा	साचिव	९९५७३८५०६९	
४-	महेश्वर सु	॥ ॥ ॥	सदस्य		
५-	विजय कुमार	गैडहवा-२ वडा वि.	साचिव		
६-	वादि सु	गैडहवा-२ वडा वि.	सदस्य		
७-	राम नेवासु	गैडहवा-२ वडा वि.	सदस्य	९८०७४३९६७८	
८-	पारस राम सु	श्री विजय गौरी सु	स.प्र	९८४४८२३४०६	
९	शुभान सु	श्री विजय आधार सु	स.प्र	९८९४४५८६४४	
१०	कमलेश पास	गैडहवा वडा नं.२	"	९८२५४९९९२	
११	बालकिसु	गैडहवा वडा नं.२	-	९८९४४६९३४०	
१२	रामप्रसाद सु	गैडहवा वडा नं.२		९८०६९९६००६	
१३	रामकान्त सु	गैडहवा वडा नं.२		९८२४४२९३३	
१४	सादीक सु	गैडहवा वडा नं.२	वेल्वि अध्यक्ष	९८९६४३३०६	
१५	सादीक सु			९८४००४३८	

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१५	रामवासुदेवी	गैडहवा-२ वि.सं.सं.सं. रूपरेखा		९८२१५५४० ६८	रामवासुदेवी
१६	पारस पुर्वे	गैडहवा प्र.ते.ली.सं.सं.		९८०६९९९४- ९५९	पारस पुर्वे
१७	राम गजलक्ष्मी	गैडहवा-२ यु.सं.सं.		९८०६५६३०९४	राम गजलक्ष्मी
१८	विपल पाण्डे	गैडहवा-२ यु.सं.सं.		९८०६४४६९९९	विपल पाण्डे
१९	बर्द्धुवासिं सुं	गैडहवा-२ वि.सं.सं.		९८०६९०६६२०	बर्द्धुवासिं सुं
२०	बिनो कुशवर्त	गैडहवा-२ वि.सं.सं.		९८२१५५४०६८	बिनो कुशवर्त
२१	शीर्षिला यादव	गैडहवा-२ वि.सं.सं. सिंहवा		९८१३६८६६३३	शीर्षिला यादव
२२	जैल मोहन	गैडहवा-२ वि.सं.सं. सिंहवा			जैल मोहन
२३	त्रिभुवनकुमार	गैडहवा-२ यु.सं.सं.		९८०६५६३२०९	त्रिभुवनकुमार
२४	दिनेश मुरार	गैडहवा-२ वि.सं.सं. सिंहवा		९८१४६४६९९६	दिनेश मुरार
२५	विष्णु गैडहवा	गैडहवा-२ यु.सं.सं.		९८२६०३३४४४	विष्णु गैडहवा
२६	राजु शाह	"		९८२६०३३४४४	राजु शाह
२८	विष्णु गैडहवा	"		९८२६०३३४४४	विष्णु गैडहवा

आज मिति २०८० बैशाख १७ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ बर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. ६ का वडा अध्यक्ष श्री राज कुमार लोधज्यूको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिव र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भावी योजना के हुन् सक्छन्, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन् जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	राजकुमार लोधा	वडा प्रतिगिष्ठा	अध्यक्ष	९८०८०१८१५	
२)	शैलेन्द्र चौधरी	वडा " "	सदस्य	९८०७५८३३५८	
३)	शान्त प्र लोधा	वडा " "	सदस्य	९८०७५८३३०४२	
४)	मन्जु हरिजन	वडा " "	सदस्य		
५)	सुशान्त लोधा	वडा " "	सदस्य		
६)	श्री हरिहरनाथ	वन समुदाय	सचिव	९८४६२०९९५०	
७)	दिदी लोधा			९८२१९५११८५	
८)	श्री विन्दु लोधा				
९	इन्द्रा प्र. चौधरी			९८००७८६२९७	
१०	शान्त प्र लोधा				
११	शान्त प्र लोधा				
१२	हरिहरनाथ	वडा वडा समिति	सदस्य	९८०६२२०९६६	
१३	मन्जु हरिजन			९८०७५८३३५१	
१४	शैलेन्द्र चौधरी	गैडहवा - ६	वडा सचिव	९८५८३२००५०	



आज मिति २०८० बैशाख १७ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ वर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. ७ का वडा अध्यक्ष श्री लाल बहादुर केवटको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिव र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भाबी योजना के हुन् सक्छन, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१.	लाल बहादुर केवट	गैडहवा - ७	वडा अध्यक्ष	९८१६४६६४ ६६	
२.	धर्मराज कोटार	" "	सदस्य	९८११९३४६ ५५	
३.	कलावती चम्पार	" "	"	९८०६३६६ १३०	
४.	महरजिया थापा	" "	"	९८१९४१४९ ०६	
५.	चन्द्र किसोर थापा	स्वास्थ्यकर्मी तालिम संघ	अध्यक्ष	९८०४४१११ ८८	
६.	प्रेम शंकर थापा	स्वास्थ्यकर्मी तालिम संघ	अध्यक्ष	९८६६६६९ ३५२	
७.	चन्द्र प्रकाश घर्ती	समाजसेवी	गैडहवा	९९५७००५६५	
८.	पुष्पाभा शिशी	सल्लेखारी स्वयंसेवक संघ	७.	९९५७००५६५	
९.	महेन्द्र केवट	का.स.		९९४४६०११५	
१०.	अनिल कुमार कोटार	का.स.		९८१६४०३११२	
१०.	धिर-५ चौधरी	वैश्या - ७	वडा सचिव	९८२२२००००	
११.	संपना सुनार कोटार	" "	पि.सं	९९०००२१२०२	
१२.	दिप वहादुर सुनार	समाजसेवी		९८११२२९६९९	
१३.	चण्डिका शिशी	इन्द्रेणी		९८२६०५६३६०	
१४.	प्रतीप शिशी	इन्द्रेणी		९८२६०२१२९३	
१५.	विष्णु शिशी	"		९८२६०३३४६४	

आज मिति २०८० बैशाख १५ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ बर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. ८ का वडा अध्यक्ष श्री भुवन बहादुर राना मगरज्यूको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिव र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिविसंग बैठक बस्यो। वडाका भावी योजना के हुन् सक्छन्, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन् जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो। बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	श्री भुवन बहादुर राना मगर	गैडहवा नं. वडा	वडाध्यक्ष	९८५००६८०४४	
२	श्री रान बहादुर सि. ड	पुगती टो. वि. वि.	सचिव	९८११५३०५८०	
३	श्री उदनाथ खनाल	देवीगंगा टो. वि. वि.	अध्यक्ष	९८५६९५४४	
४	श्री कास्ति कु शिवाली	एलाहापुर टो. वि. वि.	अध्यक्ष	९८५६५८०२२०	
५	श्री राजेश कुमार गौतम	श्री जगत आचार्य विद्यालय	शिस्त	९८४०२८९८२०६	
६	श्री विनीत बरई	श्री एल. एन. ए. वि. वि.	आध्यक्ष	९८०५४३२२४५	
७	श्री शर्मिष्ठा शर्मा	श्री उदित कामा लाम	सचिव	९८२४४२५०२२	
८	रमेश चन्द्र शर्मा	देवीगंगा आर. वि. वि.	सि. अ. वि. वि.	९८४१२२६६६	
९	जोगिन्द्र केवट	देवीगंगा प. वि. वि.	स. प्र.	९८११५५०५३१४	
१०	राम बदन केवट	सैलु शिवाजीपुर टोल		९८०५५३०५९०	
११	आशिष पोखरेल	एलाहापुर (ग. वि.)	सि. प्र.	९८५७०३२०८५	
१२	अर्जुन बहादुर कुमाल	गैडहवा नं. वडा	वडाध्यक्ष	९८००६६६२९०	
१३	शत्रुघ्न मादव	गैडहवा नं. वडा		९८०६२२९५४	
१४	राधेश्याम मादव	गैडहवा नं. वडा रानदिप क. वि. वि.	स. प्र.	९८२९६००९०६	



आज मिति २०८० बैशाख १९ गते गैडहवा गाउँ पालिकाको ५ वर्षे आवधिक योजना निर्माणको क्रममा वडा नं. ९ का वडा अध्यक्ष श्री मीना क्षेत्री ज्यूको अध्यक्षतामा वडा समिति, वडा सचिब र स्थानीय सामुदायिक संस्थाका प्रतिनिधिहरु, शिक्षक तथा अन्य बुद्धिजिबिसंग बैठक बस्यो । वडाका भावी योजना के हुन् सक्छन्, वडाका सम्भावना के रहेका छन्, प्राथमिकता के हुन् सक्छन् जस्ता बिषयमा व्यापक छलफल, अन्तरक्रिया परामर्शदाता संस्था इन्द्रेणीका टोलीसंग बसेर हामै सक्रिय सहभागितामा तैयारी गरेर टोलीलाई उपलब्ध गराइयो । बैठकको उपस्थिति निम्न अनुसार छ ।

क्र.स.	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	मिना क्षेत्री	गैडहवा गा.पा. ९	वडा अध्यक्ष	९२९२४ ९६४९६	
२	पुनम सुनार	"	वडा सदस्य	९२१६२९६९	
३	शान्ता शर्वाली	"	वडा सदस्य	९८९९४०९६ ६९	
४	सुरेन्द्र यादव	"	वडा सचिब	९८०२९६९ ६६९	
५	वसन्त बहिन		महिला समिति	९८५००२६०५९	
६	कण बबलाल		टो.के.अ.स.का	९८६६९९९ ४९०	
७	सोपे कुमार सिजाली		"	"	"
८	दिलब कार्की	सनादेशरी टोल विकास स.	टो.के.अ.स.का	९८०४४२६३६९	
९	इन्द्रा थारु				
१०	जोगीन्द्र के.के.		पशु सेवा केन्द्र प्रमुख	९८११९९०९९	
११	सोपे कुमार सिजाली	सनादेशरी टोल विकास स.का	सदस्य	९८६७९२०२९६	
१२	इन्द्रा कु.थारु	सनादेशरी टोल विकास स.का	सदस्य	९८०७५५६६६	
१३	लाल दे.प्रसाद	गैडहवा टोल विकास स.का		९८११९९९९९	
१४	मोहन पन्नी	गैडहवा टोल विकास स.का		९८५६७६९९९	

१५. चाणक्य शाही

१९९७०९३३३९





INDRENI RURAL DEVELOPMENT CENTRE NEPAL (IRD)  
ATTENDANCE SHEET (AS)

Name of Event : Orientation meeting of Periodic plan Date : 27 April 2023  
District : \_\_\_\_\_ VDC/Municipality : Gaidhawa Ward : 3

S. N	Name	Gender (M/F/O)	Organization Address	Designation	Contact Number	Age Category	Signature
1	Surendra Poudyal	M	Gaidhawa	President	985701153	42	
2	मिर्जा शर्मा		गैडहवा		9821405887		
3	Krishna Prasad Pantar	M	गैडहवा	officer	9857016153	46	
4	Pradeep Kumar Chui	M	गैडहवा	ward chair	980936700		
5	Bijay Kumar Shari	M	गैडहवा-5	ward member	984705430	28	
6	Bhawan Bahadur Ram Prasad	M	गैडहवा-8	11 11	9859078044	56	
7	Shri Bann Kalwan	M	गैडहवा-3	Sadash Kanti		60	
8	Gita Chaudhary	F	गैडहवा-3	ward member	9817414708	29	
9	मिर्जा शर्मा	F	गैडहवा-4	ward member	9807426013	42	
10	कमला शर्मा	F	गैडहवा-7	वडा सदस्य			

IRD-ADMIN\_Attendance Form

Form No: 15



S. N	Name	Gender (M/F/O)	Organization Address	Designation	Contact Number	Age Category	Signature
12	Ganesh Bhattarai	M	Gaidahawa Rm	officer	9857031829	40	[Signature]
13	P. B. Raw Pokhrel	M	"	"	588109518	56	[Signature]
14	Surendra Chaudhary	M	Gaidahawa Rm	Assistant	9857064124	46	[Signature]
15	Pradeep Kumar Kohar	M	"	Assistant	9817459526	30	[Signature]
16	Tika Aryal Khanal	F	Gaidahawa Rm	J.T.	9857039282	32	[Signature]
17	Sita Gautam	F	Gaidahawa Rm	S.A.N.M. In-charge	9841272552	50	[Signature]
18	Sparshagiri	F	Gaidahawa Rm	A.W.D. J.	5285664828	84	[Signature]
19	Alisa Khan	F	Gaidahawa Rm	E.D.F	9662522565	22	[Signature]
20	Ranju Thapa	F	Gaidahawa Rm	E.V.F	5255326582	24	[Signature]
21	Manisha Banskari	F	Gaidahawa Rm	E.C	9857052454	29	[Signature]
22	NAYAN BAHADUR YADAV	M	Gaidahawa-3	P.P.O	9867423216	53	[Signature]
23	Shiv Charan Murari	M	Gaidahawa-5	ward-5	9847364069	50	[Signature]
24	Dipak Mondasini	M	Gaidahawa Rm	ward-8	9849558525	32	[Signature]
25	Ganga Ram Chaudhary	M	"	Gaidahawa	9805404680	55	[Signature]
26	Dhirendra Chaudhary	M	Gaidahawa-6	ward-6	9858320040	40	[Signature]
27	Deeep Kumar Bhuwal	M	Gaidahawa-1	ward-1	9817449149	29	[Signature]

Form No: 15

IRDC-ADMIN\_Attendance Form



S. N	Name	Gender (M/F/O)	Organization Address	Designation	Contact Number	Age Category	Signature
28	Mahesh Pr. Chaudhary	M	Gaidahawa-04	Accountant	9868938191	38	
29	Rajpati Nath Thapa	M	" - 06		9844882224	30	
30	Mahendra Kumar Leek	M	" "	Amin	9860547383	25	
31	Tika Ram Chaudhary	M	Gaidahawa-03	Sub. Eng	9849361188	35	
32	Tulsiram Bhusal	M	Gaidahawa-office	Internal Auditor	9844108813	30	
33	Narayan Darlami	M	Gaidahawa "	VTA	9857065070	54	
34	Ganip Yadav	M	Gaidahawa "	Asst. sub engineer	9815496809	29	
35	Ranipat Malik	M	Gaidahawa - Jaapa	officer	9843211028	30	
36	Sanjay Kumar Pasi	M	" "	Attender	9857008888	34	
37	Yam Kunj Pandul	M	" "	Accountant	9857007744	35	
38	Madhav Raj Paudel	M	" "	Secy. off.	9847020046	45	
39	Rachana Gautam	F	" "	Officer	9840221093	29	
40	Ratheshyam Kewel	M	" "	A. officer	9822709622	20	
41	Mandal Thadny	M	" "	A. officer			
42	Mine Chhetri	F	Gaidahawa	Attender	9844855656	32	
43	Bijay Kewel	M	Gaidahawa-3	A. officer		27	

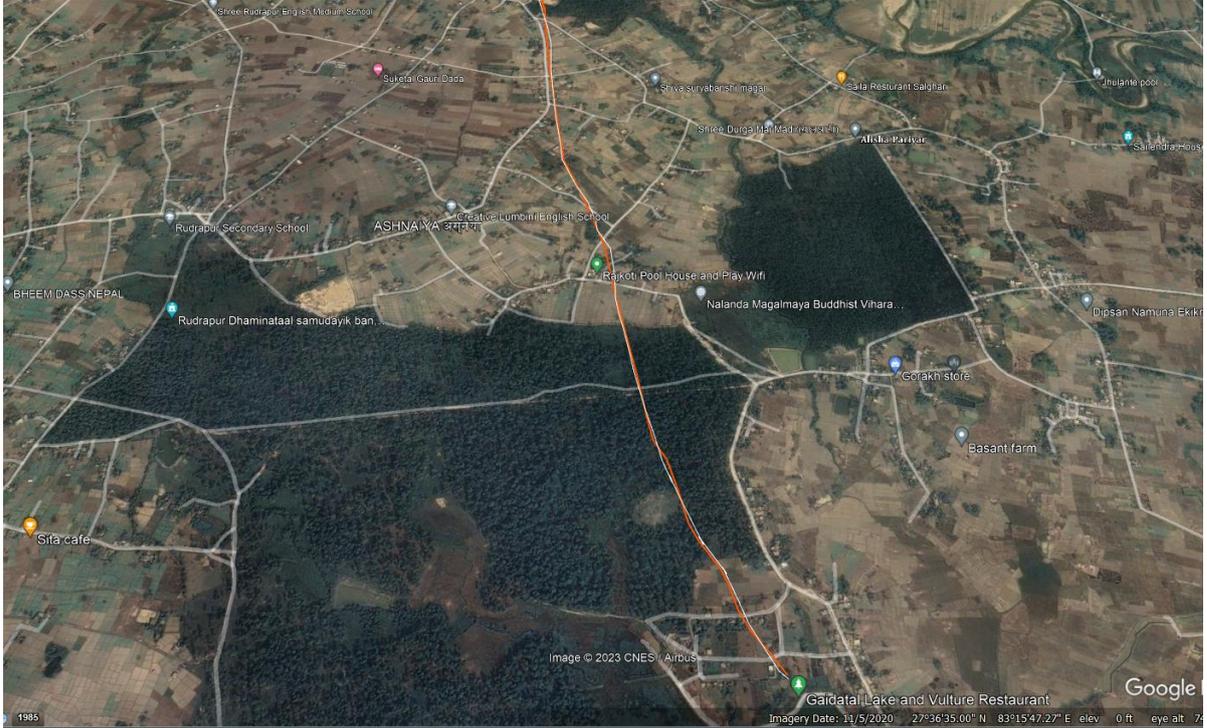
Form No: 15

IRDC-ADMIN\_Attendance Form



S. N	Name	Gender (M/F/O)	Organization Address	Designation	Contact Number	Age Category	Signature
44	शुक्रेश यादव	M	सुदूर ३	सहायक	९८०२६७७६५२४६	४६	
45	सुनील शर्मा	M	२	वस सुदूर	९८१७४३७२६	३०	
46	Lal Bahadur Kewat	M	Gaidahawa. 7	Coord-Pre.	९८१६५७७५७६		
47	Ashok Kewat	M	११	अभिग	९८१२९८३३११		
48	Mahendra B.K	M	Gaidahawa	सिपाय	९८०५५५५५५५		
49	Ashles Singh Yadav	M	Gaidahawa-7	कौशल	९८२५४३६०४६		
50	Munkei kumar Chaurasy	F	IRDC	CHM	९८५१२९१५७	३३	
51	Shanti Loniyar	F	Gaidahawa	A.O			
52	Ram Kripal Kohar	M	Gaidahawa	डाई			
53	Bishnu Gautam	M	IRDC		९८५७३३४५५		
54	Chanaky Adhikari	M	"		९८५७३३४५५		
55	Badeep Sush	M	"		९८५७३३४५५		
56	Raju Shah	M	"		९८५७३३४५५		
57							

## अनुसूची ५ कार्यक्रमका तस्वीरहरु



कन्चन नदि देखि सालघारी कल्भर्ट शान्ति बजार गैड हवा ताल सम्माको सिंचाई नहर योजना



गैडहवा गाउँ पालिकाको सडक तथा फूलहरुको अवस्थिति-कन्चन नदि